शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 296 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 26 मई, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

नकली सोने के कारोबार में लिप्त 16 चढ़े पुलिस के हत्थे पेज 3

वंदे भारत ट्रेन की रफ्तार से आगे बढ़ रहा भारत, अब रुकने वाला... पेज 4

लोकतंत्र को कमजोर करने वाला है विपक्ष का रवैया : योगी पेज 5

राजस्थान सहित छह राज्यों की चाबी अपने हाथ में रखेगी जेजेपी पेज 8

44,703 सफल अभ्यर्थियों को नियुक्ति-पत्र वितरित

मोदी ने विकास का एक नया युग शुरु किया : केंद्रीय गृहमंत्री

गुवाहाटी। केंद्रीय गृहमंत्री ने आज गुवाहाटी खानापाड़ा स्थित वेटेनरी कॉलेज ग्राउंड में 44,703 सफल अभ्यर्थियों को नियुक्तिपत्र वितरित किया। अमित शाह ने कहा कि जिस असम में महीनों तक कर्फ्यू रहता था, गोलीबारी होती थी, उस असम में पीएम मोदी ने विकास का एक नया युग शुरु किया। शाह ने कहा कि एक लाख युवाओं को सरकारी नौकरी ये बताता है कि असम के लोग आज शांति और विकास चाहते हैं। शाह ने कहा कि हिमंत विश्व शर्मा ने कहा था कि असम के युवाओं को राज्य के विकास का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। भाजपा ने चुनावी वादों को पूरा किया। आज करीब 86,000 युवाओं को नौकरी मिल रही है, सिर्फ 2 साल के अंदर वादा पूरा हुआ है। उधर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नई संसद के बहिष्कार को लेकर विपक्ष पर जमकर हमला बोला है। शाह ने कहा कि आप जो कर रहे हैं, ये भारत के 130 करोड़ लोग देख रहे हैं। अगले चुनाव में जब मैंडेट लेने जाएंगे... इस बार विपक्ष का स्टेटस चला गया है, अगली बार इतनी भी सीटें नहीं आएंगी और मोदी जी -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वोत्तर में युवा विकास की मुख्यधारा में लौट रहे हैं : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि पूर्वोत्तर के युवा भारतीय जनता पार्टी सरकार की नीतियों के कारण बड़ी संख्या में विकास की मुख्यधारा में लौट रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार में असम आज शांति और विकास के नए युग का साक्षी बन रहा है। प्रधानमंत्री मोदी वीडियो संदेश के माध्यम से असम रोजगार मेला को संबोधित करते हुए अपनी बात रख रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि वर्तमान भाजपा सरकार की नीतियों के कारण आज पूर्वोत्तर में बड़ी संख्या में युवा विकास की मुख्यधारा में लौट रहे हैं। भाजपा की सरकार युवाओं के सपनों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर देकर हम नए भारत के निर्माण की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने असम सरकार में नौकरियों के लिए भर्ती हुए युवाओं और उनके परिवारों को बधाई दी। उन्होंने पिछले महीने बिहू के अवसर पर राज्य की अपनी यात्रा को याद किया और कहा कि असमिया संस्कृति के महिमामंडन के प्रतीक भव्य आयोजन की स्मृति अभी भी उनके दिमाग में ताजा है। उन्होंने कहा कि आज का रोजगार मेला असम में युवाओं के भविष्य के प्रति गंभीरता को दर्शाता है। इससे पहले भी असम में रोजगार मेले के जरिए 40 हजार से ज्यादा युवाओं को सरकारी -शेष पृष्ठ दो पर

अमित शाह ने रखी नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी की आधारशिला

गुवाहाटी (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को राजधानी गुवाहाटी के निकटवर्ती मलंग (चांगसारी) में नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी की आधारशिला रखी। केंद्रीय गृह मंत्री ने पुलिस सेवा सेतु नामक ऐप को लॉन्च किया। गुरुवार को राजधानी के पंजाबारी स्थित श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र प्रेक्षागृह में आयोजित एक समारोह में उन्होंने वर्चुअल माध्यम से नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी की आधारशिला रखी। इस यूनिवर्सिटी के निर्माण पर लगभग तीन सौ करोड़ रुपये का अनुमानित खर्च किया जाएगा। लगभग 51 एकड़ भूमि पर प्रस्तावित इस यूनिवर्सिटी का काम 7 वर्ष में पूरा हो जाना है। इस मौके पर केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि इस यूनिवर्सिटी में फिलहाल पांच स्ट्रीमों की पढ़ाई होगी। बाद में इसे बढाकर 30 तक ले जाया जाएगा। यहां दो हजार से से तीन हजार छात्रों के पढ़ने की व्यवस्था होगी। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि यह विश्व का 11वां और भारत की दसवीं यूनिवर्सिटी है। इसके बन जाने से न सिर्फ असम और पूर्वोत्तर के राज्य, बल्कि पूरे दक्षिण पूर्व एशिया के अन्य देशों को भी फायदा मिलेगा। गृहमंत्री ने कहा कि गंभीर तरीके के आपराधिक ऐसे मामलों, जिनमें 5 से 6 वर्ष की सजा दी जाती है, ऐसे सभी मामलों की फॉरेंसिक जांच करवाने की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों को नौकरी की कोई कमी नहीं रहेगी। इस -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

मोदीजी के शासनकाल में पूर्वोत्तर में शांति आई है : अमित शाह

गुवाहाटी (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नौ वर्षों के कार्यकाल में पूर्वोत्तर में हर तरफ शांति व्याप्त हुई है। उन्होंने कहा कि लोगों की मृत्यु दर में यहां 81 प्रतिशत की कमी आई है। चाहे वह बोडोलैंड का उग्रवाद हो या फिर डिमा हसाउ, कार्बी आंगलोंग या फिर चाय जनजाति से संबंधित हर तरह के उग्रवाद पर अंकुश लगा है। गुमराह होकर इन संगठनों से जुड़े लोग हथियार छोड़कर शांति के मार्ग पर लौट आए हैं। यही वजह है कि आज असम और पूरे पूर्वोत्तर भारत का विकास तेजी से हो रहा है। गृह मंत्री ने कहा कि नरेंद्र मोदी ने देश में जो एक कार्यप्रणाली का खाका खींचा है उसी का नतीजा है कि आज असम के 45 हजार बेरोजगार युवक-युवती बगैर एक रुपए खर्च किए हुए नौकरी पा सकते हैं। उन्होंने कहा कि पहले सर्वानंद सोनोवाल और अब डॉ हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में राज्य उत्तरोत्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर हो रहा है। उन्होंने कहा कि अगली बार वे जब असम आएंगे तो एक लाख लोगों को नौकरी देने का वादा पूरा करने की घोषणा पूरी हो चुकी होगी। केंद्रीय गृह मंत्री ने आज नौकरी पाने वाले युवक-युवतियों से अपील की कि वे जिस किसी भी विभाग में जाएं पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ कार्य करें, ताकि देश के गरीब से गरीब लोगों को सेवा दी जा सके। गृह मंत्री ने कहा कि आप युवाओं के परिश्रम और ईमानदारी से असम और पूरा देश आगे बढ़ेगा। नए संसद भवन के मुद्दे पर कांग्रेस तथा विपक्षी पार्टियों को लताड़ते हुए अमित शाह ने कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

एनएफएसयू गुवाहाटी परिसर एक मील का पत्थर है : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) गुवाहाटी कैंपस के उद्घाटन के साथ असम में उत्सव का एक महत्वपूर्ण दिन देखा गया, जो फोरेंसिक विज्ञान के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाता है। इस कार्यक्रम में असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित सम्मानित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि इस ऐतिहासिक अवसर से पहले एक और महत्वपूर्ण घटना हुई थी, जब 14 अप्रैल को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने एम्स गुवाहाटी को राष्ट्र को समर्पित किया था, जिससे क्षेत्र में स्वास्थ्य देखभाल के बुनियादी ढांचे को मजबूत किया गया था। उन्होंने कहा कि इसके बाद, एनएफएसयू गुवाहाटी परिसर ध्यान का केंद्र बिंदु बन गया, जिसने फोरेंसिक विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त की। सीएम शर्मा ने कहा कि एनएफएसयू की यात्रा 2009 में शुरू हुई जब प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में सेवा करते हुए गुजरात फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी की स्थापना की। आज, उनके नेतृत्व में यह दुबई, ओमान, उज्बेकिस्तान, मंगोलिया, गांधीनगर, दिल्ली, गोवा और अब गुवाहाटी सहित विभिन्न स्थानों में फैले परिसरों के साथ राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय के रूप में विकसित हुआ है। उन्होंने कहा कि एनएफएसयू गुवाहाटी परिसर न केवल असम के लिए, बल्कि पूरे दक्षिण पूर्व एशिया के छात्रों के लिए बहुत महत्व रखता है। साइबर सुरक्षा, डिजिटल -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

वॉटर पाइप लाइन फटने से दो की मौत, 20 से ज्यादा घायल

गुवाहाटी। गुवाहाटी में वॉटर पाइप लाइन फटने से पानी की रफ्तार तेज हो गई। इसकी चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 से अधिक घायल बताए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक गुवाहाटी के खारगुली में डॉन बॉस्को यूनिवर्सिटी के नजदीक यह हादसा हुआ। वॉटर पाइप लाइन फटने की वजह से दर्जनों घर और गाड़ियां क्षतिग्रस्त हुए हैं। तीन बजे के आसपास हुई इस घटना में करीब 30 लोग -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में पुनः हिंसा, एक की मौत

इंफाल। हिंसा प्रभावित मणिपुर के बिष्णुपुर और चुराचंदपुर जिलों की सीमा से सटे इलाकों में संदिग्ध उग्रवादियों और लोगों के एक समूह के बीच ताजा हिंसा में एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि बुधवार को हुई हिंसा के दौरान 30 वर्षीय टोइजाम चंद्रमोनी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी और 22 वर्षीय लीचोंबम अबुंगनाओ घायल हो गए थे, जब संदिग्ध आतंकवादियों ने लोगों के समूह पर गोलियां चलाईं, जिनमें ज्यादातर लोग शामिल थे, जो हाल ही में हुए जातीय संघर्षों के दौरान विस्थापित हुए थे। उन्होंने कहा कि ऐसी खबरें थीं कि आतंकवादियों ने मंगलवार देर रात बिष्णुपुर जिले के तोरोंगलोबी में कुछ ग्रामीणों के घरों -शेष पृष्ठ दो पर

हिंसा करने वालों को बख्शेंगे नहीं : केंद्रीय गृह मंत्री

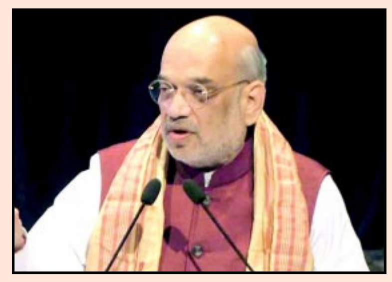

गुवाहाटी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गुरुवार को हिंसाग्रस्त मणिपुर को लेकर बड़ा बयान दिया है। गृहमंत्री ने पहली बार कहा कि मैं केद्र सरकार की ओर से प्रदेश के सभी लोगों को विश्वास दिलाना चाहता हूं कि सबके साथ न्याय होगा। हिंसा करने वालों को हम बख्शेंगे नहीं। उन्होंने कहा कि पहले दोनों ग्रुप शांति बनाने का निर्णय करें। वे यहां कलाक्षेत्र में आयोजित नेशनल फॉरेंसिक साइंस -शेष पृष्ठ दो पर

असम के दो पर्वतारोहियों ने कंचनजंघा पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया

गुवाहाटी। असम के दो पर्वतारोहियों ने गुरुवार को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी चोटी माउंट कंचनजंघा पर चढ़ाई की। पर्वतारोहियों ने चोटी पर पहुंचकर राष्ट्रीय ध्वज फहराया। असम पर्वतारोहण संघ (एएमए) के जनरल सचिव (प्रभारी) मृगांका शर्मा ने कहा कि भास्कर बरुआ और जयंत नाथ सात सदस्यीय टीम का हिस्सा थे, बुधवार को शाम 6:30 बजे शुरू हुए शिखर शिविर से कठिन चढ़ाई के बाद सुबह 7:15 बजे 8,586 मीटर ऊंची चोटी पर पहुंचे। -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
संधि और एकता होने पर भी सतर्क रहें।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

ड्रग तस्कर ने छात्र नेता की हत्या की

कोहिमा। नगालैंड में ड्रग तस्कर ने एक छात्र नेता की हत्या कर दी। आरोपी फिलहाल पुलिस की हिरासत में है, जबकि गुस्साई जनता ने आरोपी के घर को आग के हवाले कर दिया। मामला राज्य के मोन जिले की है। पुलिस के अनुसार, गुरुवार को संदिग्ध ड्रग तस्कर मेन्शान कोन्याक ने तिजित एरिया स्टूडेंट्स यूनियन (टीएएसयू) की एक्शन कमेटी के अध्यक्ष अहोआ कोन्याक की हत्या कर दी है। मामले में पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि सुबह साढ़े नौ बजे उन्हें सूचना मिली कि टीएएसयू की टीम ड्रग्स की जांच के लिए एक घर में औचक घुस -शेष पृष्ठ दो पर

नौसेना ने रचा इतिहास

आईएनएस विक्रांत पर रात में मिग-29के ने की लैंडिंग

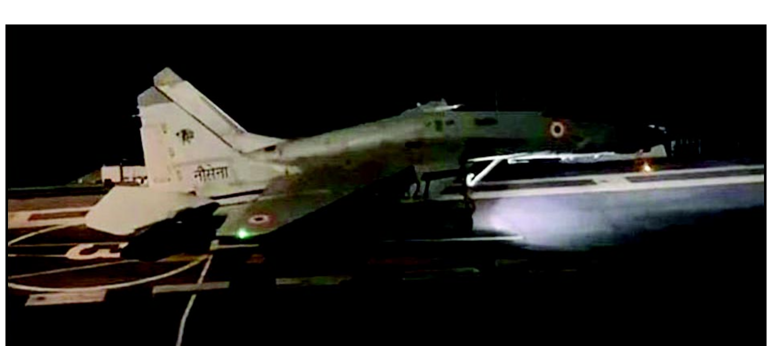

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना ने एक और एतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। भारतीय नौसेना ने स्वदेशी एयरक्राफ्ट करियर आईएनएस विक्रांत पर रात के अंधेरे में मिग-29के को उतारकर इतिहास रचा है। नौसेना ने एक बयान जारी कर बतायाकि यह नौसेना की आत्मनिर्भरता के प्रति उत्साह का संकेत है। भारतीय नौसेना ने इस उपलब्धि को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के *आत्मनिर्भर भारत* की दिशा में एक और कदम के रूप में मार्क किया है। भारतीय नौसेना ने पहली रात लैंडिंग का वीडियो ट्विटर पर शेयर किया है। मिग-29के की लैंडिंग को लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आईएएनएस विक्रांत पर मिग-29के की रात में पहली लैंडिंग के परीक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए भारतीय नौसेना को बधाई देता हूं। यह उल्लेखनीय उपलब्धि विक्रांत चालक दल और नौसेना के पायलटों के कौशल, दृढ़ता और व्यावसायिकता का प्रमाण है। इससे पहले तेजस विमान के नौसैनिक वर्जन ने आईएनएस विक्रांत पर सफलतापूर्वक लैंडिंग की थी। हालांकि, तब यह लैंडिंग दिन के वक्त ही करवाई गई थी। इसके अलावा -शेष पृष्ठ दो पर

60 वर्षीय आशीष विद्यार्थी ने असम की रुपाली से की शादी

मुंबई। बॉलीवुड इंडस्ट्री का जाना माना नाम आशीष विद्यार्थी एक बार फिर से दूल्हा बने हैं। उन्होंने 60 साल की उम्र में दूसरी शादी रचाई है। आशीष ने असम की रुपाली बरुआ से शादी कर ली है। बताया जा रहा है उन्होंने कुछ करीबियों की मौजूदगी में कोर्ट मैरिज की है। रुपाली फैशन के बिजनेस से जुड़ी हुई हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आशीष ने शादी के बाद कहा कि जिंदगी के इस पड़ाव पर, रुपाली से शादी करना एक एक्स्ट्रा-ऑर्डिनरी फीलिंग है। रूपाली से मुलाकात को लेकर आशीष ने कहा कि ये बड़ी लंबी कहानी है। उन्होंने कहा कि मुलाकात कैसे हुई इसके बारे में -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, Ph. : 94350-48866, 94018-06952

देश छोड़कर नहीं जा सकेंगे इमरान, नो फ्लाई लिस्ट में शामिल हुए पूर्व पीएम

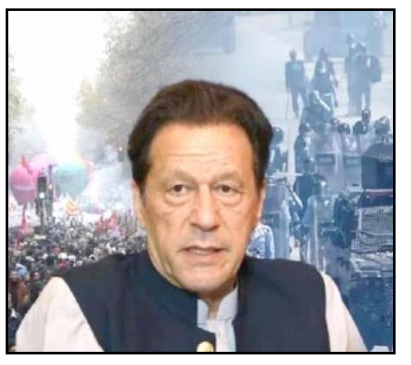

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व मुख्यमंत्री इमरान खान, उनकी पत्नी बुशरा बीबी और उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के 80 अन्य सदस्यों को नो फ्लाई लिस्ट में डाल दिया गया है। सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। सैन्य प्रतिष्ठानों पर उनके समर्थकों द्वारा किए गए हमलों के बाद विकास उनके राजनीतिक दल पर संभावित प्रतिबंध की अटकलों के बीच आया है। बुधवार को इमरान खान ने पाकिस्तान के लोगों को संबोधित करते हुए कहा था कि उनकी पार्टी पर बड़े पैमाने पर कार्रवाई की जा रही है। 25 मई को इमरान खान ने ट्विटर पर आरोप लगाया कि पाकिस्तान सरकार पार्टी को खत्म करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने ट्वीट करते हुए कहा कि आज सबसे बड़ी और एकमात्र संघीय पार्टी बिना किसी जवाबदेही के राज्य सत्ता के पूर्ण रोष का सामना कर रही है। 10,000 से अधिक पीटीआई कार्यकर्ता और समर्थक वरिष्ठ नेतृत्व सहित जेल में हैं और कुछ हिरासत में यातना का सामना कर रहे हैं। अपने पहले के एक संबोधन में इमरान खान ने कहा था कि वह आज सत्ता में रहने वाले किसी भी व्यक्ति के साथ बातचीत के लिए एक समिति गठित करने के लिए तैयार हैं। 9 मई को अर्धसैनिक रेंजरों द्वारा खान की गिरफ्तारी के बाद हिंसक विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए थे। इस महीने की शुरुआत में पीटीआई समर्थकों के व्यापक हिंसा में शामिल होने के लिए इमरान खान आलोचना का सामना कर रहे हैं। रावलपिंडी में सेना मुख्यालय सहित कई सैन्य प्रतिष्ठानों पर भीड़ ने हमला किया। पुलिस ने हिंसक झड़पों में मरने वालों की संख्या 10 बताई है।

धूप से बचाने के लिए मां ने मासूम को पार्किंग में सुलाया, कार ने कुचला, हुई दर्दनाक मौत

हैदराबाद। हैदराबाद से एक दिल चीरने वाली खबर सामने आ रहा है। दरअसल, यहां पर एक गाड़ी ने पार्किंग में सो रही तीन साल की बच्ची को रौंद दिया। इस घटना का वीडियो पार्किंग में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है। हैदराबाद के लेक्चरर कॉलोनी, हयातनगर अपार्टमेंट के पार्किंग क्षेत्र में एक कार की चपेट में आने से तीन साल की बच्ची की मौत हो गई। दरअसल, आरोपी हिर राम कृष्ण अपनी गाड़ी खड़ी करने के लिए पार्किंग में आया, लेकिन उसे सोती हुई बच्ची नजर नहीं आई। गाड़ी खड़ी करने में ही आरोपी ने गलती से सो रही लक्ष्मी नाम की लड़की के ऊपर अपनी गाड़ी चढ़ा दी। मिली जानकारी के मुताबिक, लड़की की मां, एक मजदूर है और वो काम पर गई थी, लेकिन बच्ची को गर्मी से बचाने के लिए उसने पार्किंग में ही सुला दिया। तभी अचानक, कृष्णा अपने घर लौटा और अपनी कार को अपने पार्किंग में लगाने के लिए आगे बढ़ा। इसी दौरान वह अनजाने में मासूम के ऊपर चढ़ गया, जिससे बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई। पूछताछ के दौरान, कृष्णा ने कहा कि उसे पार्किंग में सोती हुई बच्ची नजर नहीं आई, क्योंकि वह ढकी हुई थी। पुलिस ने शिकायत दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी। हाल ही में, हैदराबाद में इस तरह का एक मामला पहले भी सामने आया था।

मिलावटी दूध की जांच के लिए देशव्यापी चलेगा अभियान

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) दुग्ध और उससे जुड़े उत्पादों की गुणवत्ता एवं सुरक्षा मानकों की जांच के लिए देशव्यापी अभियान चलाएगा। खाने-पीने से जुड़े उत्पादों पर नजर रखने वाली शीर्ष नियामक संस्था का कहना है कि इसका मकसद दुग्ध उत्पादों में मिलावट की जांच करना है और उन क्षेत्रों की पहचान करना है, जहां ऐसा होता है। एक विज्ञप्ति में एफएसएसएआई ने कहा है कि देश के सभी जिलों से इसके लिए सेंपल एकत्र किए जायेंगे। इनकी आगे जांच की जाएगी। जांच के नतीजों के आधार पर मिलावट को रोकने के उपाय किए जाएंगे। दुग्ध भारतीय खाद्य संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। हर आयु वर्ग के लोगों के दैनिक आहार में दुध और उससे जुड़े उत्पादों का बड़ा योगदान होता है। यह उन्हें पोषक पदार्थ और आवश्यक तत्व मुहैया कराता है। एफएसएसएआई का कहना है कि इन्ही बातों को ध्यान में रखते हुए 2011 से लगातार समय-समय पर इस तरह के व्यापक सर्वे किए जाते हैं।

जंगली हाथी के हमले में एक व्यक्ति घायल

नलबाड़ी (हिंस)। नलबाड़ी जिले के ग्रामीण इलाके में जंगली हाथियों के उपद्रव से लोगों में दहशत है। यहां के 3 नंबर बालितारा में पिछले दो दिन से जंगली हाथियों का आतंक कुछ ज्यादा ही है। 3 नंबर बालितारा में बुधवार सुबह जंगली हाथी के हमले में फणींद्र हालोई नामक एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। जंगली हाथी ने फणींद्र हालोई पर उस समय हमला किया, जब वह सुबह तटबंध की ओर जा रहा था। फणींद्र हालोई को नलबाड़ी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल के लिए रेफर किया गया है। उल्लेखनीय है कि इस क्षेत्र में दो दिन से छह-सात जंगली हाथी उपद्रव मचा रहे हैं। पहले इस इलाके में जंगली हाथियों का बसेरा नहीं था लेकिन अब बागानपाड़ा की तरफ से जंगली हाथियों ने धमधामा बालितारा क्षेत्र में उपद्रव शुरू कर दिया है।

बजरंग दल जैसे संगठनों पर प्रतिबंध लगाने पर अब तक कोई चर्चा नहीं : जी परमेश्वर

बेंगलुरु। कर्नाटक के मंत्री जी परमेश्वर ने गुरुवार को कहा कि राज्य में कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद बजरंग दल जैसे संगठनों पर प्रतिबंध लगाने के संबंध में अब तक कोई चर्चा नहीं हुई है। मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि इस संबंध में दिए गए कोई भी बयान व्यक्तिगत हो सकता है। जी परमेश्वर अपने कैबिनेट सहयोगी प्रियांक खड़गे के एक कथित बयान पर एक सवाल का जवाब दे रहे थे कि अगर आरएसएस और बजरंग दल ने शांति भंग की तो सरकार उन्हें प्रतिबंधित कर देगी। उन्होंने इस पर कहा कि भी ऐसी कोई चर्चा नहीं की गई है। मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि हमने इस बारे में कोई चर्चा नहीं की है, घोषणा पत्र में हमने बजरंग दल और पीएफआई के बारे में कहा था कि अगर वे शांति भंग करते हैं, तो हम उनके खिलाफ कार्रवाई करेंगे, जरूरत पड़ी तो उन्हें प्रतिबंधित करने की भी हद तक जा सकते हैं। इसके बजाय इस मुद्दे पर चर्चा नहीं की गई है। कर्नाटक के मंत्री ने कहा कि मीडिया के पूछने पर हो सकता है कि कई लोगों ने अपनी निजी राय साझा की हो, लेकिन इस सब पर चर्चा होनी है। जब स्थिति आएगी, तो सरकार चर्चा करेगी और निर्णय लेगी। मालूम हो कि परमेश्वर उन आठ मंत्रियों में शामिल हैं, जिन्हें 20 मई को सिद्धारमैया के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल में शामिल किया गया था। धर्मांतरण और गोहत्या विरोधी कानूनों को वापस लेने के सवाल पर, मंत्री ने कहा कि जो कुछ भी समाज के खिलाफ है, जो समाज में शांति को भंग करता है, और जो जनविरोधी है, चाहे वह कानून हो या नियम, उनकी समीक्षा की जाएगी। मंत्री ने कहा कि हमने कहा है कि हम एक जन-समर्थक सरकार देंगे। इसके लिए अगर हमारे पास कानून वापस लेने की स्थिति आती है, तो हम पीछे नहीं हटेंगे। मंत्री खड़गे ने बुधवार को कहा था कि पिछले भाजपा शासन के तहत लागू किए गए आदेश और कानून जैसे स्कूल पाठ्यपुस्तक संशोधन और धर्मांतरण विरोधी और गोहत्या विरोधी कानून, जो राज्य के हितों के खिलाफ हैं, नई कांग्रेस सरकार द्वारा संशोधित या वापस ले लिए जाएंगे।

पटना में शिक्षिकाओं ने स्कूल को बनाया अखाड़ा

बिहटा। पटना जिले के एक स्कूल में दो शिक्षिकाओं के बीच जरा सी बात पर कहासुनी हुई। देखते ही देखते यह गाली-गलौज और फिर मारपीट में बदल गई। शिक्षिकाओं ने एक-दूसरे को बाल पकड़ पहले जमीन पर पटका। फिर एक-दूसरे को चप्पल से पीटा। उस वक्त वहां नजारा स्कूल नहीं, अखाड़े सा नजर आ रहा था। अब दोनों शिक्षिकाओं की लड़ाई का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। आपस में गाली-गलौज और मारपीट करते वक्त शिक्षिकाएं यह भी भूल गईं कि जिन छात्रों को वह नैतिकता का पाठ पढ़ाती हैं, वे भी उन्हें देख रहे हैं। उनमें से कुछ उनका वीडियो भी बना रहे हैं। यह मामला बिहटा थाना क्षेत्र के मध्य विद्यालय कौड़िया स्कूल का है। यह मामला बिहटा थाना क्षेत्र के मध्य विद्यालय कौड़िया स्कूल का है। जानकारी के मुताबिक, स्कूल प्रभारी प्रधानाध्यापिका कांति कुमारी और दूसरी प्रखंड शिक्षिका अनिता कुमारी के बीच स्कूल बंद होने के बाद क्लासरूम का खिड़की बंद करने को लेकर कहासुनी हो गई। यह कहासुनी इतनी बढ़ गई कि वह गाली-गलौज और हाथापाई में तब्दील हो गई। दोनों शिक्षकाओं ने एक-दूसरे के साथ गाली-गलौज की। चप्पल से एक-दूसरे की पिटाई भी की। दोनों के बीच करीब आधा घंटा गुत्थमगुत्था हुई। इस दौरान, स्कूल में छात्र-छात्राएं भी उपस्थित थे। स्कूल में मौजूद अन्य शिक्षकों ने दोनों को बमुश्किल अलग किया। शिक्षिकाओं की इस मारपीट की घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने से विभाग में अफरा तफरी मच गई। आनन-फानन में प्रखंड शिक्षा अधिकारी ने पहुंच मामले की छानबीन शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि जांच के बाद कार्रवाई सुनिश्चित करने की बात कही है।

पृष्ठ एक का शेष

मोदी ने विकास...

300 से ज्यादा सीटों के साथ देश के प्रधानमंत्री बनकर तीसरी बार यहां आएंगे। गृह मंत्री शाह गुवाहाटी में 44,703 युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में बोल रहे थे। शाह ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आजादी के अमृत महोत्सव के वर्ष में देश की संसद का नया भवन का 28 मई को लोकार्पण करने वाले हैं, लेकिन कांग्रेस पार्टी और उनके साथी राजनीति करके उसका बहिष्कार कर रहे हैं और बहाना बना रहे हैं कि राष्ट्रपति उसका उद्घाटन करें। इससे पहले अमित शाह ने गुवाहाटी में असम पुलिस सेवा सेतु पोर्टल का शुभारंभ किया। इस दौरान मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा भी मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि आज का दिन न केवल असम, बल्कि समग्र नॉर्थ ईस्ट के अपराधिक न्याय प्रणाली के लिए बहुत महत्वपूर्ण और सुनहरा दिन है। आज यहां राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय का भूमिपूजन हुआ है। उन्होंने कहा कि अब नॉर्थ ईस्ट के बच्चों को फोरेंसिक विज्ञान के क्षेत्र में पढ़ाई करने के लिए अब नॉर्थ इस्ट छोड़कर कहीं और नहीं जाना पड़ेगा।

पूर्वोत्तर में युवा ...

नौकरी दी जा चुकी है। आज लगभग 45 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे गए हैं और युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रधानमंत्री ने कहा कि असम शांति और विकास का एक नया युग देख रहा है और विकास की इस गति ने असम में सकारात्मकता और प्रेरणा का प्रसार किया है। उन्होंने कहा कि असम सरकार ने सरकारी भर्तियों को और ज्यादा पारदर्शी बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं। विभिन्न विभागों में भर्ती प्रक्रिया को पूरा करने के लिए *असम सीधी भर्ती आयोग* (असम डायरेक्ट रिक्रूटमेंट कमीशन) बनाया गया है। आगे उन्होंने कहा कि पहले की प्रक्रिया के कारण कई भर्तियां समय पर पूरी नहीं हो पाती थीं, जहां हर विभाग के अलग-अलग नियम होते थे और उम्मीदवारों को अलग-अलग विभागों के लिए अलग-अलग परीक्षाओं में शामिल होना पड़ता था। इन सभी प्रक्रियाओं को अब बहुत आसान बना दिया गया है। आजादी के अमृत काल की चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि हम सभी ने अपने देश को एक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। अमृतकाल के ये अगले 25 वर्ष आपके सेवा काल के भी उतने ही अहम हैं। हर सामान्य नागरिक के लिए अब आप ही असम सरकार का चेहरा होंगे। आज हमारा समाज तेजी से आकांक्षी (एस्पिरेशनल) होता जा रहा है और कोई भी नागरिक मूलभूत सुविधाओं के लिए इंतजार नहीं करना चाहता। मोदी ने कहा कि ट्वेंटी-20 क्रिकेट के युग में देश के लोग त्वरित परिणाम चाहते हैं और इसलिए सरकारी व्यवस्थाओं को भी उसी हिसाब से खुद को बदलना होगा। इस दौरान प्रधानमंत्री ने देश के नागरिकों की आकांक्षाओं को पूरा करने में सरकारी कर्मचारियों की जिम्मेदारियों को रेखांकित किया। साथ ही नियुक्त किए गए लोगों से उसी समर्पण के साथ आगे बढ़ने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भर भारत अभियान का जिक्र करते हुए कहा कि आज भारत में करोड़ों मोबाइल फोन बन रहे हैं। हर गांव में ब्रॉडबैण्ड कनेक्टिविटी का विस्तार हो रहा है। इससे बड़े पैमाने पर रोजगार और स्वरोजगार को बढ़ावा मिला है। मोदी ने कहा कि केवल एक योजना या एक निर्णय लोगों के जीवन को बदल सकता है।

अमित शाह ने ...

मौके पर असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा, केंद्रीय मंत्री रामेश्वर तेली, असम सरकार के मंत्री चंद्रमोहन पटवारी समेत कई अन्य वरिष्ठ नेता एवं पदाधिकारी मौजूद थे। केंद्रीय गृह मंत्री ने इस दौरान पुलिस सेवा सेतु नामक ऐप को भी जारी किया।

मोदीजी के शासनकाल...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब भी कोई नया काम करते हैं तो कांग्रेस उसमें अड़ंगा लगाती है। उन्होंने कहा कि देश की जनता ने दो-दो बार दो तिहाई बहुमत से नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री चुन कर भेजा है लेकिन कांग्रेस जनता द्वारा चुने हुए इस प्रधानमंत्री को कार्य करने से लगातार रोकने में लगी रहती है। कांग्रेस ने देश के प्रधानमंत्री को प्रधानमंत्री के रूप में स्वीकार नहीं किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को अस्वीकार कर लोगों ने भाजपा को स्वीकार कर लिया है। उन्होंने कहा कि देश आज आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। देश सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ा है चाहे वह शिक्षा का क्षेत्र हो या स्वास्थ्य का या फिर अन्य कोई भी क्षेत्र। हर तरफ भारत की स्थिति मजबूत हुई है। अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस का ताजा नकारात्मक दृष्टिकोण आने वाले चुनाव में उसे कहीं का नहीं छोड़ेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी नए संसद भवन में नए भारत का नया चिंतन करने की सोच रहे हैं जिसमें कांग्रेस पार्टी लगातार अड़ंगा लगा रही है। कांग्रेस पार्टी के इस कृत्य को देश की जनता देख रही है जिसका खामियाजा कांग्रेस को आगामी चुनाव में भुगतना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि अगले चुनाव में मोदी 300 सीटों से चुनाव जीतकर तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनेंगे। कांग्रेस पार्टी का विपक्षी दल का दर्जा तो जा ही चुका है अगले चुनाव में उसकी पूरी जमीन ही समाप्त हो जाएगी। उन्होंने कांग्रेस का साथ छोड़ चुके दलों से कहा कि यदि कांग्रेस के साथ चलोगे तो कांग्रेस जैसी ही हालत होगी। कांग्रेस देश की जनता का और इसके जनादेश का लगातार अपमान कर रही है। पूर्ण बहुमत से चुने हुए प्रधानमंत्री को न तो सही तरीके से कार्य करने देती है और ना संसद में बोलने देती है। कांग्रेस को इसका खामियाजा भुगतना होगा।

एनएफएसयू गुवाहाटी परिसर ...

फोरेंसिक, फोरेंसिक मनोविज्ञान, फोरेंसिक लेखा, वन्यजीव फोरेंसिक, बैलिस्टिक फोरेंसिक, फोरेंसिक रसायन विज्ञान, फोरेंसिक जीव विज्ञान, फोरेंसिक नर्सिंग, और ड्रोन फोरेंसिक सहित फोरेंसिक विषयों की अपनी विविध रेंज के साथ, विश्वविद्यालय का उद्देश्य आपराधिक न्याय वितरण प्रणाली को मजबूत करना है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने असम में एक बेहतर सजा दर की तत्काल आवश्यकता को स्वीकार किया, जो उनके कार्यकाल से पहले केवल 5 प्रतिशत थी। आपराधिक न्याय प्रणाली में फोरेंसिक साक्ष्य की महत्वपूर्ण भूमिका को समझते हुए उन्होंने इस चुनौती से निपटने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ मिलकर काम किया। उन्होंने माना कि कानून और व्यवस्था प्रणाली को मजबूत किए बिना और सजा की दर में वृद्धि के बिना स्थायी शांति और स्थिरता हासिल करना मुश्किल होगा। उन्होंने कहा कि असम द्वारा सामना किए जाने वाले प्रमुख मुद्दों में से एक गवाहों के शत्रुतापूर्ण होने की भेद्यता थी, जिसके कारण परीक्षण के दौरान प्रभावी साक्ष्य की कमी थी। उन्होंने आगे कहा कि फोरेंसिक विज्ञान के महत्व पर जोर देकर, सरकार का लक्ष्य इस चुनौती को कम करना और सजा प्रक्रिया को मजबूत करना है।

वॉटर पाइप लाइन ...

घायल हो गए हैं। सभी घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं 600 लोग इससे प्रभावित हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इस घटना मेंकम से कम 40 घरों को नुकसान पहुंचा है। हालांकि, अभी तक इस घटना के कारणों के पता नहीं चल सका है। इस घटना में सुमित्रा राभा नाम की एक महिला की मौत हो गई। जिस समय यह घटना हुई, महिला घर में मौजूद थी, पानी के फ्लो के कारण वह मकान क्षतिग्रस्त हो गया। गुवाहाटी मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी (जीएमडीए) ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही पानी की आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी। हालांकि इस घटना को लेकर स्थानीय लोगों में काफी आक्रोश है। यहां के लोगों ने जीएमडीए से मुआवजे की मांग की है। उन्होंने कहा कि लापरवाही के कारण इस तरह की घटना हुई है, इससे हमारे घरों को काफी नुकसान पहुंचा है। इस घटना ने एक बार फिर गुवाहाटी में बुनियादी ढांचे की खराब गुणवत्ता को उजागर किया है।

मणिपुर में पुनः ...

में आग लगा दी। मोइरांग कैंप में रहने वाले ग्रामीण और लोग अपने घरों के जलने से नाराज थे। जैसे ही इन लोगों को पता चला कि उग्रवादी बिष्णुपुर के थम्नापोकपी और चुराचंदपुर के कांगनथेई के पास एक इलाके में स्थित एक स्कूल में आग लगा सकते हैं, वे इलाके में चले गए। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि एक बार जब वे मौके पर पहुंचे तो आतंकवादियों ने उन पर गोलियां चला दीं, जिसमें दो लोग घायल हो गए। घायल अवस्था में अस्पताल ले जाते समय दोनों में से एक की मौत हो गई। हिंसा के बाद, अधिकारियों ने क्षेत्र में 24 घंटे के लिए कर्फ्यू लगा दिया और कई अन्य जिलों में कर्फ्यू में ढील कम कर दी। एक अधिकारी ने कहा कि इस बीच, बिष्णुपुर जिले में मणिपुर पीडब्ल्यूडी मंत्री कोन्थौजम गोविंददास के घर में बुधवार को लोगों के एक समूह ने तोड़फोड़ की, जिसमें दावा किया गया कि हिंसा प्रभावित राज्य में सरकार स्थानीय लोगों को दूसरे समुदाय के आतंकवादियों से बचाने के लिए पर्याप्त नहीं कर रही है। मंत्री, जो एक भाजपा नेता हैं और उनके परिवार के सदस्य, घर पर मौजूद नहीं थे, जब भीड़, जिसमें ज्यादातर महिलाएं थीं, ने निंगथोखोंग इलाके में घर पर हमला किया और एक गेट, खिड़कियों, कुछ फर्नीचर और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के एक हिस्से को क्षतिग्रस्त कर दिया।

हिंसा करने वालों ...

यूनिवर्सिटी के उद्घाटन और असम पुलिस के असम सेवा एप लॉन्च के बाद लोगों को संबोधित कर रहे थे। असम में हिमंत विश्व शर्मा सरकार के दो वर्ष पूरे होने पर आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने पिछले दो वर्ष का रिपोर्ट कार्ड भी पेश किया। इससे पहले असम पहुंचने पर मुख्यमंत्री और असम कैबिनेट के मंत्रियों ने गृहमंत्री अमित शाह का एयरपोर्ट में स्वागत किया। गृहमंत्री ने कहा कि मणिपुर में एक जजमेंट को लेकर कुछ क्लेसिस हुए। उन्होंने मणिपुर के लोगों से शांति बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि हमारा काम शांति बनाए रखना है। आप व्यवस्था पर विश्वास कीजिए। दोनों ग्रुपों के लोग पहले शांति बनाने का निर्णय करें। उन्होंने केंद्र सरकार की ओर से विश्वास दिलाया कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होगा। सबके साथ न्याय होगा। उन्होंने कहा कि हिंसा करने वालों को हम बख्शेंगे नहीं। इसका विश्वास आप नरेंद्र मोदी सरकार पर कीजिए। उन्होंने लोगों से अपील की कि सभी मिलकर एक बार पहले जैसे मणिपुर लिए काम करें। पिछले छह वर्षों से राज्य में शांति है। कहीं किसी तरह की घटना नहीं हुई। एक भी बंद नहीं हुआ, एक भी ब्लास्ट नहीं हुआ। और आज अदालत के निर्णय के कारण जो विवाद हुआ है, उसका हल बातचीत और शांति से इसका रास्ता निकालें। किसी के साथ अन्याय नहीं हो। यह नरेंद्र मोदी सरकार की नीति है। उन्होंने बतााय कि वे खुद कुछ दिनों के बाद मणिपुर जाने वाले हैं और तीन दिन तक वहां रहेंगे। इस दौरान वे मणिपुर में शांति के लिए लोगों से बातचीत करेंगे। उन्होंने कहा, प्रदेश में शांति तो वहां की जनता ही ला सकती है। उन्होंने सभी से निवेदन किया कि अविश्वास की खाई को पाट करके शांति की प्रक्रिया में आगे बढ़ें। भारत सरकार और मणिपुर सरकार से वार्ता कीजिए। शांति का रास्ता खोजना पड़ता है, होता जरूर है। उन्होंने कहा, और मुझे विश्वास है, चर्चा से ही शांति की स्थापना हो सकती है। गृहमंत्री ने कहा कि गुवाहाटी में नेशनल फॉरेंसिक यूनिवर्सिटी (एनएसएफयू) खुलने से न केवल पूर्वोत्तर बल्कि साउथ ईस्टर्न देशों को भी इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि नेशनल फॉरेंसिक यूनिवर्सिटी (एनएसएफयू) ने 70 से अधिक देशों के पुलिस अधिकारियों और फॉरेंसिक वैज्ञनिकों की ट्रेनिंग की है। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों से 170 से अधिक समझौतों पर हस्ताक्षर करके इसका निर्वहन कर रहे हैं। एनएसएफयू ने एशिया का एक मात्र बैलेस्टिक अनुसंधान केंद्र परीक्षण रेंज की भी स्थापित की है। डीएनए फॉरेंसिक साइंस में उत्कृष्ट केंद्र भी स्थापिक किए हैं। ड्रोन फॉरेंसिक केंद्र की भी स्थापना की है। मनोवैज्ञानिक फॉरेंसिक में भी उत्कृष्टता केंद्र स्थापना करने में सफलता प्राप्त की है। अंतर्राष्ट्रीय मानवतावादी फॉरेंसिक केंद्र की स्थापना भी एनएसएफयू ने की है। इसके लिए उन्होंने एनएसएफयू के कुलपति और उनकी पूरी टीम को बधाई दी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि असम सहित पूर्वोत्तर में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और कुशल विजन के कारण शांति और विकास के पथ पर अग्रसर हुआ है। असम में आज शांति, विकास और सद्भाव की एक नई शुरुआत हुई है। भारत सरकार ने समग्र पूर्वोत्तर के अंदर इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास और कनेक्टिविटी से पूरे देश को जोड़ा। इन दोनों पर बड़ा बल दिया है। इसके साथ-साथ जितने भी हिथयाबंद ग्रुप थे, सबसे बातचीत की। और एक-एक करके सबको मैन स्ट्रीम में लाने का काम किया। इसका सबसे बड़ा उदाहरण असम है। यहां के तीन बड़े हिथयार बंद ग्रुपों (कार्बी, बोडो और डिमासा) को सरेंडर करवा कर पूर्वोत्तर में 8000 युवाओं को मुख्य धारा में शामिल कराने का काम भाजपा की केंद्र और उत्तर पूर्व की सरकारों ने किया है।

असम के दो ...

उन्होंने कहा कि दोनों ने एएमए ध्वज और असमिया *गामुसा* के साथ शीर्ष पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया। अभियान को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सात अप्रैल को राज्य की अपनी यात्रा के दौरान झंडी दिखाकर रवाना किया था, जब उन्होंने टीम लीडर और एवरेस्ट पर्वतारोही मानस बरुआ को राष्ट्रीय ध्वज, आइस कुल्हाड़ी बैटन और अभियान ध्वज सौंपा था। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा अभियान दल के शेफ डे मिशन हैं। उन्होंने दोनों को तीसरी सबसे ऊंची पर्वत चोटी पर चढ़ने के लिए बधाई दी।

आईएनएस विक्रांत पर...

कामोव 31 हेलीकॉप्टर को भी 28 मार्च को आईएनएस विक्रांत पर उतारा गया था। आईएनएस विक्रांत भारत में बनने वाला पहला एयरक्राफ्ट कैरियर है। इसका निर्माण केरल में कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) की ओर से किया गया था। भारत के पहले एयरक्राफ्ट कैरियर आईएनएस विक्रांत के नाम पर ही इस स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर का नाम रखा गया।

60 वर्षीय आशीष ...

वो फिर कभी बाद में बताएंगे। उन्होंने कहा कि हम कुछ वक्त पहले मिले और रिश्ते को आगे बढ़ाने का फैसला किया। पर हम दोनों ही ये चाहते थे कि शादी में ज्यादा धूम धाम न हो, बस परिवार ही रहे। आशीष ने दूसरी शादी बेहद सादे अंदाज में की है। परिवार वालों और कुछ करीबी दोस्तों की मौजूदगी में उन्होंने शादी की रजिस्ट्री कराई। आशीष विद्यार्थी से शादी करने के बाद रुपाली बरुआ ने कहा कि वो एक खूबसूरत इंसान हैं और एक ऐसे शख्स हैं, जिनके साथ रहना अच्छा लगता है। आशीष ने रुपाली से कोलकाता में कोर्ट मैरिज की है। जिसमें ज्यादा लोग शामिल नहीं किया गया। रिपोर्ट्स की मानें तो आशीष जल्द ही रिसेप्शन पार्टी रखेंगे और बाकी रिश्तेदारों और दोस्तों को अपनी खुशी में शामिल करेंगे। बता दें कि पहली शादी मशहूर एक्ट्रेस शकुंतला बरुआ की बेटी राजोशी बरुआ से की थी।

ड्रग तस्कर ने छात्र ...

गई, जिसका नेतृत्व कोन्याक कर रहा था। इसी दौरान घर के मालिक ने कोन्याक प चाकू से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि हत्या के बाद जनता भड़क गई थी, स्थिति अनियंत्रित ही होने वाली थी लेकिन अधिकारियों ने मामले को संभाल लिया। हालांकि, फिर भी लोगों ने आरोपी के घर को आग के हवाले कर दिया था पार्टी ने एक नोटिस जारी किया है। नोटिस में पार्टी ने आम जनता और तिजित के दुकानदारों से अपील की है कि अध्यक्ष की हत्या पर शोक व्यक्त करने के लिए 24 घंटे तक दुकान का शटर बंद कर दिया जाए। तिजित एरिया स्टूडेंट्स यूनियन के अध्यक्ष यानफोंग कोन्याक और महासचिव नोकमाओ कोन्याक का कहना है कि आम जनता की सुरक्षा के लिए संघ इस तरह के फैसले के लिए मजबूर है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **द्वादश अध्याय**

(चार प्रकार के भक्त)

(ज्ञानी)

ज्ञानी दर्शन प्रभु मिलैं, निशिदिन आठौ याम।
तत गुण कर्म अनन्त है, व्याप्त भुवन सत्यनाम ॥ 33 ।

शब्दार्थ : (दर्शन) देखना (व्याप्त) व्यापक (सत्यनाम) सारशब्द (भुवन) जगत।

भाष्य : गुण, कर्म एवं स्वभाव से अनंत समस्त संसार में व्याप्त सत्यनाम, परमप्रभु को रात-दिन, आठो याम ज्ञानी-भक्त अंतराल से देखता रहता है।

ज्ञानी शुद्ध स्वरूप से, व्यापक शब्द अधार।
जड़ चेतन मय जगत में, देखे प्रभु करतार ॥ 34 ॥

शब्दार्थ : (शुद्धस्वरूप) जड़ देह-संघात से पृथक आत्मा का चेतन स्वरूप (करतार) परमप्रभु।

भाष्य : ज्ञानी अपने चेतन शुद्ध स्वरूप से व्यापक शब्द-आधार पर सदैव स्थित रहता है और चेतन एवं समस्त जड़ जगत में जगतकर्ता परमप्रभु को देखता है।

ब्रह्मपुत्र के पानी में फंसा जंगली हाथी, पांचवें दिन भी नहीं निकला बाहर

शोणितपुर (हिंस)। जिले के बरसाला के तेलियागांव में ब्रह्मपुत्र नदी के किनारे एक जंगली हाथी पानी में आज पांचवें दिन भी फंसा रहा है। हाथी किसी भी तरह से किनारे पर नहीं आ पा रहा है। इससे पहले काजीरंगा नेशनल पार्क के डॉक्टरों की एक टीम ने बुधवार को हाथी का इलाज किया था, लेकिन आज पांचवें दिन भी जंगली हाथी पानी में छटपटा रहा है। हाथी की तबीयत अधिक खराब हो चुकी है। वन विभाग के सूत्रों ने गुरुवार को बताया है कि बुधवार को काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान से आई डॉक्टरों की टीम ने कहा था कि हाथी बीमार है और उन्हें संदेह है कि हाथी के लीवर में बीमारी है। डॉक्टरों की टीम ने पहले ही हाथी के रक्त के नमूने एकत्र किए हैं और इसे प्रयोगशाला में भेज दिया है। डॉक्टरों ने बताया है कि हाथी बीमारी के कारण पानी में फंसा है। उन्होंने कहा कि अगर वह बाहर निकल आता है तो उसके लिए स्थिति और भी गंभीर हो सकती है। डॉक्टरों की टीम ने बताया कि हाथी को करीब चार-पंद्रह दिन तक इलाज की जरूरत है और पानी में ही उसका इलाज किया जाएगा। ऐसे में हाथी बिना नींद के पानी के बीच रह रहा है। हाथी को लेकर स्थानीय लोगों का आरोप है कि पिछले चार दिनों में वन विभाग ने हाथी को पानी से बचाने के लिए कोई इंतजाम नहीं किया था। वन विभाग ने हाथी को उठाने के लिए दो पटाखे भी फोड़े थे।

नकली सोने के कारोबार में लिप्त 16 चढ़े पुलिस के हत्थे

शोणितपुर (हिंस)। असम पुलिस महानिदेशक के निर्देश पर राज्य में नकली सोने बेचने के खिलाफ अभियान चला रही है। चारीदुआर थाना पुलिस ने गुरुवार को सुबह सोने के नकली कारोबार में शामिल 16 लोगों को गिरफ्तार किया है। चारीदुआर थाना प्रभारी हेमन दास ने इन लोगों को थाने में पेश होने का निर्देश दिया था। आज यह लोग पुलिस स्टेशन पहुंचे, जहां उनसे पूछताछ के बाद उन सभी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। हिरासत में लिए गए पूर्व लोगों में से कुछ नकली सोने के मामलों में शामिल थे। यह लोग चारीदुआर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आने वाले आकाबस्ती, 18 माइल्स और गोदामघाट के रहने वाले हैं। इनमें से मुख्य आरोपित शफीकुल इस्लाम उर्फ काला शफीकुल अभी भी फरार बताया गया है। गिरफ्तार लोगों की पहचान हबीबुर रहमान, फजर अली, मुजीबुर रहमान, सबीबुल इस्लाम, सूरज अली, बयानुल इस्लाम,

आइजुल अली, रफीक खान, नजीर हुसैन, अक्कास अली, अब्दुल कादिर, हजरत अली, रजीकुल इस्लाम, उस्मान अली, राजीबुर रहमान, रुहुल आमीन के रूप में की गई है।

श्रीरामपुर में सागौन की लकड़ी समेत कंटेनर जब्त, चालक समेत सह चालक गिरफ्तार

कोकराझाड़ (हिंस/विभास)। कोकराझाड़ जिलांतर्गत गोसाईंगांव के असम- पश्चिम बंगाल सीमावर्ती श्रीरामपुर में पुलिस ने बर्मीज (म्यांमार) सागौन की लकड़ी से भरा एक कंटेनर जब्त किया। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि गुप्त सूचना के आधार पर शिमुलाटापु पुलिस स्टेशन के प्रभारी संजय राय के नेतृत्व में पुलिस की एक टीम ने राष्ट्रीय राजमार्ग-31 सी पर बीती रात को एक तलाशी अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान ट्रक (यूपी-21सीएन-8322) की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान अवैध रूप से तस्करी कर पायी गई 33 सागौन की लकड़ी के कुंदे बरामद किए गए। सूत्रों ने बताया है कि जांच की खातिर इस मामले को सार्वजनिक नहीं किया गया था। इस मामले में कंटेनर जब्त करने के साथ ही चालक और सह चालक को भी गिरफ्तार किया गया

है। गिरफ्तार चालक की पहचान महाराष्ट्र के फिरोजपुर निवासी साइखुल खान और सह चालक सुहेल खान के रूप में किया गया। बरपेटा से अवैध तरीके से सागौन लकड़ी के कुंदे को महाराष्ट्र ले जाया जा रहा था। परंतु असम-पश्चिम बंगाल सीमावर्ती श्रीरामपुर में पुलिस ने जब्त कर लिया। इस मामले में पुलिस एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार दोनों से और अधिक जानकारी हासिल करने के लिए पूछताछ कर रही हैं।

वनबंधु परिषद, गुवाहाटी महिला समिति का ह्रदय रोग पर जागरूकता कार्यशाला

गुवाहाटी (विभास)। 23 मई को विश्व हाइपरटेंशन दिवस के उपलक्ष में वनबंधु परिषद गुवाहाटी महिला समिति द्वारा ह्रदय रोग जागरूकता कार्यशाला का आयोजन उलुबाड़ी स्थित मातृ-मंदिर में आयोजित की गई। ह्रदय रोग विशेषज्ञ डाक्टर मैत्री को आमंत्रित कर, दिल की बीमारी से बचने एवं ध्यान रखने योग्य बातों की जानकारी दी। यह कार्यक्रम हार्ट केयर सोसायटी के सहयोग से किया जिसमें उनके सदस्य भी जुड़े। सभा की शुरूआत ब्रह्मनाद के साथ प्रारम्भ हुई। अध्यक्ष वन्दना बगडिया ने सर्वप्रथम अपने भाषण से सभी सदस्यों एवं मेहमान का स्वागत किया। यशोदा छेत्री ने *एकल क्या है* इसकी संक्षिप्त जानकारी सबको दी। तत्पश्चात एकल की एक लघु फिल्म सबको

दिखाई गई। जिससे सबको एकल की काफी जानकारी मिली एवं एकल के कार्यों की सभी ने सराहना की। जोनल चेयरपर्सन उमाजी द्वारा डाक्टर मैत्री जी का परिचय प्रस्तुत किया गया। डाक्टर मैत्री ने बहुत ही सुन्दर ढंग से उच्च रक्तचाप से होने वाली बीमारी एवं उससे बचने के उपाय पर प्रकाश डाला। रक्तचाप की जांच रोज कैसे करें और इसकी जांच की महत्ता के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। हार्ट केयर सोसायटी आफ असम की सचिव निलाक्षी बरुवा ने बताया कि हमारी सोसायटी सदैव हार्ट सम्बन्धी जागरुक प्रोग्राम करने के लिये तैयार रहती है। डायबोटालिस्ट डाक्टर रोहिणी कुमारी ने बताया कि मधुमेह होने का मुख्य कारण तनाव एवं चिन्ता ही है। मधुमेह के कारण एवं जांच के बारे में विस्तारपूर्वक समझाया। सचिव सरिता अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। सभी डाक्टरों द्वारा दी गई जानकारी एवं उचित सलाह से सभी को जानकारी हुयी। शहर की विभिन्न संस्थाओं के सदस्यों को भी आमंत्रित किया था। अच्छी संख्या में उपस्थित होकर सभी ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। समिति की भी सभी बहनें अच्छी संख्या में उपस्थित थी की जानकारी जनसंपर्क अधिकारी बिमला बजाज ने दिया।

पाठशाला एवं नलबाड़ी स्टेशनों के बीच दोहरी लाइन चालू

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) सर्किल के रेलवे संरक्षा आयुक्त (सीआरएस) शुभमय मित्रा ने पाठशाला और नलबाड़ी स्टेशनों के बीच बिछाई गई नयी दोहरी लाइन का वैधानिक निरीक्षण किया। बिछाई गई इस नई द्वितीय लाइन का उपयोग अधिकतम गति करीब 90 किमी प्रति घंटा के साथ माल परिवहन और यात्री यातायात के लिए किया जाएगा। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने गुरुवार को बताया है कि न्यू बंगाईगांव-आगियाठरी वाया रंगिया 142.97 किमी दोहरीकरण परियोजना के एक हिस्से के रूप में पाठशाला- नलबाड़ी सेक्शन का कार्य प्रगति पर है। इस परियोजना में 75 बड़े पुल, 38 छोटे पुल और 19 नए स्टेशन भवनों का निर्माण शामिल है। पाठशाला से नलबाड़ी की दूरी 26.91 किमी है। इस सेक्शन में 17 प्रमुख पुलों का निर्माण भी शामिल है। पूसीरे सर्किल के रेलवे संरक्षा आयुक्त (सीआरएस) ने 122 किमी प्रति घंटे की अधिकतम गति के साथ स्पीड ट्रायल किया। इस दोहरीलाइन क्षेत्र के लिए आधुनिक तकनीकों जैसे सभी वाइड बेस प्री-स्ट्रेस्ड कंक्रीट (पीएससी) स्लीपर्स और थिक वेब स्विच के साथ मजबूत ट्रैक संरचना का उपयोग किया गया है, जो प्री-स्ट्रेस्ड कंक्रीट स्लीपरों पर मजबूत स्विच का नया डिजाइन है और उच्च गति को संभाल सकता है। उल्लेखनीय है कि दोहरीलाइन बिछाये जाने से स्टेशनों पर बिना स्टॉप-ओवर क्रॉसिंग के दोनों दिशाओं में ट्रेनों की आवाजाही हो सकेगी, जिससे ट्रेनों का समय पालन हो सकेगा। रेल लाइनों पर ट्रेनों की कम भीड़भाड़ होने से अधिक ट्रेनों को बढ़ी हुई गति से चलाया जा सकेगा।

समाजसेवी स्व. जय प्रकाश गुप्ता को दी गई श्रद्धांजलि

होजाई (विभास)। होजाई के वरिष्ठ समाजसेवी स्वर्गीय जय प्रकाश गुप्ता को प्रदेश तेली साहू महासभा ने उनके निवास स्थान पर जाकर उन्हें भाव-भिनि श्रद्धाजंलि अपिर्त की। इस श्रद्धांजलि कार्यक्रम में मौजूद तेली साहू महासभा के प्रदेश अध्यक्ष कमलेश कुमार गुप्ता और युवा प्रकोष्ठ के महामंत्री राज गुप्ता ने बताया कि एकता, अखंडता और आपसी भाईचारे को मजबूत बनाते हुए जल्द ही तेली महासभा का आयोजन किया जाएगा। सभा में विभिन्न समस्याओं के निपटारे के साथ समाज के छोटे -बड़े का मार्ग प्रशस्त करने की कोशिश की जाएगी। मालूम हो कि प्रदेश तेली साहू महासभा के महामंत्री उमेश कुमार साह, सत्यनारायण साहू - अखिल भारतीय तेली साहू महासभा के संयुक्त सचिव (असम और पश्चिम बंगाल), जोरहाट के ओमप्रकाश साहू तथा डॉक्टर राजेंद्र कुमार गुप्ता, प्रदेश तेली साहू महासभा के चिकित्सक प्रकोष्ठ के प्रभारी ने स्वा. गुप्ता को श्रद्धांजलि अर्पित की।

गोसाईगांव : सड़क हादसे में पुलिसकर्मी की मौत

कोकराझाड़ (हिंस/विभास)। कोकराझाड़ जिला के गोसाईगांव में आज हुए एक सड़क दुर्घटना में पुलिसकर्मी की मौत। यह दुर्घटना आज दोपहर के समय गोसाईगांव सदर शहर से सटे पद्मबील में राष्ट्रीय राजमार्ग-31 सी पर हुई। मृत जवान की पहचान बंगाईगांव जिला के मानिकपुर निवासी अर्जुन कुमार राजभर (50) के रूप में किया गया है। छुट्टी पूरी कर घर से अपने कर्तव्य स्थल शिमुलातापु पुलिस स्टेशन बाइक (एएस-26बी-8083) से जाते समय एक टाटा मैजिक से टक्कर हो गई। हादसे के बाद टाटा मैजिक मौके सेफरार हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और हादसे में गंभीर रूप से घायल जवान को गोसाईगांव आरएनबी अस्पताल में भर्ती कराया।

मायुम, नगांव शाखा ने मोतीराम बोरा बालिका हाईस्कूल में किया अमृतधारा का उद्घाटन

नगांव (निसं)। मारवाड़ी युवा मंच नगांव शाखा द्वारा मोतीराम बोरा उच्च बालिका विद्यालय में अमृतधारा का उद्घाटन वृहस्पतिवार को किया गया। जिसके अंतर्गत सुबह 10 बजे से स्कूल प्रांगण में एक कार्यक्रम आयोजित कर अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय प्रकल्प अमृतधारा योजना के तहत ठंडे पानी की मशीन एवं फिल्टर लगवा कर स्कूल परिचालन समिति को सौंपा गया। इस अमृतधारा प्रकल्प का उद्घाटन नगांव सदर के विधायक रूपक शर्मा के कर कमलों से फीता काटकर किया गया। इस योजना के प्रायोजक नगांव के बजरंग कार वर्ल्ड के प्रोपराइटर संजय अग्रवाल थे। दोनों महानुभावों का शाखा की ओर से गमछा पहना कर अभिनंदन किया गया साथ ही स्कूल की प्रधानाध्यापिका दीप्ती हाजरीका का भी अभिनंदन किया गया। स्कूल समिति की ओर

से मंच के सदस्यों का भी अभिनंदन एवं स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन शाखा के पूर्व अध्यक्ष अरुण नागरका ने किया। शाखा अध्यक्ष विनीत मोर ने सबका स्वागत करते हुए जल की महत्वता के विषय में प्रकाश डालते हुए कहा कि आगे भी वे इस तरह के प्रकल्प करते रहेंगे। मायुंम द्वारा यह दूसरा अमृतधारा प्रकल्प लगाया गया है। इससे पूर्व मोहखुली स्थित असम मेडिकल कॉलेज में पिछले दिनों ही पहले अमृतधारा का उद्घाटन किया गया था। सचिव नारायण पारीक ने विधायक रूपक शर्मा एवं प्रायोजक संजय अग्रवाल के साथ स्कूल प्रबंधन समिति एवं शाखा के सभी सदस्यों का स्वागत किया। इस अवसर पर नगांव शाखा के पृष्ठ पोषक रतन जाजोदिया एवं राजेंद्र प्रसाद मुंदड़ा के साथ समाजसेवी देवेंद्र सिंह सहमी भी उपस्थित थे। उक्त कार्यक्रम में नगांव समृद्धि शाखा की अध्यक्षा हीरा गाड़ोदिया एवं सारिका झंवर ने भी अपनी उपस्थिती दर्ज कराई। साथ ही मायुंम नगांव शाखा के पूर्व अध्यक्ष द्वय नितीन मुंदड़ा, नीतू पोद्दार, पूर्व सचिव करण अग्रवाल, सूरज अजितसरिया, रजत केजरीवाल, डिंपल शर्मा, स्वाति अग्रवाल, दिव्या वर्मा, प्रियंका पारीक, रितु कुहाड, काजल अजितसरिया, एवं काफी मात्रा में सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम की सफलता पर शाखाध्यक्ष विनीत मोर ने सभी को धन्यवाद दिया है।

माहेश्वरी युवा संगठन ने किया मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। माहेश्वरी सभा की युवा ईकाई माहेश्वरी युवा संगठन एवं आसाम माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के संयुक्त तत्वाधान में महेश नवमी के पावन पर्व के उपलक्ष्य में मानव सेवा हेतु नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का आयोजन गुवाहाटी स्थित लायंस आई हॉस्पिटल छत्रीबाड़ी में किया गया। जिसमें कुल 51 लोगों का नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन करवाया गया। इस प्रकल्प के विषय में आगे बताते हुए युवा संगठन के सचिव राघव बाहेती ने बताया कि इस प्रकल्प के लिए संजोयक के रूप में अनिल लखोटिया को कार्यभार दिया गया था। सभा के कार्यवाहक अध्यक्ष धनराज झंवर, सभा सचिव सुरेंद्र लाहोटी ने इस कार्यक्रम की प्रशंसा की। आसाम माहेश्वरी

सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष भगवान दास दम्मानी ने बताया कि सामाजिक हित में ऐसे कार्यक्रम आयोजित होने से माहेश्वरी समाज का नाम नए कीर्तिमान स्थापित कर पाएगा। माहेश्वरी युवा संगठन के पूर्व सचिव मुकुंददास मुंदड़ा इस कार्यक्रम में शामिल हुए और अपना विशेष सहयोग युवा संगठन को प्रदान किया। माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष शिव रतन सोनी ने मुकुंददास मुंदड़ा का परिचय सभी युवा साथियों से करवाया एवम उनके द्वारा किए गए सेवा कार्यों के बारे में बताया। माहेश्वरी युवा संगठन के उपाध्यक्ष बीजू तापड़िया, माहेश्वरी महिला समिति से निगम तापड़िया, बबिता काबरा, माहेश्वरी सभा से पवन साबू, दीन दयाल मुदड़ा, रामेश्वर तापड़िया और युवा संगठन के साथी रौनक लढा, रवि जाजू, नरेन माहेश्वरी, पंकज लोहिया, जितेंद्र चितलांगिया, कैलाश आदि सभी को धन्यवाद दिया और सभी ने आशा जताई की आगे भी युवा संगठन मानव सेवा के लिए इसी प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा।

कार-टेंपो की टक्कर में आठ छात्राएं घायल

दरंग (हिंस)। दरंग जिलांतर्गत सिपाझार के डुमुनी चौकी इलाके में गुरुवार को एक सड़क दुर्घटना में आठ छात्राएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। बताया गया कि गुरुवार की सुबह एक टेंपो में कॉलेज की छात्राएं सवार होकर जा रही थीं। सिपाझार के डुमुनी चौकी इलाके में उनके टेंपो की एक ऑल्टो कार से टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में टेंपो सवार अर्जुमा बेगम, माइनो बोड़ो, मधुस्मिता बोड़ो, एस्मीना खातून, ऋचा बेगम, अनवारा बेगम, पद्मा बोड़ो और रेजिना बेगम छात्राएं घायल हो गईं। इनमें से दो की हालत गंभीर बताई गई है। घायल सभी छात्राओं को बेजेरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है।

नेरिस्ट का छात्र लापता

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश की राजधानी क्षेत्र निरजुली में स्थित नार्थ ईस्ट रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, (नेरिस्ट) के कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग विभाग का 19 वर्षीय छात्र अनिकेत दत्ता गुप्ता बीते 24 मई की शाम से अपने संस्थान के छात्रावास से लापता है। असम के तिनसुकिया जिलांतर्गत गुप्त कुटी टोपला बस्ती निवासी अनिकेत दत्ता गुप्ता कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग बैच 2022-26 के छात्र बताया गया है। नाहरलागुन के एसडीपीओ डेकियो गुमजा ने बताया कि बीते कल शाम माता-पिता से गुमशुदगी की रिपोर्ट मिलने के बाद लापता छात्र की तलाश के लिए उप निरीक्षक एस सिंह के नेतृत्व में एक पुलिस टीम गठित कर छात्र की तालाश शुरू की गई है। छात्र के कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) और राजधानी क्षेत्र के होटलों की जांच की जा रही है। अभी तक कोई सुराग पुलिस को नहीं मिला है लेकिन अनिकेत दत्ता गुप्ता के खाते से 5000 रुपए निकाले गए हैं। एसडीपीओ ने कहा कि संस्थान के शिक्षक के साथ कुछ विवाद के बाद से वह लापता हैं।

मायुमं, गुवाहाटी ग्रेटर शाखा ने अमृतधारा का उद्घाटन किया

गुवाहाटी (विभास)। अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच का राष्ट्रीय कार्यक्रम अमृतधारा एवं जल संबर्द्धना माह के निर्देशानुसार मारवाड़ी युवा मंच गुवाहाटी ग्रेटर शाखा ने नव स्थापित अमृतधारा का उद्घाटन किया। शाखा अमृतधारा सलाहकार गौरव शर्मा, संयोजक प्रकाश जैन, सह संयोजक भरत जैन एवं रवि गोयल और रोहित जैन की अगुवाई में गुवाहाटी ग्रेटर ने फाटाशील नतुनबस्ती स्थित काली मंदिर परिसर में रेनू सिंघी एवं सिंघी परिवार के सहयोग से स्व. उम्मेद सिंघी (बिलासीपाड़ा) की स्मृति में एक नई अमृत धारा की स्थापना की। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में निवर्तमान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष (आंध्र-तेलंगाना प्रांत) ललित जैन उपस्थित थे। प्रांतीय अध्यक्ष पंकज जलान, प्रांतीय महामंत्री सुभाष सुराणा, दिल्ली प्रांतीय सह मंत्री विवेक दस्साणी, प्रांतीय अमृतधारा चेयरमैन महेंद्र नहार, प्रांतीय अमृतधारा संयोजक मनोज पोद्दार समेत कई प्रांतीय पदाधिकारीगण एवं शाखा सदस्य इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे। इस आशय की जानकारी जनसंपर्क अधिकारी पंकज फालोदिया ने दी।

आरएआई का पहला नॉर्थ-ईस्ट रिटेलर्स कांक्लेव संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आरएआई) के तत्वावधान में गुवाहाटी में पहली बार नॉर्थ-ईस्ट रिटेलर्स कांक्लेव का सफल आयोजन किया गया। सहयोगी पार्टनर ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) की अवधारणा के बारे में असम सहित पूर्वोत्तर क्षेत्र में खुदरा विक्रेताओं में प्रचार-प्रसार करने के लिए नॉर्थ-ईस्ट रिटेलर्स कांक्लेव आयोजित किया गया, जिसमें असम सहित पूर्वोत्तर के कई हिस्सों से अलग-अलग क्षेत्र के प्रतिष्ठित व्यवसायिओं ने हिस्सा लिया। नॉर्थ-ईस्ट रिटेलर्स कांक्लेव का उद्घाटन एएम टेलीविजन प्रा. लि. के संस्थापक ने डॉ. संजीव नारायण सहित आरएआई के सीईओ कुमार राजगोपालन, ओएनडीसी के उपाध्यक्ष मरीचि माथुर, आरएआई नॉर्थ ईस्ट विक्रम बोथरा, भगवती सेल्स कार्पोरेशन के निदेशक चंदन पारीक, सोहम शॉपी के निदेशक संदीप जालान सहित अन्य गणमान्य लोगों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि सजीव नारायण ने कहा कि पूर्वोत्तर के खुदरा व्यापारी

देश की अर्थव्यवस्था में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। यहीं कारण है कि आज राष्ट्र ही नहीं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय कंपनियां भी तेजी से पूर्वोत्तर का रुख कर रही है। उद्घाटन संबोधन देते हुए आरएआई के सीईओ कुमार राजगोपालन ने कहा कि ओएनडीसी भारत में पूरे डिजिटल वाणिज्य पारिस्थितिकी तंत्र का लोकतंत्रीकरण करना चाहता है, जैसे यूपीआई ने भुगतान में क्रांति ला दी है। ओएनडीसी छोटे खुदरा विक्रेताओं को बड़े खुदरा विक्रेताओं की तुलना में क्षमताओं का निर्माण करने के लिए स्थायी समाधान प्रदान करेगा। कांक्लेव ओएनडीसी के उपाध्यक्ष मरीची माथुर द्वारा सक्षम उपयोग के मामलों को प्रदर्शित किया और एमएसएमई और प्रौद्योगिकी के जमीनी स्तर पर ध्यान केंद्रित करने पर प्रकाश डाला। इसके अलावा ओएनडीसी सक्षम विक्रेता अनुप्रयोगों के साथ एक गहन इंटरैक्टिव सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित प्रतिनिधियों ने उनके द्वारा प्रदान किए जाने वाले सेवाओं की जानकारी हासिल की। इस अवसर पर आरएआई नॉर्थ ईस्ट चैप्टर के संयोजक विक्रम बोथरा ने कहा कि यह एसोसिएशन एक अधिक गतिशील, कुशल और पेशेवर खुदरा क्षेत्र बनाने में मददगार साबित है, जो उपभोक्ताओं, व्यवसायों और भारतीय अर्थव्यवस्था को लाभ पहुंचाता है। आरएआई नेटवर्किंग, ज्ञान साझा करने और सहयोग के लिए एक मंच प्रदान करता है, जो खुदरा विक्रेताओं का समर्थन करने वाले प्रमुख तरीकों में से एक है। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि पूर्वोत्तर खुदरा उद्योग के अधिक से अधिक लाभों के लिए आरएआई एक सकारात्मक शक्ति बन कर सामने आएगा। ओएनडीसी ओपन प्रोटोकॉल पर आधारित एक नेटवर्क है और यह मोबिलिटी, ग्रॉसरी, फूड ऑर्डर, डिलीवरी, होटल बुकिंग और ट्रेबल आदि क्षेत्रों में स्थानीय कॉमर्स को किसी भी नेटवर्क द्वारा सक्षम अनुप्रयोग खोजा और जोड़ा जा सकेगा। कांक्लेव में उपस्थित सभी क्षेत्रों से आए रिटेलारों ने आरएआई व ओएनडीसी की सराहना की।

वंदे भारत ट्रेन की रफ्तार से आगे बढ़ रहा भारत, अब रुकने वाला नहीं : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तराखंड की डबल इंजन सरकार को विकास के लिए प्रतिबद्ध बताते हुए कहा कि आज पूरा देश वंदे भारत ट्रेन की गति से आगे बढ़ रहा है और अब यह रुकने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया भारत को बड़ी उम्मीद से देख रही है। प्रधानमंत्री ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए देहरादून से दिल्ली (आनंद विहार टर्मिनल) जाने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इससे पहले उन्होंने नव विद्युतीकृत रेल खंडों को भी राष्ट्र को समर्पित किया और उत्तराखंड को 100 प्रतिशत विद्युतकर्षण राज्य घोषित किया। इस अवसर पर बोलते हुए प्रधानमंत्री ने जापान, पापुआ न्यू गिनी और ऑस्ट्रेलिया के अपने तीन देशों के दौरे की चर्चा करते हुए कहा कि दुनिया भारत को बड़ी उम्मीदों से देख रही है। उन्होंने कहा कि जब अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और गरीबी से लड़ने की बात आती है तो भारत दुनिया के लिए आशा की किरण बन गया है। उन्होंने भारत द्वारा कोरोना महामारी से निपटने और देश में चलाए गए दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान पर भी बात की। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि वैश्विक पर्यटक भारत को देखने और उसके सार को समझने के लिए भारत आना चाहते हैं। उन्होंने इसे उत्तराखंड जैसे राज्यों के लिए बड़ा अवसर बताया। मोदी ने कहा कि वंदे भारत ट्रेन भी इस अवसर का पूरा लाभ उठाने में उत्तराखंड की मदद करने वाली है। प्रधानमंत्री ने देहरादून और दिल्ली के

बीच वंदे भारत एक्सप्रेस के उद्घाटन के लिए उत्तराखंड के सभी लोगों को बधाई दी और कहा कि ट्रेन देश की राजधानी को उत्तराखंड की देवभूमि से जोड़ेगी।

उन्होंने बताया कि दोनों शहरों के बीच यात्रा का समय और कम हो जाएगा और ऑनबोर्ड सुविधाएं सुखद यात्रा अनुभव प्रदान करेंगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि ट्रेन से यात्रा करना उन लोगों के लिए पहली पसंद है जो अपने परिवार के सदस्यों के साथ हैं और वंदे भारत धीरे-धीरे परिवहन का पसंदीदा साधन बनता जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कानून व्यवस्था की स्थिति को मजबूत रखते हुए राज्य के विकास को बढ़ावा देने की सराहना करते हुए कहा कि चार धाम यात्रा में श्रद्धालुओं की संख्या लगातार पुराने रिकॉर्ड तोड़ रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार का पूरा जोर विकास के 9 रत्न 'नवरत्न' पर है। उन्होंने कहा कि पहला रत्न केदारनाथ-बद्रीनाथ धाम में 1300 करोड़ रुपये का पुनर्निर्माण का कार्य है।

दूसरा, गौरीकुंड-केदारनाथ और गोबिंद घाट-हेमकुंट साहिब में 2500 करोड़ रुपये का रोपवे प्रोजेक्ट। तीसरा, मानस खंड मंदिर माला कार्यक्रम के तहत कुमाऊं के प्राचीन मंदिरों का जीर्णोद्धार। चौथा, पूरे राज्य में होम स्टे को बढ़ावा देना जहां राज्य में 4000 से अधिक होम स्टे पंजीकृत हो चुके हैं। पांचवां, 16 इको टूरिज्म स्थलों का विकास। छठा, उत्तराखंड में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार। उधमसिंह नगर में एम्स का सेटेलाइट सेंटर बन रहा है। सातवां, 2000 करोड़ रुपये की टिहरी झील विकास परियोजना। आठवां, योग और साहसिक पर्यटन की राजधानी के रूप में हरिद्वार-ऋषिकेश का विकास और नौंवा टनकपुर-बागेश्वर रेल लाइन पर भी जल्द काम शुरू हो जाएगा। प्रधानमंत्री ने पिछली सरकारों पर रेलवे क्षेत्र की अनदेखी का आरोप लगाते हुए कहा कि बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण के माध्यम से देश में तेजी से विकास सुनिश्चित किया जा सकता है। लेकिन पिछली सभी सरकारें देश के विकास में नहीं बल्कि भ्रष्टाचार, घोटालों और परिवारवाद को आगे बढ़ाने में लगी रहीं। उन्होंने कहा, पिछली सरकारें केवल राजवंशों की परवाह करती थीं। आम आदमी उनकी प्राथमिकता में नहीं था। पहले की सरकार ने केवल वादे किए और उन्हें कभी पूरा नहीं किया, लेकिन हमने सभी वादों को पूरा किया। रेलवे क्षेत्र को भी उनके (पिछली सरकार) द्वारा अनदेखा किया गया था। प्रधानमंत्री ने बताया कि 2014 तक देश के रेल नेटवर्क का केवल एक तिहाई विद्युतीकरण किया गया था जिससे तेजी से चलने वाली ट्रेन के बारे में सोचना असंभव हो गया था। प्रधानमंत्री ने कहा, रेलवे को बदलने के लिए चौतरफा काम 2014 के बाद शुरू हुआ। प्रधानमंत्री ने बताया कि 2014 से पहले हर साल औसतन 600 किलोमीटर रेल लाइन का विद्युतीकरण होता था जबकि आज हर साल 6 हजार किलोमीटर रेलवे लाइन का विद्युतीकरण हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज, देश के 90 प्रतिशत से अधिक रेलवे नेटवर्क का विद्युतीकरण किया जा चुका है। उत्तराखंड में पूरे रेल नेटवर्क का 100 प्रतिशत विद्युतीकरण हासिल कर लिया गया है।

तमिलनाडु के 20 धर्माध्यक्ष नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह में होंगे शामिलः सीतारमण

चेन्नई/नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि 28 मई को नए संसद भवन के उद्घाटन के लिए तमिलनाडु के 20 आदिनम (धर्माध्यक्ष) को आमंत्रित किया गया है, जो यहां 'सेंगोल' को स्थापित करने में अपनी भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों से सत्ता हस्तांतरण के प्रतीक के तौर पर प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को सेंगोल दिया गया था। सीतारमण ने गुरुवार को यहां तमिलनाडु, तेलंगाना और नागालैंड के राज्यपालों के साथ एक प्रेसवार्ता में उक्त बातें कहीं। वित्त मंत्री ने कहा कि देश के पहले प्रधानमंत्री को सेंगोल सौंपे जाने की घटना तमिलनाडु के लिए बेहद खास है। उद्घाटन समारोह के लिए तिरुवदुथुरई, पेरूर और मदुरै सहित तमिलनाडु के 20 आदिनाम को कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया गया है। इसी संदर्भ में वित्त मंत्री ने कहा कि आदिनम की सलाह पर 1947 में अंग्रेजों से भारत के लोगों के लिए सत्ता स्थानांतरण किया गया था। राजदंड 'सेंगोल' को लोकसभा अध्यक्ष की कुर्सी के पास बहुत श्रद्धा

के साथ स्थापित किया जाएगा। यह ह्यबिना किसी पक्षपात के न्यायपूर्ण शासनह्ल का प्रतीक होगा। दरअसल तमिल में आदिनम शब्द एक शैव मठ और ऐसे मठ के प्रमुख दोनों को संदर्भित करता है।

उन्होंने विपक्षी दलों की ओर से नए संसद के उद्घाटन समारोह का बहिष्कार करने पर कहा कि यह लोकतंत्र का मंदिर है, यहां तक कि प्रधानमंत्री भी इसके कदमों पर झुककर संसद में प्रवेश करते हैं। मैं विपक्ष से विनम्रतापूर्वक अनुरोध करती हूं कि कृपया पुनर्विचार करें और समारोह में हिस्सा लें। इस अवसर पर तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि, उनके तेलंगाना व नागालैंड के समकक्ष क्रमशः तमिलसाई सुंदरराजन और ला गणेशन, केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन और तमिलनाडु के मंत्री पीके सकेर बाबू भी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि आजादी के बाद सत्ता हस्तानांतरण की प्रक्रिया के सिलसिले में नेहरू ने राजाजी के नाम से लोकप्रिय पहले भारतीय गवर्नर जनरल सी आर राजगोपालाचारी से चर्चा की थी। इसके बाद राजाजी ने इस संबंध में शैव संत तिरुवदुथुरई आदिनम से चर्चा की, जिसके बाद उनकी सलाह पर सत्ता हस्तानांतरण के लिए सेंगोल तय किया गया।

दिल्ली ग्राम विकास बोर्ड ने 118 नई योजनाओं को दी मंजूरी : गोपाल राय

अजय कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली के विकास मंत्री गोपाल राय की अध्यक्षता में गुरुवार को दिल्ली के गांवो के विकास कार्यों को गति देने के लिए दिल्ली सचिवालय में ग्राम विकास बोर्ड की मीटिंग आयोजित की गई। राजधानी के गांवों में विकास सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली ग्राम विकास बोर्ड ने 118 योजनाओं को मंजूरी दी है। इसके तहत सड़कों, नालियों, जल निकाय, सामुदायिक केंद्र, पार्क, श्मशान, खेल मैदान आदि से जुड़े विकास कार्य किए जाएंगे। दिल्ली के ग्रामीण क्षेत्रों में 242.12 करोड़ रुपए के लागत से विकास कार्य किए जाएंगे। बोर्ड मीटिंग के दौरान सभी अधिकारियो को ग्राम विकास की परियोजनाओं को तय समय सीमा के अंदर पूरा करने के निर्देश दिए गए है। साथ ही पूरी की गई परियोजनाओं की जियोटैग फोटो के साथ रिपोर्ट जमा

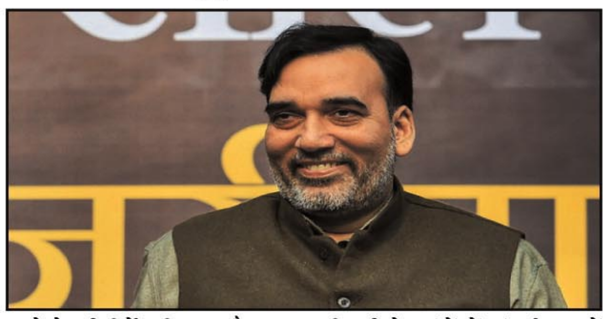

करने के भी निर्देश दिए गए है। राय ने बताया कि सरकार शहरी क्षेत्रों में रहने वाले दिल्ली के लोगों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को भी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। विकास विभाग से जुड़े इन विकास कार्यों को सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग, एमसीडी सहित अन्य सरकारी विभागों के माध्यम से किया जा रहा है।

ग्राम विकास परियोजना के कार्य : -दिल्ली के गांवों में संपर्क सड़कों और ग्रामीण सड़कों का निर्माण, तालाबों/जलाशयों का विकास, गावो में सामुदायिक केंद्र, पार्क, श्मशान, खेल मैदान, व्यायामशाला, लाइब्रेरी का विकास, जल निकासी संरचनाओं का निर्माण, चौपालों, बारात घर, सामुदायिक केंद्र आदि का निर्माण और मरम्मत का कार्य और पेयजल सुविधा, स्ट्रीट लाइट आदि जैसे अन्य आवश्यकता आधारित कार्य शामिल है।

प्रधानमंत्री मोदी ने हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रतिनिधित्व कर देश का नाम रोशन कियाः मीनाक्षी लेखी

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीन देशों की यात्रा के बाद स्वदेश लौटने पर स्वागत करते हुए विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने गुरुवार को कहा कि 'जिस तरह प्रधानमंत्री मोदी ने दुनिया के सामने हमारी संस्कृति और लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रतिनिधित्व किया है, उससे दुनिया में भारत का नाम रोशन हुआ। विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

की तीन राष्ट्रों की यात्राएं सफल रहीं। हमने देखा कि कैसे वैश्विक नेताओं ने भारत का सम्मान किया। जब प्रधानमंत्री का सम्मान होता है, तो देश के लोगों का भी सम्मान होता है।

तिहाड़ जेल के बाथरूम में गिरे सत्येंद्र जैन, डीडीयू अस्पताल में भर्ती

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन आज सुबह जेल के बाथरूम में गिर गए। जिससे उन्हें चोट लगी। जेल प्रशासन ने उन्हें दीनदयाल उपाध्याय (डीडीयू) अस्पताल में भर्ती कराया है। बताया जा रहा है कि वह तिहाड़ जेल के बाथरूम में चक्कर आने के बाद गिर गए थे। इससे पहले भी सत्येंद्र जैन बाथरूम में गिरे थे और इस दौरान उनकी रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोटें आई थीं। इससे पहले उन्हें सोमवार को सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया था, जहां उन्हें न्यूरो सर्जन से दिखाया गया था। इस दौरान उनकी तस्वीर सामने आई थी, जिसमें वह काफी कमजोर नजर आ रहे थे। डॉक्टर के अनुसार उनका 35 किलो वजन कम हो गया है। तिहाड़ जेल के प्रवक्ता अरविंद कुमार ने बताया कि गुरुवार सुबह करीब 6:00 बजे डॉ सतेंद्र जैन जेल अस्पताल के बाथरूम में फिसल कर गिर गए। फिर डॉक्टरों ने उनकी जांच की। पीठ, बाएं पैर और कंधे में दर्द की शिकायत के कारण उन्हें आगे डीडीयू अस्पताल

रेफर कर दिया गया। प्रवक्ता ने बताया कि उन्हें कमजोरी की शिकायत थी। जिसके कारण उन्हें जेल के अस्पताल में निगरानी के लिए रखा गया था। इस बीच गुरुवार सुबह दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा कि जो इंसान जनता को अच्छा इलाज और अच्छी सेहत देने के लिए दिन-रात काम कर रहा था, आज उस भले इंसान को एक तानाशाह मारने पर तुला है। उस तानाशाह की एक ही सोच है - सबको खत्म कर देने की, वो सिर्फ मैं में ही जीता है। वो सिर्फ खुद को ही देखना चाहता है। भगवान सब देख रहे हैं, वो सबके साथ न्याय करेंगे। ईश्वर से सत्येंद्र के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। भगवान उन्हें इन विपरीत परिस्थितियों से लड़ने की शक्ति दें। उल्लेखनीय है कि पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन करीब एक साल से मनी लांड्रिंग के केस में तिहाड़ जेल में बंद हैं। पिछले एक साल से उन्होंने केवल फल खाया है और रेगुलर डाइट नहीं ली है। सत्येंद्र जैन ने पहले कोर्ट से यह अपील भी की थी कि वे धार्मिक परंपराओं का पालन कर रहे हैं और मंदिर गए बिना पका भोजन नहीं खाते हैं। वे रोज पहले मंदिर जाते हैं, उसके बाद पका भोजन खाते हैं। सत्येंद्र जैन के पिछले एक साल में स्पाइन से जुड़े दो ऑपरेशन हुए हैं। इसके बावजूद वे अपने नियमानुसार पका भोजन छोड़ दिए हैं और सिर्फ फल व कच्ची सब्जियों पर निर्वाहन कर रहे हैं। डॉक्टरों के अनुसार पका भोजन न लेने की वजह से उनको सीवियर मैस्कुलर लॉस हुआ है। इस स्थिति को मैस्कुलर एट्रॉफी भी कहते हैं। इसकी वजह पिछले एक साल में सत्येंद्र जैन का करीब 35 किलोग्राम वजह कम हो गया है।

भाजपा शिमला मंडल कार्यसमिति की बैठक आयोजित

शिमला, (हि.स.)। भाजपा शिमला मंडल कार्यसमिति की बैठक गुरुवार को आयोजित हुई। इसकी अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष राजेश शारदा द्वारा की गई। इस दौरान भाजपा द्वारा शुरू किए जाने वाले जनसम्पर्क अभियान पर चर्चा की गई। राजेश शारदा ने बताया कि कार्यसमिति बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नौ वर्ष पूर्ण होने पर आगामी कार्यक्रमों के विषय पर वरिष्ठ नेता गणेश दत्त, बूथ सशक्तिकरण अभियान पर प्रदेश कोषाध्यक्ष संजय सूद, डाटा प्रबंधन पर प्रदेश सह मीडिया प्रभारी कर्ण नंदा ने कार्यकर्ताओ का मार्गदर्शन किया। गणेश दत्त ने कहा कि भाजपा पूरे प्रदेश भर में भाजपा महाजनसंपर्क अभियान का शुभारंभ करने जा रही है और यह जनसंपर्क अभियान एक जून से लेकर 30 जून तक चलेगा इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 9 वर्ष की उपलब्धियों को भाजपा का कार्यकर्ता घर-घर पहुंचाने का कार्य करेगा उन्होंने कहा कि हम शिमला मंडल के अंतर्गत 60 प्रभावशाली सामाजिक लोगों से भी संपर्क करेंगे जिनका खेलो और समाजिक कार्यों में बड़ा योगदान रहा है।

सुरेश भारद्वाज ने कहा कि भाजपा व्यक्ति या परिवार की नहीं बल्कि कार्यकताओं की पार्टी है और अगर देखा जाए तो इस बार के विधानसभा चुनावों में हमारा वोट शेयर कांग्रेस के बराबर रहा है। हम केवल 0.9% से चुनाव हारे हैं। उन्होंने कहा कि अगर शिमला नगर निगम का चुनाव एक वर्ष पहले हो जाता तो परिणाम कुछ और होते। उन्होने कहा कि शिमला नगर निगम चुनावों में जो कांग्रेस को मैंडेट मिला है वह शिमला का मैंडेट नहीं है। कांग्रेस ने गलत वोट बनाकर चुनाव जीता है। कांग्रेस पार्टी ने नियम भी बदले हैं जिसकी कारण नगर निगम चुनाव प्रभावित हुए है, पर हर चुनाव में ऐसी परिस्थिति नहीं होती 2024 में हम हिमाचल प्रदेश की चारों संसद की सीटों पर विजय प्राप्त करेंगे। बैठक में भाजपा वरिष्ठ नेता गणेश दत्त, पूर्व मंत्री सुरेश भारद्वाज, संगठन मंत्री अक्षय भरमौरी, प्रदेश कोषाध्यक्ष संजय सूद सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा संसद के नए भवन के उद्घाटन का मामला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर संसद की नई बिल्डिंग के उद्घाटन राष्ट्रपति से ही कराने की मांग की गई है। याचिका सुप्रीम के ही एक वकील सीआर जया सुकीन ने दायर की है। याचिकाकर्ता ने कोर्ट से लोकसभा सचिवालय को इस बारे में निर्देश देने की मांग की गई है कि संसद की नई बिल्डिंग का उद्घाटन राष्ट्रपति के हाथों कराने का दिशानिर्देश जारी किए जाएं। याचिका में कहा गया है कि राष्ट्रपति संसद का अभिन्न हिस्सा हैं। उद्घाटन समारोह में उन्हें आमंत्रित न करना संवैधानिक सिद्धांतों के खिलाफ है। याचिका में कहा गया है कि संविधान की धारा 79 के मुताबिक संसद राष्ट्रपति, लोकसभा और राज्यसभा को

मिलाकर बनता है। ऐसे में राष्ट्रपति को इस उद्घाटन समारोह से दूर रखकर असंवैधानिक काम किया गया है। गौरतलब है कि संसद की नई बिल्डिंग का उद्घाटन 28 मई को होने वाला है। इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को करना हैं। फिलहाल 19 विपक्षी दलों ने राष्ट्रपति के हाथों उद्घाटन करने की मांग करते हुए संसद भवन की नई बिल्डिंग के उद्घाटन समारोह के बहिष्कार की घोषणा की है।

पीएम मोदी के बड़े भाई की देशभर के तेली समाज से 'मोदी सरनेम' लिखने की अपील

अहमदाबाद (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बड़े भाई सोमाभाई मोदी ने देशभर के तेली समाज से अपील की है कि वे अपनी सरनेम मोदी लिखें। सोमाभाई की यह अपील ऐसे समय में आई जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी मोदी सरकार को लेकर की गई विवादित टिप्पणी पर मानहानि केस का सामना कर रहे हैं और आगामी दिनों में गुजरात हाईकोर्ट का इस पर फैसला आनेवाला है। सोमाभाई मोदी गुजरात मोढ मोदी समाज ट्रस्ट के अध्यक्ष हैं और उन्होंने मोदी समाज को एकजुट करने के उद्देश्य से 2015 में ट्रस्ट का गठन किया था। वर्ष 2018 के दौरान सूरत में एक बड़ा कार्यक्रम हुआ था। हाल ही में मोदी समाज का राष्ट्रीय सम्मेलन हुआ था, जिसमें केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी शामिल हुए थे। सम्मेलन में सोमाभाई मोदी ने दावा किया कि देशभर में मोदी समाज की आबादी करीब 13 करोड़ है। जिसमें राठौड़, साहू, मोढ, घांची, तेली, क्षत्रिय समेत कई सरनेम के लोग शामिल हैं। लेकिन कांग्रेस नेता के वकील ने मोदी समाज के अस्तित्व को नकारते हुए दावा करते हैं कि मोदी समाज का कोई रिकार्ड नहीं है। इस सरनेम का उपयोग अन्य जाति व धर्म के लोग भी करते हैं। उन्होंने कहा कि जो समाज अपनी पहचान की चिंता नहीं करता वह समाज बिखर जाता है। इसलिए देशभर के तेली समाज से अपील करता हूं कि वह अपनी सरनेम मोदी लिखें। अगर कोई समस्या है तो ब्रेकेट में मोदी लिखे,

परंतु लिखें जरूर। मुझे पूरी उम्मीद है कि देशभर का तेली समाज अपनी सरनेम मोदी लिखेगा। सोमाभाई ने कहा कि आज देश-विदेश में मोदी का नाम गूंज रहा है। उनका इशारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लगातार बढ़ती लोकप्रियता की ओर था। गौरतलब है कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ गुजरात भाजपा के विधायक और राज्य के पूर्व मंत्री पूर्णेश मोदी ने मानहानि का केस किया है। पूर्णेश मोदी का आरोप है कि राहुल गांधी ने विवादित टिप्पणी कर मोदी समाज का अपमान किया है। इस मामले में सूरत की कोर्ट ने राहुल गांधी को दो साल की सजा सुनाई है। अब यह मामला गुजरात हाईकोर्ट में विचाराधीन है। पूर्णेश मोदी गुजरात मोढ मोदी समाज ट्रस्ट के कार्यकारी अध्यक्ष हैं। मोदी समाज को मोढेश्वरी माता के उपासक माना जाता है। मेहसाणा जिले में मोदी समाज की कुलदेवी का मंदिर भी है। गुजरात चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी मोढेश्वर मंदिर में दर्शन करने गए थे।

जी-20 के सफल आयोजन पर एडीजीपी ने सुरक्षा बलों व खुफिया एजेंसियों को दी बधाई

श्रीनगर, (हि.स.)। कश्मीर के एडीजीपी विजय कुमार ने जम्मू-कश्मीर में जी-20 के सफल आयोजन पर सभी सुरक्षा बलों व खुफिया एजेंसियों को बधाई दी है। गुरुवार को एक ट्वीट के माध्यम से एडीजीपी ने कहा कि मैं जम्मू कश्मीर पुलिस, सीआरपीएफ, सेना, बीएसएफ, एसएसबी, एनएसजी, मारकोस, एनडीआरएफ और खुफिया एजेंसियों के अधिकारियों और जवानों को घटना मुक्त और सफल जी-20 शिखर सम्मेलन आयोजित करने के लिए बधाई देता हूं। उल्लेखनीय है

कि जी-20 पर्यटन कार्यसमूह के सफल आयोजन में सबसे बड़ा हाथ सुरक्षा बलों तथा खुफिया एजेंसियों का रहा। इस आयोजन के दौरान कोई अप्रिय घटना नहीं हुई और बाहरी देशों के प्रतिनिधि भी एक सकारात्मक सोच के साथ श्रीनगर से लौटे।

नए संसद भवन में स्पीकर की कुर्सी के पास हंगामा नहीं कर सकेंगे सांसद

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। नई संसद में अब स्पीकर की कुर्सी के पास तख्तियां लहराते और विरोध प्रदर्शन करना संभव नहीं हो पाएगा। नई संसद के दोनों भवनों में वेल में आकर प्रदर्शन करना अब संभव नहीं है। इसकी वजह है नवनिर्मित संसद के दोनों सदनों में स्पीकर के कुर्सी के पास की बनावट। नई संसद के दोनों सदनों में स्पीकर की कुर्सी की बनावट ऐसी है कि अब सदन की कार्यवाही को बाधित करना लगभग असंभव होगा। सूत्रों ने कहा कि दोनों सदनों में पीठासीन अधिकारियों की कुर्सियों को मौजूदा कक्षों की तुलना में ऊंचा बनाया गया है। ऐसे में दोनों सदनों के वेल में जगह पुरानी की तुलना में कम है। नए हाउस में वेल पहली पंक्ति से लगभग एक फुट नीचे हैं। इसलिए किसी भी विरोध प्रदर्शन के दौरान कैमरों की नजर में आना मुश्किल होगा। संसद सत्र के दौरान विपक्षी सदस्यों का वेल में आना, नारेबाजी करना और तख्तियां थामना आम बात हो गई है। हालांकि लोकसभा की कार्यवाही के प्रसारण पर 1994 के दिशा-निर्देशों का उल्लेख किया गया था। इसमें कहा

गया था कि कैमरों को किसी भी रुकावट, विरोध या वाकआउट पर ध्यान केंद्रित नहीं करना था। साल 2005 में तत्कालीन अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी का कहना था कि टेलीकास्ट में विरोध और वाकआउट के दृश्य भी दिखाए जाने चाहिए। यह सदन की कार्यवाही का हिस्सा हैं। सरकार का कहना है कि एक बार जब नया संसद भवन चालू हो जाएगा, तो वर्तमान संसद भवन को लोकतंत्र के संग्रहालय में बदलने का काम शुरू हो जाएगा। नए संसद भवन में महात्मा गांधी, भीम राव अंबेडकर, सरदार पटेल और चाणक्य सहित ग्रेनाइट की मूर्तियां भी होने की संभावना है। नई संसद के उद्घाटन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। उद्घाटन कार्यक्रम की मॉक ड्रिल नई लोकसभा में आयोजित किए गए थे। यहां मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। नए संसद भवन में कई नई विशेषताएं होंगी। इसमें तीन प्रवेश द्वार - ज्ञान द्वार, शक्ति द्वार और कर्म द्वार शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि नए संसद भवन को नया नाम दिए जाने की प्रबल संभावना है। इसका उद्घाटन रविवार 28 मई को होगा। अटकलें लगाई जा रही हैं कि मौजूदा शासन ने औपनिवेशिक मानसिकता के निशान को हटाने के लिए दिल्ली में महत्वपूर्ण सड़कों के नाम बदल दिए हैं। इसमें राजपथ भी शामिल है, जिसे सितंबर में कर्तव्यपथ नाम दिया गया था।

नवंबर में लोकसभा के चुनाव करवा सकती है मोदी सरकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। मौजूदा राजनीतिक हालात को देखते हुए मोदी सरकार मई 2024 में होने वाले लोकसभा चुनावों को समय पूर्व कर सकती है। सत्ता के गलियारों में यह कयास लगाए जा रहे हैं, कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के साथ ही नवंबर में लोकसभा चुनाव भी हो सकते हैं। लोकसभा चुनाव समय से पहले कराए जाने के हालात दिखने लगे हैं। विपक्षी एकता के प्रयास तेज हो गए हैं। कर्नाटक में मोदी मैजिक नहीं चला है। मोदी की धुआंधार चुनावी सभाओं के बावजूद कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी पराजित हो गई है। कर्नाटक की जनता ने एक तरह से मोदी के करिश्मे को नकार दिया है। पिछले 5 साल में कुल 6 राज्यों में भाजपा अपने दम पर चुनाव जीती है। जिनमें से उत्तरप्रदेश और गुजरात ही सबसे बड़े राज्य हैं। कर्नाटक और मध्यप्रदेश जैसे राज्यों में चुनाव हारने के बाद भी दल-बदल के बाद भाजपा को सत्ता मिली है। बिहार, महाराष्ट्र जैसे राज्यों में भाजपा के गठबंधन टूटे और फिर सरकार गिरने के बाद बने हैं। कुल मिलाकर गुजरात और उत्तरप्रदेश को छोड़ दिया जाए तो देश के किसी भी राज्य में भाजपा को वैसा समर्थन नहीं मिला।

दूसरी तरफ अडानी के मुद्दे पर भी भाजपा सरकार की किरकिरी हुई है।

अडानी को सुप्रीम कोर्ट से भले ही क्लीन चिट मिल गई हो लेकिन सेबी ने जिस तरह अडानी को प्रोटेक्ट करने के लिए पहले से ही कानून में बदलाव किया था वह सरकार के लिये परेशानी का कारण बन रहा है। मोदी सरकार को एक बड़ी चुनौती जंतर - मंतर पर आंदोलन कर रहे पहलवानों से भी मिल रही है। भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष और अपने सांसद बृजभूषण सिंह को संरक्षण देने के लिए जिस तरह पोक्सो एक्ट के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। उससे सारे देश की महिलाओं में सरकार के खिलाफ माहौल बना है। मोदी सरकार के लिए अगली सबसे बड़ी चुनौती कांग्रेस के बैनर तले विपक्षी एकता की है। कर्नाटक चुनाव के बाद विपक्षी राजनीति में कांग्रेस के प्रभाव और वर्चस्व में वृद्धि हुई है। ममता बनर्जी जैसे राजनीतिज्ञों ने भी कांग्रेस के नेतृत्व में एकजुटता पर सहमति जता दी है। 20 विपक्षी दलों द्वारा नई संसद के उद्घाटन में राष्ट्रपति को ना बुलाए जाने को मुद्दा बनाते हुए उद्घाटन समारोह के बहिष्कार ने भी विपक्ष को एकजुट होने का मौका दिया है। ऐसी स्थिति में सरकार विरोधी माहौल थामने और विपक्षी एकजुटता को तोड़ने के लिए मोदी सरकार समय से पहले चुनाव करवा सकती है। इससे एक तरफ एंटी इनकंबेंसी का असर कुछ कम पड़ेगा तो दूसरी तरफ राज्यों में एक दूसरे के खिलाफ लड़ने वाला विपक्ष भी एकजुट नहीं हो पाएगा।

अभी हालात वैसे भी नहीं है जैसे 2004 में अटल बिहारी वाजपेई के समय थे। अभी भाजपा बहुमत में है, उत्तरप्रदेश जैसे बड़े राज्यों में भी अपने दम पर काबिज है। 2000 के नोटबंदी को भी लोकसभा एवं विधानसभा चुनावों से जोड़ा जा रहा है। ज्योतिषियों के अनुसार चन्द्र में शनि की दशा भी मोदी सरकार की चुनौतियों को बढ़ा रही है। 30 मई के बाद से देश के राजनीतिक समीकरण बडी तेजी के साथ बदलने के हालात बन गए है। इसलिए मोदी 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव के साथ लोकसभा समय चुनाव करवा कर फिर से सरकार बनाने की कोशिश कर सकते हैं।

लोकतंत्र को कमजोर करने वाला है विपक्ष का रवैया : योगी

- नए संसद भवन के उद्घाटन पर विपक्ष द्वारा उठाए गए विवाद पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दी तीखी प्रतिक्रिया
- 100 वर्षों के विजन को ध्यान में रखकर आमजन की आवाज बनेगी नई संसद
- पुरातन और आधुनिक दोनों बातों का अनुपम मेल है नया संसद भवन

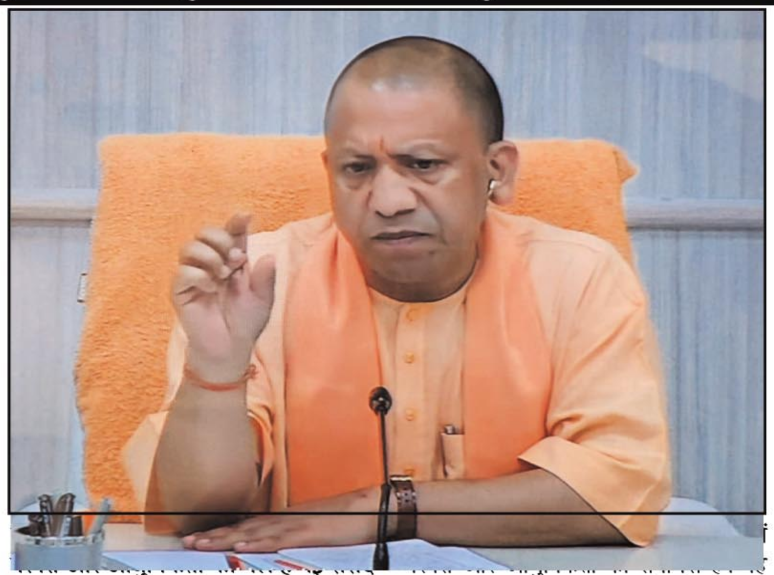

लखनऊ, (हि.स.)। नई दिल्ली स्थित नए संसद भवन को लेकर विवाद को तूल देने में लगे विपक्ष पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कड़ा प्रहार करते हुए आइना दिखाया है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र भारत के इतिहास में 28 मई की तिथि एक गौरवशाली क्षण के रूप में दर्ज होने जा रही है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में भारत के लोकतंत्र के प्रतीक नया संसद देश को समर्पित किया जाएगा जोकि एक गौरवशाली क्षण होगा। इस ऐतिहासिक अवसर पर कांग्रेस समेत सभी विपक्षी दलों द्वारा जिस प्रकार की टिप्पणियां व बयानबाजी हो रही है वह अत्यंत दुखद, गैरजिम्मेदाराना और लोकतंत्र को कमजोर करने वाली है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि भारत न केवल दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, बल्कि लोकतंत्र की जननी के तौर पर भी विश्व में जाना जाता है। दुनिया के अंदर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की इस छवि को एक नई पहचान दी है। मगर विपक्ष का ये बयान लोकतंत्र को कमजोर करने वाला है। विपक्ष के इस कुत्सित प्रयास को पूरा देश देख रहा है और विपक्ष की

- नई संसद भवन के औचित्य को लेकर उठ रहे सवालों का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि नया संसद भवन आज की आवश्यकताओं के अनुरूप है। यह आगामी

दूरदर्शी तरीके के साथ बनाई गई है और हर एक पार्लियामेंटेरियन को प्रॉपर स्पेस और हर प्रकार की सुविधा मिल सके, इस बात को ध्यान में रखा गया है। यही कारण है कि आमजन की

आवाज को सुनने का एक महत्वपूर्ण मंच बनने जा रही यह संसद दुनिया में एक आदर्श स्थापित करने का अवसर दे रही है। मगर विपक्ष की इस प्रकार की बयानबाजी अत्यंत क्षोभकारी है।

इंदिरा से लेकर राजीव गांधी भी कर चुके हैं ऐसा - मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब देश के प्रधानमंत्री इस प्रकार के किसी उद्घाटन कार्यक्रम के साक्षी बन रहे हों। इससे पहले पार्लियामेंट एनेक्सी का उद्घाटन तत्कालीन प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी द्वारा किया जा चुका है। वहीं, पार्लियामेंट लाइब्रेरी का शिलान्यास पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी द्वारा किया गया था। इसके अलावा और भी कई उदाहरण हैं। इतने उदाहरण होने के बावजूद विपक्ष द्वारा जिस प्रकार इस गरिमामयी कार्यक्रम का साक्षी बनने के ऐतिहासिक क्षण को धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है, उसे देश और देश की जनता-जनार्दन कतई स्वीकार नहीं करेगी। हम अपील करेंगे कि सभी लोगों को इस गौरवशाली क्षण का साक्षी बनना चाहिए और भारत के लोकतंत्र को मजबूत बनाने के आह्वान के साथ इस ऐतिहासिल पल में सम्मिलित होना चाहिए।

डीजीपी ने पुलिस लाइन मेस को अत्याधुनिक बनाने के दिए निर्देश

कानपुर (कान्हापुर), (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक डॉ.आर.के. विश्वकर्मा ने गुरुवार को कानपुर पुलिस लाइन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पुलिस कर्मचारियों के लिए बनी मेस को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस करने के साथ व्यवस्था में सुधार लाने का निर्देश दिए। कानपुर में पहुंचे पुलिस के मुखिया डॉ.आर.के.विश्वकर्मा जनपद के सर्किट हाउस पहुंचे। यहां से निकलकर उनका काफिला पुलिस लाइन पहुंचा। जहां उन्होंने क्वार्टर गार्ड, स्टोर रूम, आर्मरी, सीपीसी कैंटीन, मेस एवं बैरक का निरीक्षण किया। पुलिस महानिदेशक ने पुलिस कर्मचारियों के मेस में सुधार लाने के साथ ही अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करने का निर्देश दिए। इस दौरान उनके साथ विशेष कानून व्यवस्था डीजी प्रशांत कुमार, पुलिस आयुक्त बीपी जोगदंड, संयुक्त पुलिस आयुक्त आनंद प्रकाश तिवारी समेत पुलिस विभाग के आला अधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रपति से संसद भवन का उद्घाटन न कराने पर विपक्ष का बहिष्कार अनुचितः मायावती

लखनऊ, (हि.स.)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की मुखिया मायावती नए संसद भवन के उद्घाटन के मामले में विपक्षी दलों के बहिष्कार को अनुचित बताया है। उन्होंने मोदी सरकार के पक्ष में बोलते हुए एक-एक तीन ट्वीट किए हैं। मायावती ने कहा कि बसपा ने देश में जनहित मुद्दों पर हमेशा सभी का समर्थन किया है चाहे कांग्रेस की सरकार हो या भाजपा की। 28 मई को संसद के नए भवन के उद्घाटन को भी पार्टी इसी संदर्भ में देखते हुए इसका स्वागत करती है। बसपा प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि राष्ट्रपति द्वारा उद्घाटन नहीं कराए जाने को लेकर बहिष्कार अनुचित है। संसद भवन को सरकार ने बनवाया है। इसके उद्घाटन का अधिकार भी सरकार को ही है। मायावती ने कहा कि इस मामले को आदिवासी महिला के सम्मान से जोड़ना भी अनुचित है। यह उन्हें निर्विरोध न चुनकर उनके विरुद्ध उम्मीदवार खड़ा करते वक्त सोचना चाहिए था। मायावती ने अपने तीसरे ट्वीट में कहा है कि देश को समर्पित होने वाले कार्यक्रम अर्थात नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह का निमंत्रण मुझे मिला है, किंतु बैठकों में व्यस्तता होने के कारण मैं उसमें शामिल नहीं हो पाऊंगी। कार्यक्रम की शुभकामनायें। उल्लेखनीय है कि देश के विपक्षी दलों ने राष्ट्रपति से नए संसद भवन का उद्घाटन न कराए जाने को अनुचित करार देते हुए कार्यक्रम का बहिष्कार किया है।

अयोध्या और काशी के साथ उप्र के दर्शनीय स्थालों की बढ़ेगी सुरक्षा : डीजीपी

कानपुर (कान्हापुर), (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कानपुर के नए एयरपोर्ट का शुक्रवार को उद्घाटन करेंगे। उद्घाटन समारोह की तैयारियों एवं सुरक्षा व्यवस्था को परखने के लिए गुरुवार को उप्र पुलिस के मुखिया डॉ आर के विश्वकर्मा स्पेशल डीजी लॉ एंड आर्डर प्रशांत कुमार के साथ कानपुर पुलिस लाइन पहुंचे। यहां उन्होंने पुलिस आयुक्त बीपी जोगदण्ड, संयुक्त पुलिस आयुक्त आनन्द प्रकाश तिवारी सहित अन्य पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की और मुख्यमंत्री आगमन से पूर्व सुरक्षा, कानून व्यवस्था को लेकर रणनीति पर चर्चा की।

उप्र के दर्शनीय स्थालों की बढ़ेगी सुरक्षा : डीजीपी - उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ने इस दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि प्रदेश के दर्शनीय स्थलों के लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। अयोध्या और काशी में हाईटेक हथियारों से लैस पुलिसकर्मी तैनात होंगे। पुलिस के आवासों की समस्या को हल करते हुए मॉडर्न आवास बनाये जाएंगे। छेड़छाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं। अपराधियों से उनकी ही भाषा में निपटा जाएगा।

साढ़े चार हजार लाभार्थी कार्यक्रम में होंगे शामिल : जिलाधिकारी - जिलाधिकारी विशाख जी अय्यर ने जानकारी देते हुए बताया कि नए एयरपोर्ट के उद्घाटन के मौके पर विभिन्न योजनाओं के लगभग साढ़े चार हजार लाभार्थी पहुंचेंगे। जिसमें प्रधानमंत्री आवास, स्वच्छ भारत मिशन, एनआरएलएम समेत अन्य योजनाओं के लाभार्थी शामिल होंगे। जिनके लिए अलग से दर्शक दीर्घा तैयार की गई है। लाभार्थियों को लाने एवं वापस पहुंचाने की पूरी तैयारी की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री के साथ शामिल हो सकते हैं केन्द्र एवं राज्य के मंत्री - सूत्रों की मानें तो मुख्यमंत्री शुक्रवार को इटावा से सीधे कानपुर एयरपोर्ट लगभग सवा बारह बजे पहुंचेंगे। वह उद्घाटन समारोह सम्पन्न होने के बाद पौने दो बजे दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे। मुख्यमंत्री के साथ केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, जनपद के प्रभारी मंत्री नंद गोपाल नंदी और केन्द्रीय उड्डयन राज्यमंत्री जनरल वी.के.सिंह भी पहुंच सकते हैं।

मुख्यमंत्री की सुरक्षा को लेकर बना तीन स्तरीय सुरक्षा घेरा - कानपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आगमन को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। कार्यक्रम शामिल होने के लिए लगभग छह हजार लोग पहुंचेंगे। कड़ी निगरानी के साथ ही चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा कर्मी तैनात किए जाएंगे। पुलिस के साथ ही 22 मजिस्ट्रेट भी तैनात किए गये हैं।

लोगों के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू : राज्यपाल

खूंटी (झारखंड), (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के झारखंड दौरे के दूसरे दिन खूंटी के बिरसा मुंडा कॉलेज में गुरुवार को आयोजित महिला स्वयं सहायता सम्मेलन को संबोधित करते हुए राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि भारत की राष्ट्रपति का समस्त झारखंड राज्यवासियों की ओर से बिरसा मुंडा की इस पावन भूमि पर हार्दिक स्वागत व अभिनंदन करता हूं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संवाद स्थापित करने का काम किया है। वे लोगों के लिए प्रेरणास्त्रोत रही हैं। महिलाओं के लिए बेहतर काम किया है। आज के इस कार्यक्रम में इतनी बड़ी संख्या में महिलाओं की उपस्थिति बहुत गर्व की बात है। हमारे समाज में बदलाव देखा जा रहा है। राधाकृष्णन ने कहा कि राज्यपाल बनने के बाद मुझे भी भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली खूंटी के उलिहातू में जाना का मौका मिला, जो मेरे लिए सौभाग्य की बात है। बिरसा मुंडा ने बलिदान देकर देश के लिए एक इतिहास रच दिया। भगवान बिरसा मुंडा एक स्वतंत्र सेनानी थे, जो देश के लिए शहीद हो गए। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को पूरे देश में जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ने अपने प्रारंभिक और चुनौतीपूर्ण जीवन में भी समाज सेवा की राह को अपनाया और समाज के समक्ष उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। आज के इस कार्यक्रम में हमारी बहनों की इतनी बड़ी तादाद में मौजूदगी झारखंड के भावी विकास के नींव का पत्थर तो है ही, साथ ही झारखंड में महिला सशक्तिकरण के प्रति प्रतिबद्धता का भी प्रतीक है। स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) इस संबंध में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। झारखंड में जनजाति बहनें भी महिला स्वयं सहायता समूह में सक्रिय रूप से भाग ले रही हैं और स्वावलंबी बनने की दिशा में प्रयास कर रही हैं।

नए पुराने सभी कार्यकर्ताओं की सहयोग से कांग्रेस को बनाउंगा मजबूत : गप्पू राय

पूर्वी चंपारण, (हि.स.)। जिला कांग्रेस कमिटी के नव मनोनीत जिला अध्यक्ष ई शशिभूषण राय उर्फ गप्पू राय ने गुरुवार को कहा कि पार्टी को प्रखंड स्तर पर मजबूत करने के बाद जिला कार्यकारिणी की घोषणा की जाएगी। गप्पू राय ने कहा कि जल्द ही प्रखंडों का दौरा शुरू किया जाएगा। उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह,राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे,सोनिया गांधी, राहुल गांधी सहित अन्य राष्ट्रीय स्तर के नेताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी जिस उम्मीद और सोच के तहत मुझे जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी है उसका बखूबी निर्वहन किया जाएगा। गप्पू राय ने जिला परिषद अध्यक्ष के आवास पर आयोजित पत्रकार सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस बार पूर्वी चंपारण में इतिहास रचेगी कांग्रेस के सभी पुराने कार्यकताओं को साथ लेकर चलने का संकल्प लेते कहा कि बिना किसी भेदभाव के नये पुराने सभी कार्यकताओं के सहयोग से जिले में पार्टी को मजबूत बनायेगे। उन्होंने कार्यकताओं का आह्वान करते कहा कि वे पूरी ऊर्जा व उत्साह के साथ कांग्रेस की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने में सहयोग करें। पार्टी को मजबूत और धारदार बनाने के लिए बूथ,पंचायत व प्रखंड स्तर पर पार्टी को मजबूत बनाया जायेगा ।तभी जिला स्तर पर कांग्रेस मजबूत होगी ।कांग्रेस की पहचान स्वाधीनता के लिए लड़ने वाली पार्टी के रूप में है। ऐसे में बिना किसी भेद भाव के और सभी धर्म सम्प्रदाय के लोगों को एकजुट करते हुए लोकतांत्रिक मूल्यों पर हो रहे आघात को रोका जायेगा।

बेरोजगार युवाओं को खादी ग्रामोद्योग विभाग दे रहा है 20 से 50 लाख तक का लोन

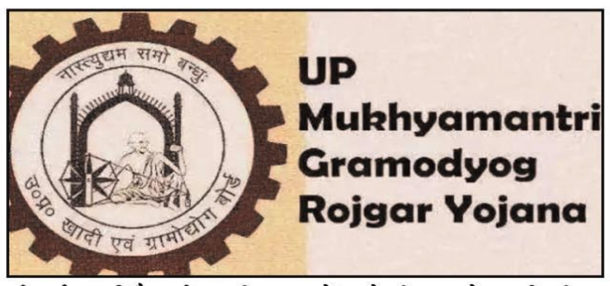

पूरे वर्ष चलती है आवेदन प्रक्रिया

अमेठी (ईएमएस)। जिला खादी ग्राम उद्योग विभाग द्वारा संचालित रोजगार सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना में युवाओं को ऋण दिया जा रहा है। ऐसे युवा जो बेरोजगार हैं, उन्हें ऋण देकर रोजगार की मुहिम से जोड़ा जा रहा है। अमेठी जनपद में इसके लिए आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। अमेठी जनपद में युवाओं की बेरोजगारी को देखते उन्हें रोजगार की मुहिम से जोड़ा जा रहा, इसके लिए युवा को मसाला उद्योग, कपड़ा उद्योग, हैंडीक्राफ्ट उद्योग, खादी उद्योग सहित अन्य उद्योगों के लिए ऋण दिया जा रहा है। इस पूरे अभियान में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन अभियान योजना के लिए उद्यम के स्थापना के लिए 50 लाख रुपए तक का ऋण देने के साथ सेवा क्षेत्र में उद्यम के स्थापना हेतु 20 लाख रुपए तक ऋण दिया जा रहा है। पूरे जनपद में इसके लिए आवेदन की प्रक्रिया जारी है। खादीग्राम उद्योग विभाग द्वारा प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम और मुख्यमंत्री स्वरोजगार अभियान योजना के अंतर्गत यह ऋण दिया जा रहा है। आवेदन करने के लिए आधार कार्ड, राशन कार्ड, निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र ,फोटो के साथ प्रधान एवं सक्षम अधिकारी से जनसंख्या और अनापत्ति प्रमाण पत्र के साथ सीए द्वारा प्रोजेक्ट रिपोर्ट और शैक्षिक योग्यता के कागजात आवश्यक हैं। योजना को लेकर जिला खादी ग्रामोद्योग के एक अधिकारी ने मीडिया को बताया कि युवाओं को रोजगार अभियान से जुड़ने के लिए इस पहल को किया जा रहा है, ताकि युवा रोजगार से जुड़ सकें और उनकी बेरोजगारी की समस्या खत्म हो सके। इस आवेदन प्रक्रिया को पूरे वर्ष भर चलाया जाता है, ताकि किसी भी प्रकार की कोई दिक्कत आवेदन करता को न हो।

स्वयं सहायता समूह की महिलाएं गांवों को बनाएं रोजगार का केंद्र : अर्जुन मुंडा

खूंटी (झारखंड), (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के झारखंड दौरे के दूसरे दिन गुरुवार को खूंटी में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की धरती पर राष्ट्रपति को पाकर हम सभी अत्यंत आह्लादित हैं। भारत सरकार के जनजातीय मंत्रालय के मंत्री के रूप में राष्ट्रपति का स्वागत करते हुए अत्यंत प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है। आपके आगमन से हम सभी गौरवान्वित हैं। उन्होंने कहा कि महिलाएं सशक्त हों, यह मोदी सरकार की मंशा है। बेटी पढ़ाओ-बेटी बढ़ाओ के मूल मंत्र के साथ काम हो रहा है। मुंडा ने अपील किया कि महिलाएं गांवों को रोजगार का केंद्र बनायें। उन्होंने कहा कि सुदूर गांवों में रहने वाली महिलाओं को रोजगारोन्मुखी कार्यक्रमों से जोड़ने का काम चल रहा है। स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और जीवनयापन में कैसे वृद्धि हो यह मंत्रालय कर रहा है। हम इस अभियान को आंदोलन का रूप देंगे। भगवान बिरसा मुंडा आंदोलन के समय अंग्रेजों ने यहां के लोगों के हिसाब से कानून बनाने के लिए बाध्य किया, उन्हीं के आंदोलन के फलस्वरूप सीएनटी एक्ट बना। अर्जुन मुंडा ने कहा कि खूंटी के 254 गांव को आदर्श ग्राम बनाने का निर्णय लिया गया है। केंद्र सरकार ने समस्त गांवों को वन क्षेत्र के प्रबंधन और संरक्षण की जिम्मेवारी दी है। इसी में फॉरेस्ट राइट एक्ट भी है और इसे पुनः संरक्षित करने का काम भारत सरकार कर रही है। हाई कोर्ट ने भी कहा था कि जंगल के प्रबंधन का अधिकार वहां रहने वाले लोगों का है और भारत सरकार इसपर काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि रोजगार के साथ सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने की जरूरत है।

बिहार सरकार के सहकारिता मंत्री का आचरण महिला विरोधी : रालोजद

कटिहार, (हि.स.)। राष्ट्रीय लोक जनता दल के कटिहार जिला अध्यक्ष उमाकांत आनंद ने महिलाओं के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने वाले बिहार सरकार के सहकारिता मंत्री सुरेंद्र यादव को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की मांग राज्यपाल से की है। इस संदर्भ में गुरुवार को राष्ट्रीय लोक जनता दल के राज्यव्यापी कार्यक्रम के तहत कटिहार जिला में भी पार्टी के जिला अध्यक्ष उमाकांत आनंद के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल ने सहकारिता मंत्री को बर्खास्त करने को लेकर जिला पदाधिकारी के माध्यम से बिहार के राज्यपाल को एक ज्ञापन सौंपा। उल्लेखनीय है कि गया जिले के टनकुप्पा प्रखंड में जिला परिषद के निर्वाचन क्षेत्र संख्या आठ से करश्मा कुमारी बड़े अंतर से जिला परिषद की सदस्य निर्वाचित हुई। सहकारिता मंत्री ने उक्त महिला के कथित रूप से अमर्यादित कपड़ा पहन कर वोट प्राप्त करने का आरोप लगाया है ।उन्होंने इस दौरान कई अन्य व्यक्तिगत टिप्पणी भी किए, साथ ही यह भी कहा कि अगर ऐसा ही चलता रहा तो मैं (सुरेंद्र यादव) और तेजस्वी यादव भी चुनाव हार जाएंगे। उमाकांत आनंद ने कहा कि बिहार की जनता इस तरह की मानसिकता वाले व्यक्ति को स्वीकार नहीं कर सकती है। उपरोक्त मंत्री पर पूर्व में भी महिला विरोधी कार्य और आपराधिक कृत्य के आरोप लगते रहे हैं, जो रिकॉर्ड पर है। रालोजद ने राज्यपाल से आरोपित सहकारिता मंत्री को अविलंब बिहार मंत्रिमंडल से बर्खास्त और पीडित महिला को सुरक्षा प्रदान करने की मांग की है। इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रदेश उपाध्यक्ष अरुण कुमार सिंह, प्रदेश सचिव उपेंद्र सुमन, प्रदेश सचिव पिंकू कुमार, सन्तोष मेहता सहित दर्जनों की संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद थे।

पराली से कुशीनगर एयरपोर्ट सुरक्षा को खतरा, अथॉरिटी ने लिखा जिला प्रशासन को पत्र

कुशीनगर, (हि.स.)। कुशीनगर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के आस पास के गांवों में गेंहू व धान की फसल की कटाई के बाद खेतों में पराली जलाने के कारण सुरक्षा को खतरा उत्पन्न हो गई है। एयरपोर्ट प्रशासन ने इसके लिए जिला प्रशासन को पत्र लिखकर पराली जलाने पर रोक लगाए जाने की मांग की है। एयरपोर्ट पर भारत पेट्रोलियम का पंप भी स्थित है। गत माह पम्प के नजदीक के खेतों में गेंहू की फसल की कटाई के बाद किसानों ने पराली जला दी थी। जिसके बाद एयरपोर्ट प्रशासन में हड़कंप की स्थिति हो गई थी। एयरपोर्ट प्रशासन इस बात से चिंतित हैं कि पम्प पर हमेशा अत्यंत ज्वलनशील डिस्टिलेट लिक्विड का स्टॉक रहता है। ऐसे में उड़कर आई एक चिंगारी भी खतरनाक हो सकती है। एयरपोर्ट प्रशासन की दूसरी चिंता पराली जलने से निकलने वाले धुएं से हैं। वातावरण में पराली का धुंआ छा जाने से दृश्यता कम हो जाती है। इस कारण जहाज के टेक आफ व लैंडिंग के दौरान समस्या उत्पन्न होती है।

जिला प्रशासन को पत्र लिखा - एयरपोर्ट निदेशक राजेन्द्र प्रसाद लंका ने बताया कि प्रशासन को पत्र भेजा गया है। आस पास के गांवों व स्कूल कालेजों में जागरूकता गोष्ठी में संवाद कर और कानून का उपयोग कर इस समस्या का हल निकलेगा। इसके लिए सभी को समन्वित प्रयास करना चाहिए।

बनने लगा वाटर टैंक - एयरपोर्ट अथॉरिटी ने अग्निशमन भवन के पास वाटर टैंक व ट्यूबेल का निर्माण कार्य शुरू करा दिया है। वाटर टैंक के होने से अग्निशमन वाहनों को पानी मिलने में सहूलियत होगी। एक साल के भीतर वाटर टैंक बनकर तैयार हो जाएगा। आपात स्थिति से निपटने के लिए एयरपोर्ट पर तीन अग्निशमन वाहन तैनात है। पानी मिलने में इन्हें दिक्कत होती थी, पर टैंक व ट्यूबेल के बन जाने के बाद पानी की समस्या हल हो जायेगी।

झारखंड की परिश्रमी महिलाएं देश के विकास में योगदान देने में सक्षम : राष्ट्रपति

खूंटी (झारखंड), (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि सिर्फ रोटी, कपड़ा और मकान काफी नहीं है। शिक्षा और रोजगार जैसी सरकारी योजनाओं का भी लाभ लेना होगा। इसके लिए आपको सरकार के पास जाना होगा। साथ ही कहा कि झारखंड की परिश्रमी महिलाएं देश के विकास में योगदान देने में सक्षम हैं। वे झारखंड दौरे के दूसरे दिन गुरुवार को खूंटी के बिरसा मुंडा कॉलेज में महिला स्वयं सहायता समूह सम्मेलन को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि उन्हें आदिवासी महिला होने पर गर्व है। देश में अपने क्षेत्रों में बेटियों और महिलाओं ने अमूल्य योगदान दिया है। महिलाएं नेतृत्व कर रही हैं। लोकतंत्र की शक्ति के कारण आज वे राष्ट्रपति के रूप में लोगों के बीच मौजूद हैं। बेटियां, बेटों से अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। राष्ट्रपति भवन में जब पुरस्कार वितरण करते हुए उन्हें महिलाओं की अदम्य ताकत का एहसास हुआ है। राष्ट्रपति ने कहा कि मैं ओडिशा की हूं लेकिन मेरे शरीर में झारखंड का खून बह रहा है। उन्होंने देश की आजादी में बड़ा योगदान देने वाले भगवान बिरसा मुंडा और फूलो-झानो को याद किया। राष्ट्रपति ने स्वयं सहायता समूहों को मिलने वाली सुविधाओं की बात की। साथ ही कहा कि महिला समूह के उत्पादों को मैंने देखा। उनके चेहरे की मुस्कान देखी। उन्होंने कहा कि जिस घर में जोबा मांझी बहू बनकर गयी हैं उसी घर से मेरी दादी थीं। इसलिए झारखंड से मेरा बहुत लगाव है। मेरा सौभाग्य है कि मैं झारखंड की राज्यपाल रही और आज मैं यहां मेहमान बनकर आयी हूं। राष्ट्रपति ने आदिवासी संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत में 700 जनजातियां हैं लेकिन सबकी संस्कृति और परंपरा अलग है। हमें अपनी संस्कृति को बचाये रखना है, नहीं तो हम दुनिया की भीड़ में खो जायेंगे। अपने बच्चों को भी हमें यही संस्कार देना है। जब हम आगे बढ़ते हैं तो पीछे भी देखना जरूरी है। उन्होंने कहा कि झारखंड का जितना विकास होना चाहिए उतना नहीं हुआ है। यह देखकर दुख होता है। 22 वर्ष हो गए राज्य अलग बने हुए, अधिकांश आदिवासी ही मुख्यमंत्री रहे। इसके बावजूद यह स्थिति है। राष्ट्रपति ने कहा कि जनजातीय समाज कई क्षेत्र में उदाहरण पेश करते हैं। हमलोग बिना दहेज के अपने घरों में बहू लाते हैं और दूसरे घरों में बिना दहेज के बेटी देते हैं। दूसरे समाज इसका अनुसरण नहीं कर पाते। देश में आज तक दहेज प्रथा खत्म नहीं हो पायी है। दहेज एक राक्षस है। इस संबंध में जनजातीय समाज का उदाहरण पूरे देश में अनुकरणीय है। राष्ट्रपति ने कहा कि यह सम्मेलन जनजातीय महिलाओं के लिए मील का पत्थर साबित होगा। यह कार्यक्रम राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में जनजातीय समुदाय की महिलाओं के योगदान आनेवाले पीढ़ी को प्रेरित करेगा। आनेवाले दिनों में महिला समूहों के उत्पाद को बाजार मिलेगा। उम्मीद है कि सम्मेलन से महिलाओं में जागरुकता फैलेगी और आने वाले समय में महिलाएं विकास की गाथा लिखेंगी। उन्होंने संबोधन के दौरान निक्की प्रधान, सलीमा टेटे, दीपिका कुमारी के नाम का भी उल्लेख किया। इससे पूर्व उन्होंने महिलाओं द्वारा तैयार सामग्रियों का अवलोकन किया और एक-एक स्टॉल पर जाकर हर उत्पाद की जानकारी ली।

बिहार की राजनीति में भाजपा के खिलाफ महागठबंधन के ट्रंप कार्ड हैं आनंद मोहन

पटना, (हि.स.)। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर बिहार में महागठबंधन ने आनंद मोहन को जेल से निकालकर एक ट्रंप कार्ड जो खेला है, उससे भाजपा को नुकसान पहुंच सकता है। ऐसा मानना है बिहार की राजनीति को नजदीक से जानने वाले राजनीतिक पंडितों का। बिहार में लोकसभा चुनाव-2024 को लेकर भाजपा ने बूथ जीतो चुनाव जीतो के नारे के साथ अपनी रणनीति बना ली है लेकिन भाजपा के रथ को रोकने के लिए नीतीश कुमार ने बीते दिन अगड़ी जाति से आने वाले आनंद मोहन को जेल से रिहा कराकर एक ट्रंप कार्ड खेला है। हालांकि, यह कार्ड कितना सफल होगा यह तो 2024 के चुनाव नतीजे आने के बाद ही पता चलेगा। वरिष्ठ पत्रकार प्रवीण बागी ने कहा कि जिस तरह से आनंद मोहन भाजपा के खिलाफ प्रचार कर रहे हैं उससे वे एक नैरेटिव सेट कर सकते हैं। अगर समय रहते भाजपा ने उनका तोड़ नहीं खोजा तो काफी सीटों पर वे प्रभाव डाल सकते हैं और भाजपा को नुकसान पहुंचा सकते हैं। वरिष्ठ पत्रकार मुकेश कुमार ने कहा कि आनंद मोहन के भाजपा के विरोध में प्रचार करने से कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा लेकिन एक माहौल बनने के बाद भाजपा को नुकसान जरूर पहुंचा सकते हैं।

क्योंकि, अगड़ी जाति के मतदाता भाजपा का बिहार में कोर वोट बैंक हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह से महागठबंधन के नेता अगड़ी जाति को लुभाने में लगी है उससे यह वर्तमान में लग रहा है कि बिहार में भाजपा को नुकसान हो सकता है। कांग्रेस ने अगड़ी जाति के अखिलेश सिंह को प्रदेश अध्यक्ष बनाया है। इसी तरह से जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह भी भूमिहार जाति से आते हैं। आनंद मोहन को जेल से रिहा कराकर जदयू-राजद ने राजपूत जाति को भाजपा से अलग करने की रणनीति बनाई है, जिसमें वे फिलहाल सफल होते दिख रहे हैं। वरिष्ठ पत्रकार महेश सिन्हा ने कहा कि आनंद मोहन को लेकर जो चर्चा चल रही है कि वे जेल से निकलने के बाद अगड़ों को महागठबंधन के पक्ष में एकत्रित करेंगे तो अब यह संभव नहीं है। आनंद मोहन राजपूत समाज से आते हैं लेकिन उनकी छवि बाहुबली के रूप में हैं। वे राज्यभर के अगड़ी जाति के लोगों को महागठबंधन के पक्ष में नहीं ला पायेंगे। क्योंकि, बिहार अब 90 के दशक का बिहार नहीं है, जहां बाहुबलियों को तवज्जो दी जाती थी।

संपादकीय

केजरीवाल का अध्यादेशी मिशन

दिल्ली सरकार के खिलाफ भारत सरकार के अध्यादेश का अस्तित्व कांग्रेस पर टिका है। अध्यादेश ने एक ओर सर्वोच्च अदालत की संविधान पीठ के फैसले को निष्प्रभावी कर दिया है, तो दूसरी तरफ दिल्ली की केजरीवाल सरकार की प्रशासनिक शक्तियां छीन ली हैं। द्वन्द्व दो चुनी हुई सरकारों के बीच है। दरअसल संविधान पर विमर्श करते हुए यह लक्ष्मण-रेखा खींच दी गई थी कि कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका अपनी हदें पार नहीं करेंगी। इसी में संविधान और लोकतंत्र की प्रतिष्ठा और गरिमा निहित है, लेकिन संसद ने अपनी अपरिमित शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए सर्वोच्च अदालत के फैसलों को पलटा भी है। वैसे संविधान का अनुच्छेद 123 भारत सरकार और राष्ट्रपति को अध्यादेश जारी करने की शक्ति देता है, लेकिन 'असाधारण स्थितियों' की शर्त के साथ ही...। संसद का सत्र न चल रहा हो और राष्ट्रपति का विवेक महसूस करता है कि अमुक परिस्थितियों में संवैधानिक, विधायी कदम उठाना अनिवार्य है, तो अनुच्छेद 123 के तहत अध्यादेश जारी किया जा सकता है। दरअसल इस अनुच्छेद के पीछे 'अति आवश्यकता' की भावना रही है। पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने हाल ही में सर्वसम्मत फैसला सुनाया था कि दिल्ली में लोगों द्वारा चुनी हुई सरकार के नियंत्रण में ही प्रशासनिक तंत्र रहे। अधिकारियों की नियुक्ति और तबादले भी दिल्ली सरकार के नियंत्रण में हों, क्योंकि चुनी हुई सरकार ही जनता के प्रति जवाबदेह होती है। संविधान पीठ ने उपराज्यपाल के लिए कहा था कि वह दिल्ली कैबिनेट की सलाह पर ही काम करने को बाध्य हैं। फैसले में 'संघीय ढांचे' का बार-बार उल्लेख किया गया था। महत्त्वपूर्ण सवाल यह है कि आखिर वह 'असाधारण परिस्थिति' क्या थी, जिसके तहत अध्यादेश जारी करना पड़ा? अध्यादेश में स्पष्ट किया गया है कि यह व्यापक देशहित में है कि लोकतांत्रिक तरीके से निर्वाचित केंद्र सरकार के जरिए देश भर के लोगों की भूमिका राष्ट्रीय राजधानी के प्रशासन में भी हो। लोगों की लोकतांत्रिक इच्छा पूरी करने के मद्देनजर अध्यादेश लाया गया है। अध्यादेश के बाद तमाम कार्यकारी, प्रशासनिक अधिकार, उपराज्यपाल के जरिए, केंद्र सरकार के पास आ गए हैं। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने इसी मुद्दे पर देशव्यापी मिशन शुरू किया है। उनका अनुरोध है कि यदि अध्यादेश पर सभी विपक्षी दल लामबंद होते हैं और राज्यसभा में अध्यादेश पर पेश किए जाने वाले विधेयक को परास्त करने में हम सफल होते हैं, तो यह 2024 का सेमीफाइनल होगा। केजरीवाल ने नीतीश कुमार, ममता बनर्जी, उद्धव ठाकरे से मुलाकातें की हैं। मुंबई में वह 25 मई को शरद पवार से मिलेंगे। इस संदर्भ में सबसे महत्त्वपूर्ण पक्ष कांग्रेस है। यदि केजरीवाल के प्रति उसका समर्थन नहीं मिला, तो यह मिशन ध्वस्त हो जाएगा। राज्यसभा में भाजपा-एनडीए का अपना बहुमत तो नहीं है, लेकिन सर्वाधिक 110 सांसद जरूर हैं। बहुमत के लिए सिर्फ 10 और सांसदों की दरकार है, क्योंकि फिलहाल राज्यसभा में कुल 238 सांसद ही हैं। अध्यादेश पर आधारित बिल संसद के मॉनसून सत्र में पेश किया जाना है। दरअसल इस 'राजनीतिक मिशन' का उद्देश्य यह है कि कांग्रेस आम आदमी पार्टी (आप) के लिए समर्थन घोषित कर दे। यह इतना आसान नहीं है, क्योंकि दोनों दलों के संबंध बेहद कटु रहे हैं। दिल्ली की कांग्रेस ईकाई ने आलाकमान को पत्र लिखा है कि 'आप' को समर्थन न दिया जाए, क्योंकि खुद केजरीवाल ने दिवंगत प्रधानमंत्री राजीव गांधी के संदर्भ में कहा था कि उनका 'भारत-रत्न' सम्मान वापस ले लिया जाए। ऐसी स्थिति में कांग्रेस अभी आम आदमी पार्टी से दूर लगती है।

> पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने हाल ही में सर्वसम्मत फैसला सुनाया था कि दिल्ली में लोगों द्वारा चुनी हुई सरकार के नियंत्रण में ही प्रशासनिक तंत्र रहे। अधिकारियों की नियुक्ति और तबादले भी दिल्ली सरकार के नियंत्रण में हों, क्योंकि चुनी हुई सरकार ही जनता के प्रति जवाबदेह होती है। संविधान पीठ ने उपराज्यपाल के लिए कहा था कि वह दिल्ली कैबिनेट की सलाह पर ही काम करने को बाध्य हैं। फैसले में 'संघीय ढांचे' का बार-बार उल्लेख किया गया था। महत्त्वपूर्ण सवाल यह है कि आखिर वह 'असाधारण परिस्थिति' क्या थी, जिसके तहत अध्यादेश जारी करना पड़ा? अध्यादेश में स्पष्ट किया गया है कि यह व्यापक देशहित में है कि लोकतांत्रिक तरीके से निर्वाचित केंद्र सरकार के जरिए देश भर के लोगों की भूमिका राष्ट्रीय राजधानी के प्रशासन में भी हो। लोगों की लोकतांत्रिक इच्छा पूरी करने के मद्देनजर अध्यादेश लाया गया है। अध्यादेश के बाद तमाम कार्यकारी, प्रशासनिक अधिकार, उपराज्यपाल के जरिए, केंद्र सरकार के पास आ गए हैं।

कुछ अलग

सियासी पिछड़ेपन से रूबरू

प्रतीक ढूंढती सियासत के लिए कुछ चेहरे, कुछ मोहरे चाहिए। कुछ जाति, कुछ धर्म चाहिए। कुछ आरक्षण, कुछ आवरण चाहिए और यही है समाज को बिसात बनाकर चुनाव को परिस्थितियों की हरारत से बचाने का प्रयत्न। हिमाचल के बाद कर्नाटक की जीत ने कांग्रेस के नैन-नक्श बदल दिए हैं और इसी से शुरू होता है एक ऐसा सफर जो आगे चलकर हर तिलक को तौल कर चलेगा। चारों तरफ फिर सामाजिक न्याय की बस्तियों में नेताओं के पांवों के निशान घूमेंगे और चुना जाएगा कोई न कोई समीकरण। हिमाचल में सरकार के आने के बाद कांग्रेस ने शिमला नगर निगम क्या जीता चुनाव के चबूतरे ऊंचे हो गए। ये चबूतरे आगामी लोकसभा चुनाव के लिए छांव का काम करेंगे या इस पड़ाव के आगे फिर आंधियों का खतरा है। तब तक सुक्खू सरकार का प्रदर्शन, गारंटियों का मोहत्सव और क्षेत्रीय संतुलन का मंचन सामने आ चुका होगा। ऐसे में किसी भी सरकार के लिए पांच साल के सफर में हर कदम पर चुनाव की फांस है, तो पार्टी के लिए सत्ता की स्तुति में अपना मचान सजाना पड़ता है। बहरहाल इस समय मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का प्रशासनिक इतिहास राजधानी शिमला से निकलकर कांगड़ा में अपना दिल आजमाना चाह रहा है। सरकार अपने ही अंकगणित से बाहर निकलकर कांगड़ा को अपने तरीके से परिभाषित करती आई है। पहले मंत्रिमंडल के गठन और उसके बाद पर्यटन राजधानी के रूप में 'सैलानी संस्कृति' के पंखों पर सवार होकर सरकार ने अपने लिए विश्वास का मैदान चुना है। राजनीतिक तौर पर जब सरकार निचले क्षेत्रों में आती है तो संपर्क के क्षितिज व सत्ता के पैमाने भी लबालब होने के लिए अरदास करते हैं। ये तमाम परंपराएं छह बार के मुख्यमंत्री रहे वीरभद्र सिंह को डालनी पड़ीं, तो इन्हीं राहों पर प्रेम कुमार धूमल को उतरना पड़ा। जयराम ठाकुर कुछ कतराए, तो उनकी सरकार की प्राथमिकताएं भी निचले क्षेत्रों में अपनी रंगत नहीं दिखा पाईं। हिमाचल का सबसे बड़ा राजनीतिक पिछड़ापन कांगड़ा के वजूद में ही घर नहीं कर गया, बल्कि संसदीय क्षेत्र में चंबा का होना वहां भी उदासीनता को भर रहा है। हमारे पास चंडीगढ़ में रह रहे एक वरिष्ठ सेवानिवृत्त अधिकारी दिनेश डोगरा का पत्र आया है, जो कांगड़ा के पिछडऩे पर सरकार से अरदास कर रहे हैं। दिनेश डोगरा कुल्लू से चंडीगढ़ की यात्रा में आ रहे गुणवत्ता पूर्ण बदलाव की तारीफ करते हुए पूछते हैं कि इसी तरह कब चंडीगढ़ से धर्मशाला का सफर तीन घंटे का होगा। यह उन त्रासदियों का जिक्र है जो भौगोलिक अपेक्षाओं का सत्यनाश कर देता है। इसी प्रदेश में निजी विश्वविद्यालय खुलते-खुलते केवल सोलन जिला में संपत्तियां बनकर बिखर गए। आज तक की तमाम औद्योगिक क्रांतियां सोलन, सिरमौर और ऊना तक ही सिमट गईं और कांगड़ा का मैदानी इलाका चिट्टे की शरण में गुम होता गया। रेलवे विस्तार के सपने कांगड़ा से छिटक कर कहीं दूर चले गए। आखिर कांगड़ा पिछड़ा इसलिए क्योंकि नेता पिछड़ते गए या पीछे हटा दिए गए, कमोबेश हर सरकार में। दो बार शांता कुमार जरूर मुख्यमंत्री बने, अंततः वह भी पालमपुर नगर निगम के दायरे या प्रेस विज्ञप्तियों के किनारे तक ही सिमट गए। मुख्यमंत्री आगमन से पूर्व एक जयंती समारोह में स्वागत कक्ष अगर इंतजार करते रह गए, तो कलह के बादलों के नीचे गर्मी का सबूत ढूंढ रहा कांगड़ा पसीना-पसीना है। यही पसीना सरकार में मंत्रियों के पद ढूंढ रहा है, लेकिन न कांगड़ा का कद और न ही पद बाहर आ रहा है। बहरहाल पहली बार शीतकालीन प्रवास से कहीं अधिक गर्मी व ऊर्जा लेकर आया मुख्यमंत्री का यह लंबा दौरा अपने साथ कई संभावनाओं के अक्स लिए नब्ज टटोल रहा है। अगर सरकार को अपनी जीत का एहसास कांगड़ा को कराना है तो भी ग्यारह विधानसभा क्षेत्रों की उत्साहित जनता को मुख्यमंत्री के दीदार चाहिए और ये बार-बार चाहिए। कांगड़ा प्रवास या दौरा कहीं न कहीं ज्ञात या प्रत्याशित राजनीति से आगे निकलकर मुख्यमंत्री की ओर देख रहा है, ताकि पता चले कि कांगड़ा में सरकार का होना अब किस करवट बैठेगा।

हम हिंदुस्तानी लोग जिसे अवचेतन मन या सबकांशस माइंड कहते हैं, वह असल में हमारा अर्धचेतन मस्तिष्क है

मन की मंजिलें

पी. के. खुराना

> अचेतन मस्तिष्क हमारे कंप्यूटर की हार्ड डिस्क की तरह है जहां सभी जन्मों की याद छुपी है। एक स्पिरिचुअल हीलर के रूप में जब मैं अपने पास आए लोगों की काउंसिलिंग करता हूं तो मैं उनके लिए उनके अर्धचेतन मस्तिष्क और अचेतन मस्तिष्क के द्वार खोल देता हूं। वहां उनकी हर समस्या का समाधान मौजूद है। वे अपनी समस्या का समाधान खुद ही खोज लेते हैं और स्वस्थ हो जाते हैं। डीप रिलैक्सेशन और ब्रेन-वेव ऐक्टीवेशन विधियों के सामंजस्य से ऐसा संभव है।

मन क्या है? मन कुछ नहीं है और मन सब कुछ है। है न गड़बड़ घोटाला। दरअसल सचमुच गड़बड़ घोटाला ही है। जिसे हम मन कहते हैं वो दरअसल हमारा अर्धचेतन मस्तिष्क है, हमारा सबकांशस मांइड है। मोटी-मोटी बात करें तो हमारे दिमाग के तीन हिस्से हैं, चेतन मस्तिष्क, अर्धचेतन मस्तिष्क, यानी सबकांशस माइंड और अचेतन मस्तिष्क यानी अनकांशस मांइड, पर हिंदुस्तान में ज्यादातर लोग अर्धचेतन मस्तिष्क और अचेतन मस्तिष्क का फर्क नहीं जानते, और अर्धचेतन मस्तिष्क को भी अवचेतन मन के रूप में पहचानते हैं। यानी, हम हिंदुस्तानी लोग जिसे अवचेतन मन या सबकांशस माइंड कहते हैं, वह असल में हमारा अर्धचेतन मस्तिष्क है। हमारा दिमाग एक तीन मंजिले मकान के समान है जिसकी एक मंजिल तो जमीन पर है, दिखाई देती है और इसमें हवा और रोशनी का प्रवेश संभव है। सूर्य भगवान की किरणों से यह प्रकाशित होता है, वरुण देवता इस पर बारिश करते हैं और पवन देवता अपनी शीतल बयार से इसे तरोताजा बनाते हैं। यह हमारे दिमाग की वो मंजिल है जो जमीन की सतह पर है, और सबको दिखाई पड़ती है। इसे हम चेतन मस्तिष्क या कांशस माइंड कहते हैं। बाकी दो मंजिलें जमीन के नीचे हैं। जो जमीन के नीचे की पहली मंजिल, पहली बेसमेंट, पहला तहखाना है उसे विज्ञान अर्धचेतन मस्तिष्क या सबकांशस माइंड के नाम से पुकारता है, और जो इसके भी नीचे की मंजिल है, वह अचेतन मस्तिष्क या अनकांशस मांइड है। यह तीन मंजिला मकान हमारा दिमाग है, हमारा मस्तिष्क है, और ज्यादातर लोग अपना पूरा जीवन सिर्फ सबसे ऊपरी मंजिल, यानी कांशस माइंड तक ही सीमित रखते हैं, वे इससे आगे नहीं जाते। ऊपर की मंजिल, जमीन पर की मंजिल, बहुत छोटी है। नीचे की मंजिलें बहुत बड़ी हैं और जो सबसे नीचे की मंजिल है, वो सबसे बड़ी है, वही आधार है सबका। हमारे मनीषियों ने सत्य ही कहा है कि हमें अगर सत्य की खोज करनी है तो हमें नीचे की इन दो मंजिलों में जाना होगा। सत्य की यात्रा ऊध्र्वगामी नहीं है, ऊपर की ओर की यात्रा नहीं है, आकाश में उडऩे की यात्रा नहीं है, बल्कि गहरे नीचे उतरने की यात्रा है, अपने ही मन में गहरे उतरने की यात्रा है। अगर कभी हम किसी जंगल में जाएं तो हमारे चारों ओर वृक्ष ही वृक्ष होंगे। वृक्षों का एक हिस्सा तो वे पत्ते हैं जिन पर भगवान भास्कर की किरणें पहुंच सकती हैं, इन

पत्तों के नीचे उन वृक्षों की शाखाएं और तना हैं, जहां किरणें कहीं-कहीं इन पर भी पड़ती हैं। क्षों का तीसरा हिस्सा उनकी जड़ें हैं जो जमीन के भीतर छुपी हुई हैं। इन पर सूरज की रोशनी कभी नहीं पड़ती, लेकिन वृक्ष के प्राण अपनी जड़ों में हैं। जो वृक्ष को पूरा जानना चाहता हो उसे वृक्ष की जड़ों को जानना ही पड़ेगा। जो वृक्ष के पत्तों तक ही रह जाएगा वह वृक्ष को नहीं समझ पाएगा। इसी तरह हमारा चेतन मस्तिष्क, अर्धचेतन मस्तिष्क और अचेतन मस्तिष्क है। खुद को समझने के लिए हमें अर्धचेतन मस्तिष्क और अचेतन मस्तिष्क तक जाना होता है। नीचे की दोनों मंजिलों में जाए बिना, यानी अर्धचेतन और अचेतन में जाए बिना हमारी सत्य की खोज, खुद की खोज अधूरी रहेगी। चेतन मस्तिष्क में चेतना सर्वाधिक है। खुद चेतन मस्तिष्क भी दो भागों में बंटा हुआ है, जिनमें से पहला है तर्कशील मस्तिष्क, यानी लॉजिकल माइंड और दूसरा है रचनात्मक मस्तिष्क, यानी क्रिएटिव माइंड। तना का सर्वाधिक अंश यहां होने के बावजूद यह हमारे कुल मस्तिष्क का सबसे छोटा भाग है। इसके दोनों हिस्से मिलकर भी पूरे मस्तिष्क के 10 प्रतिशत के बराबर ही होते हैं। अगर हम सत्य की खोज करना चाहें, खुद को जानना-समझना चाहें, परमात्मा की खोज में आगे बढऩा चाहें तो हमें चेतन मस्तिष्क तक ही सीमित रहने के बजाय भीतर की यात्रा करनी होगी। जीवन की जड़ें अचेतन मस्तिष्क में हैं, ब्रह्मांड से और परमात्मा से संबंध वहीं से जुड़ सकता है, अन्यथा कोई और साधन नहीं है। हमारी पूजा, हमारी अर्चना, हमारे कर्मकांड सब जमीनी स्तर की बातें हैं। सत्य की जो खोज है, खुद की जो खोज है, या प्रभु की जो खोज है उसका संबंध अचेतन मस्तिष्क से है। चेतन मस्तिष्क का निर्माण हमारा समाज करता है, हमारा परिवार, हमारे शिक्षा संस्थान और हमारा समाज मिलकर हमें जो संस्कार देते हैं, वो हमारे चेतन मस्तिष्क में बस जाते हैं। अर्धचेतन मस्तिष्क और अचेतन मस्तिष्क इससे बिल्कुल अलग हैं। माज के विचार अलग हैं, अचेतन मस्तिष्क की जड़ें अलग हैं। अगर इन दोनों में सामंजस्य न हो तो आदमी खुद के भीतर ही विभाजित हो जाता है। यही कारण है कि अक्सर चेतन मस्तिष्क और अचेतन मस्तिष्क में रस्साकशी होती रहती है जो हमारे दुखों का कारण बन जाती है और हम खुशियों से महरूम हो जाते हैं। हमारे मस्तिष्क के इन तीन हिस्सों के बीच सामंजस्य होने का नाम ही योग है, यही साधना है। अगर तीनों मस्तिष्क के बीच में खाइयां बन गई हैं और ये एक-दूसरे के विरोधी हो गए हों तो दिन भर में हम जो देखते हैं या सोचते हैं, वह अलग है और रात में जब हम सो जाते हैं तो हमारे सपने दिन के विचारों से अलग होते हैं। दिन में हम काम करते हों, व्यापार करते हों तो भी हो सकता है कि रात में हम जो सपना देखें उसमें हम कुछ चोरी कर रहे हों। ऐसे में हम हैरान होते हैं कि मैंने तो कभी चोरी की नहीं, मैंने तो कभी चोरी करने की सोची ही नहीं, फिर यह सपना क्यों आया? उत्तर यही है कि तब हमारा अर्धचेतन मन ड्राइविंग सीट पर है, तब कमान उसके हाथ में है और अगर गहरे कोई वेदना छुपी है, कोई कमी है जो हमें खटक रही है तो वह सपने में उभर आएगी और हमें हैरान-परेशान करेगी। इस द्वंद्व से बचने का एक ही रास्ता है कि हम भीतर की यात्रा करें, अपनी असली अवेयरनेस, अपनी असली रोशनी से परिचित हों। अचेतन मस्तिष्क हमारे कंप्यूटर की हार्ड डिस्क की तरह है जहां सभी जन्मों की याद छुपी है। एक स्पिरिचुअल हीलर के रूप में जब मैं अपने पास आए लोगों की काउंसिलिंग करता हूं तो मैं उनके लिए उनके अर्धचेतन मस्तिष्क और अचेतन मस्तिष्क के द्वार खोल देता हूं। वहां उनकी हर समस्या का समाधान मौजूद है। वे अपनी समस्या का समाधान खुद ही खोज लेते हैं और स्वस्थ हो जाते हैं। डीप रिलैक्सेशन और ब्रेन-वेव ऐक्टीवेशन विधियों के सामंजस्य से ऐसा संभव है। यह एक पुरातन विद्या है, इसका प्रसार बहुत नहीं है, पर हो रहा है और जब इस विद्या का परिचय ज्यादा लोगों से हो जाएगा तो स्वास्थ्य की समस्याएं तो हल हो ही जाएंगी, बहुत से लड़ाई-झगड़े भी खत्म हो जाएंगे।

साइबर सुरक्षा और उपभोक्ता

> एम्स, नई दिल्ली ने पाया क उिकसी इन्टरनेट में सेंध लगा कर सेवाओं से समझौता कयिा गया और अनुचित नेटकर्व विभाजन के कारण एम्स के पांच सर्वर प्रभावित हुए। 2023 में प्राइस वाटर हाउस कूपर्स प्राइवेट लिमिटेड की महत्वपूर्ण रिपोर्ट में यह पाया गया क भिारत में आधे से अकिध धोखाधड़ी की घटनाएं 'प्लेटफॉर्म' धोखाधड़ी थीं, जो आर्थिक अपराध का एक नया रूप है, जिसमें सोशल मीडिया, ई-कॉमर्स, उद्यम और फिनटेक प्लेटफॉर्म से जुड़ी धोखाधड़ी गतिविधियां शामिल हैं। 11 मई को भारत की रिपोर्ट 'इंडिया डिजिटल वेलनेस रिपोर्ट' के अनुसार ऑनलाइन वित्तीय लेनदेन क रने वाले उपभोक्ताओं में से 68 फीसदी(10 में से 7) अपने निजी बैंक विवरणों को उन वेबसाइटों पर सहेजना चाहते हैं, जिन पर वे भरोसा करते हैं, जबक अिकिधांश 83 फीसदी उपभोक्ता वित्तीय धोखाधड़ी के तरीके से परिचित हैं।

पूरी दुनिया के साथ-साथ भारत भी ऑनलाइन बैंकिंग प्रणाली व ई-कॉमर्स की ओर बढ़ रहा है। इन सबके साथ साइबर हमले भी बढ़ रहे हैं। साइबर हमलों के खतरे को जानने के लिए कुछ आंकड़े बहुत प्रासंगिक हैं। हाल के समाचारपत्रों की रिपोर्ट और अन्य अध्ययन तथा सर्वेक्षण बताते हैं कि भारत में 2022 की पहली छमाही में फिरौती व ठगी की घटनाओं और बहुमत के हमलों में 51 फीसदी की वृद्धि हुई है। एम्स, नई दिल्ली ने पाया कि उसकी इन्टरनेट में सेंध लगा कर सेवाओं से समझौता किया गया और अनुचित नेटवर्क विभाजन के कारण एम्स के पांच सर्वर प्रभावित हुए। 2023 में प्राइस वाटर हाउस कूपर्स प्राइवेट लिमिटेड की महत्वपूर्ण रिपोर्ट में यह पाया गया कि भारत में आधे से अधिक धोखाधड़ी की घटनाएं 'प्लेटफॉर्म' धोखाधड़ी थीं, जो आर्थिक अपराध का एक नया रूप है, जिसमें सोशल मीडिया, ई-कॉमर्स, उद्यम और फिनटेक प्लेटफॉर्म से जुड़ी धोखाधड़ी गतिविधियां शामिल हैं। 11 मई को भारत की रिपोर्ट 'इंडिया डिजिटल वेलनेस रिपोर्ट' के अनुसार ऑनलाइन वित्तीय लेनदेन करने वाले उपभोक्ताओं में से 68 फीसदी (10 में से 7) अपने निजी बैंक विवरणों को उन वेबसाइटों पर सहेजना चाहते हैं, जिन पर वे भरोसा करते हैं, जबकि अधिकांश 83 फीसदी उपभोक्ता वित्तीय धोखाधड़ी के तरीके से परिचित हैं। डा. राजेश पंत भारत के राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा समन्वयक हैं। उनके अनुसार भारत में प्रतिदिन 3500 ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी के मामले देखे जाते हैं। एफबीआई के अनुसार अपनी इंटरनेट क्राइम रिपोर्ट 2021 में, भारत में अमेरिका, यूके और कनाडा के बाद चौथी सबसे बड़ी संख्या में साइबर अपराध की घटनाएं दर्ज की गई थी। हम सभी आजकल जालसाजों, धोखेबाजों यानी साइबर अपराधियों से बहुत अधिक खतरे में हैं। यह साइबर अपराधी लुटेरों का एक ऐसा गिरोह होता है जिसमें आईटी एक्सपर्ट, मिमिक्री करने में माहिर और चालाक पुरुष व महिला कोई भी हो सकता है, कई बार बच्चों को भी अपराध में यह शातिर इस्तेमाल कर लेते हैं। यह शातिर हैं व अक्सर उपभोक्ता की मजबूरी, नासमझी व भोलेपन का दुरुपयोग करते हुए ये लोग ई-कॉमर्स की जटिलताओं का गलत लाभ लेते हुए वारदात करते हैं। ई-कॉमर्स के अंतर्गत मुख्य रूप से बीमा, बैंकिंग, अस्पताल, परिवहन, पर्यटन, लॉजिंग और बोर्डिंग, खाद्य सेवाएं, आवास और निर्माण, बिजली, शिक्षा, एलपीजी/गैस सिलेंडर, मनोरंजन, दूरसंचार और इंटरनेट आदि सेवाएं आती हैं। इन्हीं सेवाओं में सबसे अधिक साइबर अपराधी आजकल भोले-भाले लोगों पर हमले करते हुए उनकी गाढ़ी कमाई पर सेंध लगा रहे हैं। भोले-भाले आम नागरिक, उद्योग, यहां तक कि बैंकर, प्रशासनिक अधिकारी, गृह निर्माता और राजनेता हर समय कहते हैं कि साइबर अपराध का खतरा आज के समय में है। हिमाचल प्रदेश में तो अभी हिमाचल पुलिस के रिटायर्ड डीजीपी भी इन जालसाजों के जाल में फंस गए थे। मुख्य साइबर अपराधी सिम अदला-बदली, सिम फिशिंग (ई-मेल के माध्यम से), विशिंग (वॉइस कॉल के माध्यम से), स्मिशिंग, मनी म्यूल और ट्रोजन आदि तरीके अपनाते हैं। इन जालसाजों की इस भाषा को आम जनता को समझना बहुत जरूरी है। सिम अदला-बदली में जालसाज फिशिंग, विशिंग, स्मिशिंग या किसी अन्य माध्यम से ग्राहक की निजी जानकारी जैसे आधार कार्ड, फोन नंबर आदि इक_I करते हैं। वे फिर मोबाइल ऑपरेटर से संपर्क करते हैं और बिना आपको बताए आपकी सिम ब्लॉक करवाते हैं और आपको मालूम ही नहीं चलता है। इसके बाद वे ग्राहक के रूप में फर्जी आईडी प्रूफ लेकर मोबाइल ऑपरेटर के रिटेल आउटलेट पर जाते हैं। मोबाइल ऑपरेटर असली सिम कार्ड को निष्क्रिय कर देता है और धोखेबाज को एक नया सिम प्राप्त हो जाता है। जालसाज तब चोरी की गई बैंकिंग जानकारी का उपयोग करके लेन-देन की सुविधा के लिए आवश्यक वन टाइम पासवर्ड (ओटीपी) उत्पन्न करता है। यह ओटीपी जालसाज द्वारा रखे गए नए सिम पर प्राप्त होता है। इस स्थिति से बचने के लिए हमें जो सावधानियां बरतनी चाहिएं, वे हैं : यदि आपके मोबाइल नम्बर ने सामान्य अवधि से अधिक समय से काम करना बंद कर दिया है, तो अपने मोबाइल ऑपरेटर से पूछताछ करें कि कहीं आप घोटाले के शिकार तो नहीं हो गए हैं। अपने बैंक खाते में गतिविधियों के बारे में सूचित रहने के लिए एसएमएस और ईमेल अलर्ट के लिए पंजीकरण करें। किसी भी अनियमितता के लिए नियमित रूप से अपने बैंक स्टेटमेंट और लेन-देन के इतिहास की जांच करें। दूसरा साइबर अपराध फिशिंग (ई-मेल के माध्यम से) में जालसाज बैंक अधिकारियों के रूप में अपने को पेश करते हैं और ग्राहकों को नकली ईमेल भेजते हैं, उनसे ईमेल में एक लिंक पर क्लिक करके अपनी खाता जानकारी को तत्काल सत्यापित करने या अपडेट करने के लिए कहते हैं। लिंक पर क्लिक करने से ग्राहक एक नकली वेबसाइट पर चला जाता है जो बैंक की आधिकारिक वेबसाइट की तरह दिखती है, जिसमें उसकी व्यक्तिगत जानकारी भरने के लिए एक वेब फॉर्म होता है। इस प्रकार प्राप्त जानकारी का उपयोग ग्राहक के खाते में धोखाधड़ी वाले लेन-देन करने के लिए किया जाता है। साइबर सुरक्षा बनाम उपभोक्ता सुरक्षा के कुछ महत्वपूर्ण सुझाव हैं कि किसी भी ऑॅर्डर जैसे टिकट बुकिंग या रद्दीकरण आदि के लिए केवल पंजीकृत/अधिकृत वेब पोर्टल या मोबाइल ऐप का उपयोग करें। केवल प्ले स्टोर के मोबाइल ऐप से खरीददारी करने की सलाह दी जाती है। जालसाजों द्वारा भेजे गए किसी भी अनधिकृत या संदिग्ध लिंक को न खोलें। किसी भी ऐसे लिंक पर व्यक्तिगत विवरण और बैंक खाता विवरण पोस्ट न करें जो आपको अधिकृत या विश्वसनीय नहीं दिखता है। ऐनी डेस्क, क्विक सपोर्ट, टीम व्यूअर (अक्सर उपभोक्ता उत्पादों, वस्तुओं और सेवाओं के लिए रिमोट कनेक्टिविटी सॉफ्टवेयर उपयोग किए जाते हैं), ऐसे ऐप डाउनलोड या उपयोग कभी न करें। किसी भी ऐसे व्यक्ति के साथ पिन और ओटीपी साझा न करें जिस पर आप भरोसा नहीं करते हैं या ऐसी परिस्थितियों में भरोसा नहीं किया जा सकता है। हमेशा अवांछित कॉलर्स, ई-मेल्स, एसएमएस को संदेह की दृष्टि से देखें।

नागरिक बोध

जो बचा, अब उसे तो संभालो

ये कैसे नरभक्षी दिन हमारे सिर पर महीनों झूलते रहे। तूफान ऐसा बहा कि उसने साबुत इमारतें तो क्या, खंडहर तक नष्ट कर दिए और अब मसीहा फरमाते हैं, 'लो परमात्मा का शुक्र अदा करो, कि वह मौत की अंधेरी गुजर गई। अब अगर कुछ बच गया है तो उसकी सार-सम्भाल कर लो।' जी हां, जो बच गया, अब उसकी ओर देखते हैं। महीनों पूरी बंदी घोषित हुए बिना शहर-शहर की दुकानें ग्राहकों की वीरानगी झेलती रहीं। औद्योगिक विकास को दोबारा जिन्दा कर देने के नारे तो लगते रहे, लेकिन मांग से निपूती आधी ताकत पर काम करते कल कारखानों को हम अब शुभ सूचना दे रहे हैं कि 'लो महामारी की इस उठान की जवानी बीत गई। लगातार बूढ़े होते उसके मारक आंकड़े अब कांखते कराहते विदा ले रहे हैं।' अब दिलासा भरे आंकड़ों का युग आ गया, जो आपकी पीठ थपथपाने लगे। लो, लगता है बुरे दिन बीत गए। देखते ही देखते देश के अन्दर से बाहर से ला टीकों का ढेर लगा दिया। इनकी आपूर्ति करोड़ों में बढ़ा रहे हैं। प्राण जाये पर प्रण न जाये वाली सरकार यह कहती है कि इस साल के अंत तक इतनी भारी तादाद में टीके हर शहर के मैदान में आ जायें कि रास्ता रोक-रोक कर टीके आपका पीछा करेंगे कि भाई जान अब टीका लगाए बिना न जा पाओगे। राहत के दिन शुरू हो गए। वे दिन गये जब सरकार ने चार सौ का टीका निजी अस्पतालों को 1060 रुपये में बेचा था और अपने आप पर मुनाफाखोरी का इल्ज़ाम झेल लिया था, लेकिन हमने भी साहिब ज्यों ही विरोधियों को इस मसले की प्रत्यंचा खींचते देखा, यह खरीद-बेच का ढंग ही बंद कर दिया। अस्पतालों को बेचे टीके वापस ले लिए। देखा हमारी सरकार कितनी संवेदनशील है, ज्यों ही खबर मिली त्यों ही यह बिक्री बंद कर दी। वैसे सरकारी मुनाफाखोरी का आरोप हमें तो लगता है चुनाव सियासत के अन्तर्गत लगा है, तभी तो देखो शिकायतकर्ताओं ने तत्काल हमारा इस्तीफा भी मांग लिया। क्या यह कुर्सी की छीनझपट का गंदला खेल है? चुनावी वर्ष में तो चलता ही चलता है। लेकिन हमारी तत्परता देखिए, तुरंत इसकी खरीद-बेच बंद कर दी। अब सोच रहे हैं कौन सी माकूल नीति अपनायें कि टीका नीति के मनसबदार भूखे न मरें, चाहे वे कोरोना निरोधी टीके लगाने वाले हों या महामारी से मरीज़ की जान बचाने वाले प्रभावी टीके बेचने वाले हों। कितना शोर था कि रोगियों के लिए आक्सीजन सिलेंडर और वैंटीलेटरों की जम कर ब्लैक हो रही है, हमने इसके विरोध में चेतावनियों के बोर्ड और कालाबाजारों पर छापा मार कर उडऩ दस्ते तैयार कर दिये, लेकिन रब्ब बड़ा कारसाज़ है। लो देखो अब महामारी की दूसरी लहर की गिरावट अपने आप होने लगी। कमर चाहे उसकी महामारी के कारण टूटी, लेकिन दुआ अपने प्रशासन को दीजिए कि उसके महामारी से जूझ लेने के इरादों से घबरा संक्रमण अपने आप कम होने लगा। मरने वालों की संख्या कम हो गई तो हमने घोषणा की लीजिये मौत के हरकारों को सबक मिला।

देश दुनीया से

वित्तीय समावेशन से भारत में गरीब वर्ग का हो रहा कायाकल्प

15 अगस्त 2014 को लाल किले की प्राचीर से भारत के प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी ने 'प्रधानमंत्री जनधन योजना' की घोषणा की थी और बिना समय गवाएं 28 अगस्त 2014 से यह योजना पूरे देश में प्रारम्भ कर दी गई थी। केंद्र सरकार द्वारा लिए गए इस निर्णय ने देश में अर्थव्यवस्था के क्षेत्र की दशा एवं दिशा बदल दी थी। इस योजना का दूसरा संस्करण अधिक लाभों को जोड़ते हुए वर्ष 2018 में प्रारम्भ किया गया था। इस दूसरे संस्करण में प्रत्येक परिवार के स्थान पर प्रत्येक उस व्यक्ति को बैंकिंग सेवाओं से जोड़ने की घोषणा की गई थी जो बैंकिंग सुविधाओं से वंचित थे। इस पहल का नतीजा आज हम सभी के सामने है कि देश आर्थिक विकास के रास्ते पर इतना आगे बढ़ चुका है कि पूरी दुनिया भारत को वैश्विक आर्थिक मोर्चे पर एक चमकता हुआ सितारा मान रही है। किसी भी देश का आर्थिक विकास उस देश के नागरिकों के वित्तीय सेवाओं से जुड़े होने पर भी निर्भर करता है। जितनी अधिक जनसंख्या वित्तीय सेवाओं से जुड़ी होगी, उस देश की आर्थिक स्थिति उतनी ही मजबूत होगी। लेकिन, आजादी के बाद से भारत में आबादी का एक बहुत बड़ा भाग और समाज का निम्न आय वर्ग बड़ी संख्या में वित्तीय सेवाओं से वंचित रहा है। जबकि गरीबी को कम करने में वित्तीय समावेशन एक प्रमुख प्रवर्तक माना जाता है। वर्ष 2014 में देश के करोड़ों नागरिकों के पास मोबाइल फोन तो था परंतु उनका बैंक में बचत खाता नहीं था। नागरिक बैंक में जाने से डरते थे। नागरिकों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए एक ऐसी योजना की आवश्यकता थी जिससे सभी नागरिक इससे होने वाले लाभ अर्जित कर सकें एवं भारत के विकास में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकें। अतः नागरिकों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री जनधन योजना की शुरुआत की गई थी। इससे हाल के दिनों में सामान्य रूप से भारतीय अर्थव्यवस्था में एवं विशेष रूप से बैंकिंग सेवाओं में बहुत ही तेज गति से प्रगति हुई है। प्रधानमंत्री जनधन योजना के माध्यम से आम नागरिकों के बैंकों में बचत खाते खोले गए, आवश्यकता आधारित ऋण की उपलब्धता सुनिश्चित की गई, धन के प्रेषण की सुविधा, बीमा तथा पेंशन सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। इस योजना के अंतर्गत जमाराशि पर ब्याज मिलता है, हालांकि बचत खाते में कोई न्यूनतम राशि रखना आवश्यक नहीं है। एक लाख रुपए तक का दुर्घटना बीमा भी मिलता है। साथ ही, इस योजना के माध्यम से दो लाख रुपए का जीवन बीमा उस लाभार्थी को उसकी मृत्यु पर सामान्य शर्तों पर मिलता है। सरकारी योजनाओं के माध्यम से दिए जाने वाले लाभ के अंतरण की सुविधा भी इस योजना के अंतर्गत प्राप्त होती है। भारत में प्रधानमंत्री जनधन योजना ने देश के हर गरीब नागरिक को वित्तीय मुख्य धारा से जोड़ा है। समाज के अंतिम छोर पर बैठे गरीबतम व्यक्तियों को भी इस योजना का लाभ मिला है। आजादी के लगभग 70 वर्षों के बाद भी भारत के 50 प्रतिशत नागरिक अर्थव्यवस्था की रीढ़ अर्थात बैंकों से नहीं जुड़े थे। इस योजना के अंतर्गत 31 मार्च 2023 तक 48.65 करोड़ बचत खाते विभिन्न बैंकों में खोले जा चुके हैं। साथ ही, इन खाताधारकों द्वारा 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि इन जमा खातों में जमा की गई है। प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत खाताधारकों को प्रदान की जाने वाली अन्य सुविधाओं का लाभ भी भारी मात्रा में नागरिकों ने उठाया है। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना से 15.99 करोड़ नागरिक जुड़ गए हैं, इनमें 49 प्रतिशत महिलाएं शामिल हैं, इस योजना के अंतर्गत 2 लाख रुपए का जीवन बीमा केवल 436 रुपए के वार्षिक प्रीमीयम पर उपलब्ध कराया जाता है। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना से 33.78 करोड़ नागरिक जुड़ गए हैं, इनमें 48 प्रतिशत महिला लाभार्थी हैं, इस योजना के अंतर्गत 2 लाख रुपए का दुर्घटना बीमा केवल 20 रुपए के वार्षिक प्रीमीयम पर उपलब्ध कराया जाता है। अटल पेंशन योजना से 5.20 करोड़ नागरिक जुड़ गए हैं।

> प्रधानमंत्री जनधन योजना के माध्यम से आम नागकिरों के बैंकों में बचत खाते खोले गए, आवश्कयता आधारित ऋ ण की उपलब्धता सुनिश्चित की गई, धन व प्रेषण की सुविधा, बीमा तथा पेंशन सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। इस योजना के अंतर्गत जमाराशि पर ब्याज मिलता है, हालांक बिचत खाते में कोई न्यूनतम राशि रखना आवश्कय नहीं है। एक लाख रुपए कत का दुर्घटना बीमा भी मिलता है। साथ ही, इस योजना के माध्यम से दो लाख रुपए का जीवन बीमा उस लाभार्थी को उकसी मृत्यु पर सामान्य शर्तों पर मिलता है। सकरारी योजनाओं के माध्यम से दिए जाने वाले लाभ के अंतरण की सुविधा भी इस योजना के अंतर्गत प्राप्त होती है।

अमेरिकी संसद में हिंसा फैलाने पर 4.5 साल की जेल: नैंसी पेलोसी की डेस्क पर पैर रखकर बैठा था दोषी, अब बोला–मुझसे गलती हुई

वॉशिंगटन।
अमेरिका में कैपिटल हिल यानी संसद में हिंसा के दौरान पूर्व हाउस स्पीकर नैन्सी पेलोसी के ऑफिस में डेस्क पर पैर रखकर बैठने वाले आरोपी को साढ़े 4 साल जेल की सजा सुनाई गई है। अर्कान्सास के रहने वाले 63 साल का रिटायर्ड फायरफाइटर रिचर्ड बिगो बार्नेट 6 जनवरी 2021 को हुई कैपिटल हिंसा में शामिल था। तब वो हाथ में एक स्टन गन और 4.5 किलो का स्टील का डंडा लेकर पेलोसी के ऑफिस में दाखिल हुआ था। पेलोसी की डेस्क पर पैर रखे हुए बार्नेट की तस्वीर तेजी से वायरल हुई थी। इसके अलावा उसने एक ऑफिशियल लेटर पर पेलोसी के लिए नोट भी लिखा था। इस मामले में उस पर 8 चार्ज लगाए गए थे। इनमें गुंडागर्दी और सरकारी काम में बाधा डालने जैसे आरोप शामिल थे। इस साल जनवरी में बार्नेट को सभी आरोपों में दोषी पाया गया था। कोर्ट में कार्यवाही के दौरान उसने कहा कि वो अपनी गलती मानता है लेकिन ये उसने जानबूझकर नहीं किया था।

बार्नेट ने कहा- मैं शांतिपूर्ण प्रदर्शन के लिए आया था - ट्रायल के दौरान बार्नेट ने दावा किया कि वो अर्कान्सास से शांतिपूर्ण प्रदर्शन के लिए पहली बार वॉशिंगटन आया था। जब हिंसा चल रही थी तब उसे टॉयलेट जाना था। इसी वजह से वो गलती से पेलोसी के ऑफिस में दाखिल हो गया। उस वक्त वहां 2 फोटोग्राफर्स मौजूद था। उन्होंने बार्नेट को वहां आराम से रहने को कहा। ये सुनकर वो कुर्सी पर बैठ गया और पैर टेबल पर रख दिया। उसे नहीं अंदाजा था कि इतना बड़ा जुर्म होगा।

हिंसा के वक्त बार्नेट ने कहा था- हमने संसद वापस ले ली - प्रॉसिक्यूटर्स ने बताया कि कैपिटल बिल्डिंग से बाहर आकर बार्नेट ने भीड़ को संबोधित भी किया था। उसने कहा था- आज हमने अपनी संसद वापस ले ली और मैंने नैन्सी पेलोसी का ऑफिस वापस ले लिया। प्रॉसिक्यूटर्स ने जजों से बार्नेट को 7 साल की सजा देने की मांग की थी हालांकि, बार्नेट ने कहा था कि उसका मकसद डराना या किसी को नुकसान पहुंचाना नहीं था। इस पर डिफेंस के वकील ने सजा को 6 महीने से कम रखने की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि बार्नेट सिर्फ शांतिपूर्ण प्रदर्शन के लिए आया था और न चाहते हुए हिंसा में फंस गया। अमेरिका में 6 जनवरी 2021 को कैपिटल हिल यानी अमेरिकी संसद में ट्रम्प के समर्थकों ने हिंसा की थी। 3 नवंबर 2020 को राष्ट्रपति चुनाव के लिए वोटिंग में बाइडेन को 306 और ट्रम्प को 232 इलेक्टोरल वोट मिले। नतीजे सामने आते ही ट्रम्प और उनके समर्थकों ने चुनाव में धांधली के आरोप लगाए। वोटिंग के 64 दिन बाद जब अमेरिकी संसद बाइडेन की जीत पर मुहर लगाने में जुटी तो ट्रम्प के समर्थक संसद में घुस गए। वहां तोड़फोड़ और हिंसा की। इसमें एक पुलिस अफसर समेत 5 लोगों की मौत हो गई थी। हिंसा के बाद ट्रम्प पर अपने समर्थकों को भड़काने का आरोप लगा था। 3. 18 महीने तक मामले की जांच चली। पिछले साल दिसंबर में जांच कमेटी ने एक 845 पेज की रिपोर्ट तैयार की। इसमें ट्रम्प को दोषी ठहराया गया। उनके खिलाफ क्रिमिनल केस चलाने की सिफारिश की गई।

न्यूज ब्रीफ

ईरान ने बनाई 2,000 केएम रेंज की बैलिस्टिक मिसाइलः अमेरिका-इजराइल के बेस तक पहुंचने में सक्षम, फारस की खाड़ी में युद्धपोतों पर तैनात

तेहरान। ईरान ने 2 हजार किलोमीटर की रेंज वाली बैलिस्टिक मिसाइल की सफल टेस्टिंग की है। ईरान का दावा है कि ये मिसाइल मिडिल ईस्ट में मौजूद अमेरिका और इजराइल के बेस तक पहुंचने में सक्षम है। अमेरिका और यूरोप की तरफ से लगातार विरोध के बाद भी ईरान ने कहा है कि वो अपने मिसाइल प्रोग्राम को विकसित करता रहेगा। ईरान के रक्षा मंत्री मोहम्मदरेजा अश्तियानी ने कहा– ये हमारे दुश्मनों के लिए संदेश है कि हम हर हाल में अपनी रक्षा करेंगे। वहीं हम अपने दोस्तों को बताना चाहते हैं कि क्षेत्र में शांति के लिए हम हरसंभव कोशिश कर रहे हैं। ईरान की स्टेट न्यूज एजेंसी ने बताया कि खैबर नाम की ये मिसाइल 1500 किलोग्राम तक का वॉरहेड ले जाने में सक्षम है। इस मिसाइल को फारस की खाड़ी में गश्त करने वाले युद्धपोतों और पनडुब्बियों पर तैनात किया गया है। नौसेना का कहना है कि खाड़ी में दुश्मन के जहाजों की गतिविधियों पर ईरान की आर्म्ड फोर्स लगातार नजर बनाए हुए है। यह बैलिस्टिक मिसाइल अमेरिका के टॉमहॉक से भी ज्यादा दूरी तक मार करने में सक्षम है। कुछ दिन पहले ही एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि ईरान अपनी न्यूक्लियर फैसिलिटी को इजराइल और अमेरिका के हमले से बचाने की पूरी कोशिश कर रहा है। वो अब पहाड़ी इलाके में जमीन के नीचे परमाणु हथियार बना रहा है। इसकी सैटेलाइट तस्वीरें भी सामने आई थीं। इसमें ईरान के वर्कर्स जागरोस के पहाड़ों में टनल खोदते दिखाई दे रहे थे। ये जगह ईरान की न्यूक्लियर साइट नातांज के बिल्कुल करीब है, जो लगातार पश्चिमी देशों के हमले का शिकार होते आ रही है।

खुलासाः ताइवान को बचाने के लिए जिस एयरबेस पर निर्भर अमेरिका, चीन ने उसी के कंप्यूटर सिस्टम्स को बनाया निशाना

वॉशिंगटन । अमेरिका के लिए रूस के बाद अब चीन के हैकर बड़ी समस्या बन गए हैं। हाल ही में एक रिपोर्ट से खुलासा हुआ है कि जिस दौरान अमेरिका ने चीन के जासूसी गुब्बारों को मार गिराया और उनके डेटा की जांच शुरू की, ठीक उसी दौरान अमेरिकी खुफिया एजेंसी एफबीआई और टेक कंपनी माइक्रोसॉफ्ट को चीन के हैकरों की ओर से अमेरिका के कई राज्यों में हैकिंग की कोशिशों की खबर मिली थी। चिंता की बात यह थी कि जिस कंप्यूटर कोड को हैकरों ने अमेरिकी सिस्टम्स में डालना शुरू किया, वह गुआम के टेलीकम्युनिकेशन सिस्टम में भी पाया गया। यह बात डराने वाली इसलिए भी है, क्योंकि गुआम अमेरिका के सबसे बड़े एयरबेसों में शामिल है, जिसके नियंत्रण में प्रशांत महासागर में सबसे अहम बंदरगाह आते हैं। माइक्रोसॉफ्ट के मुताबिक, इस कोड को अमेरिकी सिस्टम्स में चीन की सरकार से जुड़े एक हैकिंग समूह ने डाला था। उसकी इस कोशिश की जानकारी मिलने के बाद अमेरिकी सुरक्षा विभाग में हलचल मच गई। दरअसल, अफसरों का कहना है कि यह एयरबेस अमेरिका और एशिया के बीच सुरक्षा के लिहाज से पुल का काम करता है। यानी ताइवान पर अगर चीन की ओर से कोई हमला किया जाता है, तो गुआम एयरबेस अमेरिकी सैन्य प्रतिक्रिया का सबसे अहम केंद्र होगा।

सिडनी की एक इमारत में लगी भीषण आग, खाली कराई गईं आसपास की बिल्डिंग्स, यातायात रोका

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में एक इमारत में भीषण आग लगने की खबर है। आग इतनी भीषण है कि उससे सात मंजिला इमारत के ढहने का खतरा पैदा हो गया है। साथ ही आग आसपास की इमारतों में भी फैलने की आशंका है। हालात की गंभीरता को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने आसपास की इमारतों को खाली करा लिया है और सड़कों पर यातायात भी रोक दिया गया है। बड़ी संख्या में फायर फाइटर और दमकल विभाग की गाड़ियां आग बुझाने में जुटे हैं। गनीमत है कि हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। घटना सिडनी के रैंडल स्ट्रीट, सरे हिल्स इलाके की है। जिस इमारत में आग लगी है, वह सिडनी के सेंट्रल स्टेशन के नजदीक है। आग के चलते इमारत के जलते हुए हिस्से सड़क पर गिर रहे हैं। इसके चलते रैंडल स्ट्रीट पर वाहनों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। जिस इमारत में आग लगी है, उसके आसपास कई रिहायशी इमारते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अन्य इमारतों में भी आग फैलने की आशंका है। 100 से ज्यादा फायर फाइटर और 20 दमकल की गाड़ियां मौके पर मौजूद हैं। इमारत से गिर रहे मलबे से सड़क पर खड़ा एक वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गया है। एहतियातन मूरे पार्क और सर्कुलर कुए के बीच चलने वाली रेल सेवाएं भी बंद कर दी गई हैं। साथ ही बसों के रूट को भी बदला गया है। आसपास की इमारतों को खाली करा लिया गया है।

इमरान के सबसे करीबी ने पार्टी छोड़ी

फवाद चौधरी बोले– मैं खान के रास्ते पर नहीं चल सकता, फौज पर हमले बर्दाश्त नहीं

इस्लामाबाद।
पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के दाएं हाथ कहे जाने वाले पूर्व कैबिनेट मिनिस्टर फवाद चौधरी ने खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ छोड़ दी है। चौधरी ने सोशल मीडिया पर इसका ऐलान किया। इसके कुछ देर बाद खान के एक और करीबी असद उमर ने पार्टी महासचिव पद इस्तीफा दे दिया। हालांकि, तकनीकि तौर पर पार्टी नहीं छोड़ी। बड़े नेताओं ने पार्टी छोड़ दी थी। इमरान की करीबी सहयोगी और पूर्व कैबिनेट मिनिस्टर शिरीन मजारी ने पार्टी छोड़ने का ऐलान किया। कुछ ही देर बाद अमीर कारोबारी खान के फाइनेंसर फैयाज-उल-चौहान ने भी खान का साथ छोड़ दिया।

इमरान को 9 मई को करप्शन केस में गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद पीटीआई वर्कर्स ने जिन्ना हाउस और आर्मी हेडक्वॉर्टर समेत कई फौजी ठिकानों पर हमले किए थे। इन मामलों में एक हजार से ज्यादा आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। फवाद ने पहले भी इन हमलों को गलत बताया था।

फवाद ने क्या कहा

सोशल मीडिया पर पीटीआई के इस पूर्व नेता ने कहा– मैं इमरान खान से अलग रास्ता अख्तियार कर रहा हूं। पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा देता हूं। इसके बाद एक टीवी चैनल से बातचीत में फवाद ने कहा– 9 मई को जो कुछ हुआ, उसकी मैं पहले ही निंदा कर चुका हूं। ये भी कुछ लोगों को पसंद नहीं आया था। अब सबसे बेहतर यही है कि मैं इस पार्टी को ही छोड़ दूं। कुछ वक्त पॉलिटिक्स से दूर रहूंगा।

फवाद पार्टी के चीफ स्पोक्सपर्सन यानी मुख्य प्रवक्ता भी थे। उनका साथ छोड़ना इमरान को सियासी लिहाज से नहीं, बल्कि कानूनी तौर पर भी भारी पड़ सकता है। वो इमरान के सबसे बड़े राजदार माने जाते हैं। माना जा रहा है कि वो नवाज शरीफ की पार्टी जॉइन कर सकते हैं।

17 मई को ही फवाद ने कहा था– कौन क्या कहता है, इससे मेरा कोई सरोकार नहीं। ध्यान रखिए, अगर हमारी फौज है तो पाकिस्तान है। अगर हम फौज पर ही घर में हमले करेंगे तो क्या होगा इसके बाद माना जा रहा था कि फवाद बहुत ज्यादा समय तक इमरान के साथ नहीं रहेंगे।

फवाद के पहले 16 बड़े नेता इमरान की पार्टी छोड़ चुके हैं। इनमें शिरीन मजारी, आमिर मेहमूद कियानी, मलिक अमीन असलम, मेहमूद मौलवी, आफताब सिद्दीकी, फैयाज-उल-हसन चौहान और आमिर मीर शामिल हैं।

फैयाज बोले- हमले इमरान ने कराए

मीडिया से बातचीत में फैयाज-उल-हसन चौहान ने कहा– 9 मई को फौज के ठिकानों पर हमले हुए। पूरे मुल्क को हिंसा की आग में झोंक दिया गया। इसके लिए इमरान ने ही समर्थकों को ट्रेनिंग दी थी।

चौहान ने कहा– पिछले साल मई में मैंने खान को एक वीडियो मैसेज किया था। यह मैसेज अब तक कुछ पाकिस्तानी पत्रकारों के पास मौजूद है। तब मैंने खान को सलाह दी थी कि वो सियासत में हिंसा लेकर न आएं। अगर ऐसा हुआ तो एक दिन फंस जाएंगे। खान को मेरी सलाह पसंद नहीं आई। आज हालात सबके सामने हैं।

चौहान ने आगे कहा– हमारे फौज से कुछ मामलों पर मतभेद हो सकते हैं। इसका मतलब ये नहीं है कि हम फौज के ठिकानों पर ही हमला कर दें। जिन लोगों ने 9 मई को जिन्ना हाउस और आर्मी हेडक्वॉर्टर पर हमले किए, उन्हें इमरान ने ही ट्रेनिंग दी थी।

पार्टी पर बैन का खतरा

9 मई के बाद सियासी हलकों में आशंका जताई जा रही है कि इमरान और पीटीआई वर्कर्स का जो रवैया है, उसे देखते हुए इस पार्टी को बैन कर देना चाहिए। फौज के ठिकानों पर हमलों के बाद आर्मी चीफ ने साफ कहा था- इस हरकत के लिए जो भी जिम्मेदार हैं, चाहे वो कोई भी हों या कितने भी ताकतवर हों, उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा और उनके केस भी फौजी अदालतों में चलेंगे।

इसके बाद, बुधवार को सरकार की तरफ से डिफेंस मिनिस्टर ख्वाजा आसिफ सामने आए। कहा- हम पीटीआई को बतौर पॉलिटिकल पार्टी बैन करने पर विचार कर रहे हैं। पीटीआई वर्कर्स और इमरान ने जो किया है, वो पाकिस्तान के इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ।

आसिफ ने कहा– तमाम लीगल ऑप्शंस देखे जा रहे हैं। कसूरवारों को ऐसी सजा मिलेगी, जो मिसाल बने। प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ और आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर पहले ही यह बात साफ-साफ कह चुके हैं।

इमरान समर्थक न्यूज एंकर की गुमशुदगी का मामला उलझा

पुलिस के बाद आईएसआई ने कहा- रियाज हमारी कस्टडी में नहीं, एक और जर्नलिस्ट अगवा

इस्लामाबाद।
पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के कट्टर समर्थक न्यूज एंकर इमरान रियाज खान की गुमशुदगी का मामला और उलझ गया है। लाहौर हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान पंजाब पुलिस के आईजी ने कहा- वो आईएसआई और मिलिट्री इंटेलिजेंस की कस्टडी में भी नहीं है। रियाज की फैमिली का आरोप है कि 9 मई को हुई हिंसा के बाद 11 मई को रियाज को सियालकोट एयरपोर्ट से उठाया गया था। इसके बाद से उनका कोई पता नहीं है। पुलिस पहले ही कह चुकी है कि रियाज मुल्क के किसी भी थाने में नहीं है। इस बीच, इमरान खान के एक और समर्थक न्यूज एंकर समी इब्राहिम को भी अगवा कर लिया गया है। समी की फैमिली ने इस बारे में एफआईआर दर्ज करा दी है।

रियाज को कैसे खोजेंगे - गुरुवार को सुनवाई के दौरान लाहौर हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस आमिर भट्टी ने पुलिस से पूछा- आपने रियाज की लोकेशन के बारे में पता लगा लिया या नहीं। इस पर पुलिस ने कहा- हमने आपको पिछली सुनवाई में ही बता दिया था कि रियाज मुल्क के किसी भी थाने में मौजूद नहीं है। पुलिस ने आगे कहा- हमने इस बारे में आईएसआई और मिलिट्री इंटेलिजेंस से भी जानकारी मांगी थी। उन्होंने बता दिया है कि रियाज उनकी कस्टडी में भी नहीं है। अब वो कहां है, इस बारे में हमारे पास जानकारी नहीं है। इस पर चीफ जस्टिस ने कहा- अदालत की यह संवैधानिक जिम्मेदारी है कि वो हर नागरिक के बुनियादी अधिकारों की हिफाजत करे। रियाज के पिता भी अदालत में मौजूद थे। उन्होंने चीफ जस्टिस से कहा- मेरे बेटे को सच बोलने की सजा दी जा रही है। जस्टिस भट्टी ने रियाज के पिता की तरफ से पेश हुए वकील से कहा- आपके पास रियाज की गुमशुदगी से जुड़ी जो भी जानकारी और सबूत हैं, वो आज ही पुलिस के पास जमा कीजिए। हम फिर इस मामले की सुनवाई करेंगे। ये तय करना हमारी और आपकी जिम्मेदारी है कि रियाज को कैसे खोजा जाए। रियाज ने 9 मई को इमरान की गिरफ्तारी के बाद एक वीडियो जारी किया था। इसमें फौज पर तल्ख कमेंट्स किए थे। इसके बाद 11 मई को उन्हें सियालकोट के एयरपोर्ट से पुलिस ने उठाया था।

अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता ने कहा- पीएम मोदी के साथ बैठक में यूक्रेन युद्ध पर होगी चर्चा

वाशिंगटन।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22 जून को पहली बार राजकीय यात्रा पर अमेरिका जाएंगे। उनकी इस यात्रा को लेकर अमेरिका काफी उत्साहित है। अमेरिका में 22 जून को पीएम मोदी के लिए एक राजकीय रात्रिभोज भी रखा गया है। अमेरिका ने कहा है कि भारत के साथ उसकी साझेदारी उसके सबसे महत्वपूर्ण संबंधों में से एक है और देश महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं पर भारत के साथ मिलकर काम करता है।

वहीं, बुधवार को एक प्रेस वार्ता के दौरान अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर एक सवाल के जवाब में कहा कि पीएम मोदी की राजकीय यात्रा के दौरान निश्चित रूप से यूक्रेन युद्ध उन विषयों में से एक होगा जिन पर बैठक में चर्चा होने वाली है।

उन्होंने कहा कि पहले भी यह उन विषयों में से एक रहा है जिन पर प्रधानमंत्री मोदी के साथ पिछली बैठकों में चर्चा हुई थी। उन्होंने कहा कि इस समय या पिछले एक साल के दौरान हमारी किसी विश्व नेता के साथ हुई किसी भी तरह की बातचीत में यूक्रेन युद्ध चर्चा का विषय रहा है।

मैथ्यू मिलर ने आगे कहा कि भारत के साथ हमारी साझेदारी हमारे सबसे अधिक परिणामी संबंधों में से एक है... हमारी कांसुलर टीमें भारत में अधिक से अधिक वीजा आवेदनों को प्रोत्साहित करने के लिए बड़े पैमाने पर प्रयास कर रही हैं। वीजा श्रेणियों में वे आवेदन भी शामिल हैं जो द्विपक्षीय संबंधों के लिए महत्वपूर्ण हैं। यह हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

भारत के साथ हमारी साझेदारी हमारे सबसे महत्वपूर्ण संबंधों में से एकः मैथ्यू मिलर - प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि भारत के साथ हमारी साझेदारी हमारे सबसे महत्वपूर्ण संबंधों में से एक है। हम अपनी सबसे महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं पर भारत के साथ मिलकर काम करते हैं, और हम उम्मीद करते हैं कि राजदूत गार्सेटी हमारे देशों के बीच संबंधों को गहरा करने और साझा चिंता के इन मामलों पर काम करने में सक्षम होंगे।

अमेरिका में दिवाली पर मिलेगी सरकारी छुट्टी! न्यूयॉर्क विधानसभा में कानून बनाने की तैयारी

न्यूयॉर्क ।
अमेरिका में भारतीय मूल के लोगों के बढ़ते प्रभाव का ही असर है कि अब वहां दिवाली पर सरकारी छुट्टी देने की तैयारी चल रही है। बता दें कि यह पहल हुई है न्यूयॉर्क में, जहां इसे लेकर न्यूयॉर्क की विधानसभा में प्रस्ताव पेश किया गया है, जिसके पास होने के बाद दिवाली पर छुट्टी मिलने का रास्ता साफ हो जाएगा। दिवाली के साथ ही इस प्रस्ताव में न्यूयॉर्क में लूनर न्यू ईयर पर भी सरकारी छुट्टी देने का प्रावधान किया गया है।

मौजूदा विधानसभा सत्र में ही मिल सकती है मंजूरी - न्यूयॉर्क असेंबली के स्पीकर कार्ल हेस्टी ने एक बयान जारी कर इसकी पुष्टि की और कहा कि न्यूयॉर्क के समृद्ध और विविधता भरी संस्कृति को पहचान देने के लिए ऐसा किया जा रहा है।

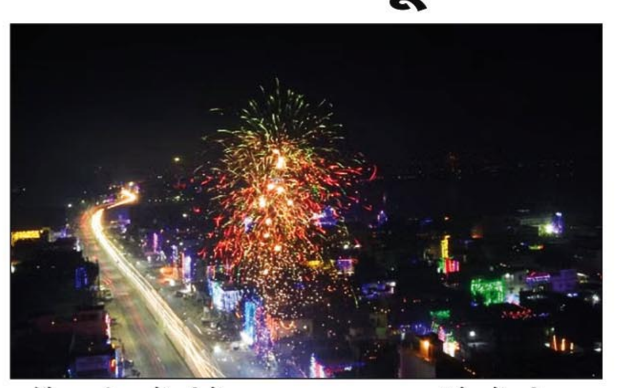

उन्होंने कहा कि असेंबली में लूनर न्यू ईयर और दिवाली पर छुट्टी देने के लिए असेंबली के सत्र के खत्म होने से पहले इस प्रस्ताव को मंजूरी मिल सकती है। इस फैसले का स्कूलों के कैलेंडर पर क्या फर्क पड़ेगा, इसे लेकर विचार विमर्श किया जा रहा है।

भारतीय समुदाय को मिलेगा फायदा - न्यूयॉर्क असेंबली का सत्र 8 जून तक चलेगा। माना जा रहा है कि सत्र की समाप्ति तक प्रस्ताव को मंजूरी मिल सकती है। इस प्रस्ताव को दिवाली डे एक्ट नाम दिया गया है, जिसके तहत न्यूयॉर्क में दिवाली की छुट्टी 12वीं सरकारी छुट्टी घोषित हो जाएगी। इससे अमेरिका में रहने वाले भारतीय मूल के समुदाय को काफी फायदा होगा और वह अपने परिवार और दोस्तों के साथ अच्छे से दिवाली के त्योहार को सेलिब्रेट कर पाएंगे।

स्कूलों में भी छुट्टी कराने की तैयारी - न्यूयॉर्क असेंबली की सदस्य जेनिफर राजकुमार और सीनेटर जोए अद्दाबो ने मांग की है कि दिवाली पर न्यूयॉर्क सिटी के स्कूलों में भी छुट्टी की जाए। न्यूयॉर्क स्टेट काउंसिल के सदस्य शेखर कृष्णन और काउंसिल वुमन लिंडा ली ने भी इस प्रस्ताव का समर्थन किया है। बता दें कि लंबे समय से दिवाली पर सरकारी छुट्टी देने की मांग की जा रही थी, जो अब जल्द ही पूरी होने जा रही है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका के पेंसिल्वेनिया प्रांत में पहले से ही अमेरिका पर छुट्टी देने का कानून बना हुआ है।

नेतन्याहू और सऊदी प्रिंस की 2 बार बातचीत

अमेरिका ने इजराइल पर दबाव डाला, बहरीन सरकार ने मध्यस्थता की

तेल अवीव/रियाद।
इजराइल और सऊदी अरब के बीच अमेरिका दोस्ती कराने की कोशिश कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पिछले हफ्ते दो बार सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से बातचीत की। यह बातचीत इजराइल में रहने वाले अरब मूल के लोगों को डायरेक्ट फ्लाइट से हज यात्रा पर भेजने के बारे में हुई। उस वक्त बहरीन में थे। बहरीन के फॉरेन मिनिस्टर अब्दुल्लाहलतीफ बन राशिद अल जयानी ने इस बातचीत में मीडिएटर का रोल प्ले किया। पिछले दिनों इजराइल के विदेश मंत्री ने कहा था- बहुत मुमकिन है कि 6 महीने में इजराइल और सऊदी अरब के डिप्लोमैटिक रिलेशन बहाल हो जाएं।

अलग-अलग दावे - नेतन्याहू और एमबीएस की बातचीत पर अलग-अलग दावे किए जा रहे हैं। नेतन्याहू ने एमबीएस के सामने दोनों देशों के बीच नॉर्मल रिलेशन शुरू करने पर जोर दिया। इसको एमबीएस ने नकार दिया। उन्होंने नेतन्याहू से मुलाकात का प्रपोजल भी नहीं माना। रिपोर्ट में कहा गया है कि नेतन्याहू और एमबीएस की बातचीत में यह फैसला जरूर हो गया कि इजराइल में रहने वाले अरब मूल के लोगों को तेल अवीव से जेद्दाह के लिए डायरेक्ट फ्लाइट मुहैया कराई जाए। यह फ्लाइट सिर्फ हज यात्रियों के लिए होगी। इसी रिपोर्ट में कहा गया है कि इजराइल को पूरी उम्मीद है कि सऊदी अरब सरकार डायरेक्ट फ्लाइट की मंजूरी देगी और इसके बाद नॉर्मल रिलेशन की तरफ एक कदम और बढ़ाया जाएगा। एमबीएस चाहते हैं कि इजराइल के कब्जे वाले इलाके में मौजूद अल अक्सा मस्जिद का सिक्योरिटी कंट्रोल फिलिस्तीन की सिक्योरिटी फोर्सेज के हवाले किया जाए। इजराइल सिर्फ पश्चिमी हिस्सा संभाले। इस पर भी सहमति नहीं बन सकी है।

पर्दे के पीछे अमेरिका एक्टिव - पिछले हफ्ते इजराइल के विदेश मंत्री एली कोहेन ने मीडिया से बातचीत में कहा था- हमारे और सऊदी अरब के हित एक जैसे हैं। उम्मीद है, नॉर्मल रिलेशन भी शुरू होंगे। हालांकि मैं ये नहीं कह सकता कि ये काम कब और कैसे होगा।

कोहेन ने माना था कि व्हाइट हाउस के मिडिल ईस्ट मामलों के कोऑर्डिनेटर एमोस होचेस्टन ने

इसी महीने की शुरुआत में एमबीएस से मुलाकात की थी। इस दौरान इजराइल और सऊदी अरब के बीच नॉर्मल रिलेशन शुरू करने पर लंबी बातचीत हुई थी। इसके बाद इजराइली फॉरेन मिनिस्टर का एक और बयान आया। उन्होंने इशारों में उम्मीद जताई कि इजराइल और सऊदी अरब के बीच 6 महीने या एक साल में डिप्लोमैटिक रिलेशन शुरू हो सकते हैं। कहा जा रहा है कि सऊदी अरब चाहता है कि इजराइल सरकार फिलिस्तीन के मामलों पर नर्म रवैया अपनाए। अमेरिका भी इजराइल पर सऊदी से बातचीत का दबाव बना रहा है। हालांकि इजराइल की कट्टरपंथी सरकार फिलिस्तीन को क्या और कितनी रियायत देगी, यह साफ नहीं है।

हज यात्रा से सुधरेंगे रिश्ते - इजराइल को पूरी उम्मीद है कि तेल अवीव से जेद्दाह या मक्का तक डायरेक्ट फ्लाइट की मंजूरी मिल जाएगी। इन फ्लाइट्स में सिर्फ इजराइली मुस्लिम जाएंगे। पिछले साल 2700 इजराइली मुस्लिम हज यात्रा पर गए थे। इस साल यह आंकड़ा 4500 हो सकता है। अब तक सभी इजराइली मुस्लिम किसी तीसरे देश के जरिए हज यात्रा पर जाते हैं। ज्यादातर इजराइली मुस्लिम जॉर्डन के रास्ते मक्का जाते हैं। पिछले साल कतर ने फुटबॉल वर्ल्ड कप के लिए इजराइल से डायरेक्ट फ्लाइट्स की मंजूरी दी थी। बहरीन पहले ही इजराइल के साथ डिप्लोमैटिक रिलेशन शुरू कर चुके हैं।

सभी मुस्लिम देश देंगे मान्यता - पिछले साल इ में सऊदी अरब के परमानेंट रिप्रेजेंटेटिव अब्दुल्ला अल मोआलिमिनी ने कहा था- सऊदी अरब ने अपना स्टैंड नहीं बदला है। अगर इजराइल हमारी मांगों को पूरा कर देता है तो सिर्फ सऊदी अरब ही क्यों, सभी 57 मुस्लिम देश उसे मान्यता देने तैयार हैं। वक्त सही या गलत का फैसला नहीं करता। फिलिस्तीन की जमीन पर इजराइली कब्जा पहले भी गलत था और आज भी गलत है। अब्दुल्ला कुछ भी कहें, लेकिन ये तय है कि सऊदी अरब और इजराइल के बीच बैकडोर डिप्लोमैसी चलती रही है। इजराइली मीडिया में कई रिपोर्ट्स भी आईं। माना जाता है कि इजराइल और अमेरिकी नेताओं के सीक्रेट रियाद दौरे होते रहे हैं। सभी का मकसद एक ही था कि रियाद और तेल अवीव के बीच डिप्लोमैटिक रिलेशन शुरू कराए जाएं। ये इसलिए भी अहम है क्योंकि सूडान, मोरक्को और बहरीन इजराइल को मान्यता दे चुके हैं। कुवैत और जॉर्डन ये पहले ही कर चुके थे। पिछले साल तब के इजराइली प्रधानमंत्री नफ्टाली बेनेट ने का दौरा किया था। अबुधाबी जाने वाले वो पहले इजराइली प्रधानमंत्री थे।

राजस्थान में भ्रष्ट हुई सरकार, आलमारियों से निकल रहे सोने के बिस्किट : शेखावत

बाड़मेर/जोधपुर (हिंस)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि राजस्थान में भय और अराजकता का शासन हो गया है। अपराधी बेलगाम होकर पुलिस अधिकारियों को ही धमकाने लगे हैं। उन्होंने कहा कि गहलोत सरकार पूरी तरह भ्रष्टाचार में डूबी हुई है। अब तो सरकारी दफ्तरों की आलमारियों से सोने के बिस्कुट निकलने लगे हैं। मंगलवार को जन आक्रोश महाघेराव में केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि एक तरफ केंद्र में मोदी सरकार है, जो कहा वो तो कर दिखाया ही, जो नहीं कहा वो भी कर दिखाया। दूसरी तरफ राजस्थान में कांग्रेस सरकार है, जिसने भय, भूख और अराजकता का माहौल तैयार किया। आज हालात इस कदर बिगड़ गए कि बजरी माफिया पुलिस के अधिकारियों को भी धमकाने लगे हैं। राजस्थान में पुलिस का इकबाल समाप्त हो गया। प्रशासन का भय समाप्त हो गया। यह अराजक प्रदेश बन गया। राजस्थान देश की रेप केपिटल हो गई। प्रदेश की छवि खराब हो गई। शेखावत ने कहा कि कांग्रेस में नेताओं की आपसी लड़ाई के चलते भ्रष्टाचार बढ़ गया। अब तक तो अफसरों और कर्मचारियों के घरों से ही पैसे बरामद होते थे। अब तो सरकारी आलमारियों से पैसे और सोने के बिस्कुट निकल रहे हैं। इसकी जांच होनी चाहिए। इसका जवाब राजस्थान की जनता अशोक गहलोत सरकार से मांगती है। यह अराजकता का शासन है। शेखावत ने आरोप लगाया कि इनकी सरकार जब से होटलों में बंद रही, तब से स्वच्छंदता का वातावरण बन गया। इनके प्रतिनिधि स्वच्छंद हो गए। भ्रष्टाचार बढ़ गया। शेखावत ने कहा कि गहलोत सरकार ने राजस्थान के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया। बेरोजगारी भत्ता देने का वादा किया। वह नहीं दिया। प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर 18 बार लीक हुए। मुख्यमंत्री गहलोत कहते थे, न कोई अधिकारी इसमें शामिल है और न ही कोई नेता है। अब

अधिकारी तो आ ही गए। और जांच हुई तो कांग्रेस के कई सफेदपोश नेता भी चपेट में आ जाएंगे। इन सब को सजा दिलाने की जिम्मेदारी भाजपा कार्यकर्ता की है। कार्यकर्ताओं को जनता के बीच इस सरकार की जनविरोधी नीतियों का प्रचार करना होगा। उन्होंने कहा कि राहत शिविर के नाम पर लोगों को लाइन में खड़ा कर आहत किया जा रहा है। इनकी राहत देने की नीयत नहीं है, अन्यथा जब एक अप्रैल को बजट पास हुआ था, उसी दिन कंप्यूटर में बटन जारी कर ये बदलाव कर सकते थे। बिजली और गैस के नाम पर सरकार पिछले दरवाजे से टैक्स ले रही है और जनता को फ्री के नाम पर गुमराह कर रही है। शेखावत ने पार्टी कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे इन राहत शिविरों की हकीकत जनता तक पहुंचाएं। कार्यक्रम को प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी और बाड़मेर सांसद व केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी ने संबोधित करते हुए राजस्थान सरकार की विफलताओं को उजागर कर जमकर खिंचाई की। इससे पहले, शेखावत दिल्ली से रेल मार्ग द्वारा जोधपुर पहुंचे। वे पूर्व संसदीय सचिव भैराराम सियोल के निवास मांडियाई जाकर उनकी माताजी के निधन पर आयोजित शोक सभा में शामिल हुए। केंद्रीय मंत्री शेखावत पूर्व संसदीय सचिव भैराराम सियोल व परिवार के अन्य सदस्यों से मिले और शोक संवेदना जताई।

बिजली कर्मचारियों की मांगों की अनदेखी सरकार को पड़ेगी भारी : अशोक सैनी

हिसार (हिंस)। सर्व कर्मचारी संघ से संबंधित ऑल हरियाणा पावर कार्पोरेशन वर्कर्ज यूनियन के आह्वान पर बिजली कर्मचारियों की 30 सूत्रीय मांगों के समाधान के लिए चल रहे आंदोलन की कड़ी में गुरुवार को यूनिट नंबर-1 हिसार की सिटी सब डिवीजन, सिविल लाइन सब डिवीजन, टीएस सब डिवीजन, एस्टेट ऑफिस, एमएंडपी सब डिवीजन का संयुक्त धरना लगाया गया। धरनों की अध्यक्षता क्रमशः सुरेन्द्र फौजी, राजबीर जांगड़ा व विनोद सैनी ने की तथा संचालन क्रमशः त्रिलोक शर्मा, जय कुमार व राजेश चौहान ने किया। धरनों को संबोधित करते हुए राज्य उप प्रधान जगमिन्द्र पूनिया, सर्कल सचिव दिलबाग जांगड़ा, यूनिट प्रधान सुरेश रोहिल्ला, वरिष्ठ उप प्रधान रमेश मोर, वित्त सचिव संदीप सिवाच ने बताया कि बिजली निगमों में कार्यरत कर्मचारियों के द्वारा अपनी मांगों एवं समस्याओं को लेकर निगम प्रशासन को बार बार अवगत करवाने के बावजूद प्रशासन उन्हे हल करने में पहलकदमी

न करके कर्मचारियों को आंदोलन करने पर विवश कर रहा हैं। कर्मचारियों की बहुत सी मांग व समस्याऐं लंबित होने से कर्मचारियों को काम करने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा हैं। यूनिट सचिव अशोक सैनी ने बताया कि यूनियन द्वारा 8 जून को कार्यकारी अभियंता कार्यालय के समक्ष धरना दिया जाएगा। इससे पहले 28 मई को सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा की जींद में होने वाली चेतावनी रैली में बिजली कर्मचारी बढ़चढ़ कर भाग लेगें। उन्होंने कहा कि सरकार को कर्मचारियों की मांगों की अनदेखी करना भारी पड़ सकता है। इसलिए सरकार को कर्मचारियों की मांगों का तुरंत समाधान करना चाहिए। धरनों पर आए बिजली कर्मचारियों को सुभाष लाम्बा, कृष्ण सैनी, प्रमोद कुमार, अनिल बागड़ी, विजेन्द्र पूनियां, रमेश झोरड, रविन्द्र बिश्नोई, अनिल शर्मा, हितेन्द्र सिहाग, सतीश कुमार, अनिल वर्मा, परमजीत सैनी, मुकेश बिश्नोई, रमेश बूरा व जोगेंद्र पूनियां आदि ने भी संबोधित किया।

राजस्थान में मतदाता सूची का होगा विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण

जयपुर (हिंस)। प्रदेश में इस वर्ष अंत में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भारत निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के निर्देश दिए हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि मतदाता सूची में नाम, जोड़ने, हटाने या संशोधन करने संबंधी कार्यों के लिए क्षेत्र के बीएलओ 25 मई से एवं 23 जून तक घर-घर सर्वे करेंगे और सभी पात्र व्यक्तियों का नाम मतदाता सूची में जोड़ा जाना सुनिश्चित करेंगे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि अंतिम मतदाता सूची 4 अक्तूबर 2023 को प्रकाशित की जाएगी। इससे पूर्व 24 जून से 24 जुलाई तक एक महीने में मतदान केंद्रों का सुव्यवस्थीकरण, मतदाता सूची एवं वोटर आईडी से विसंगतियों को हटाना, वोटर आईडी में धुंधली या खराब क्वालिटी की फोटो की बजाय अच्छी क्वालिटी की फोटो लगाना, मतदान केंद्रों के पुनर्गठन के पश्चात नए मतदान केंद्रों की स्वीकृति जैसे महत्वपूर्ण कार्य किए जाएंगे। पूरक एवं एकीकृत प्रारूप मतदाता सूची की तैयारी 25 जुलाई से 31 जुलाई तक की जाएगी। गुप्ता ने बताया कि प्रारूप मतदाता सूची 2 अगस्त 2023 को प्रकाशित की जाएगी। दावे एवं आपत्तियां 2 अगस्त से 31 अगस्त तक प्राप्त की जाएंगी। मतदान केंद्रों पर 12 एवं 13 अगस्त तथा 26 एवं 27 अगस्त को विशेष अभियान चलाया जाएगा। प्राप्त दावे एवं आपत्तियों का निस्तारण 22 सितंबर 2023 तक किया जाएगा। इसी क्रम में गुप्ता ने बताया कि 29 सितंबर तक हेल्थ पैरामीटरों की जांच एवं मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन के लिए आयोग की अनुमति लेकर डेटाबेस को अद्यतन करना एवं पूरक मतदाता सूची का मुद्रण किया जाएगा।

धर्मांतरण राष्ट्रीय समस्या, सर्वसमाज को एक होकर लड़ना होगा : भगवान सहाय

उदयपुर (हिंस)। जनजाति सुरक्षा मंच राजस्थान के बैनर तले 18 जून को उदयपुर में होने वाली डीलिस्टिंग-हुंकार महारैली की तैयारी के लिए पूरे राजस्थान में जागरूकता कार्यक्रमों का दौर जारी है। विशेष रूप से जनजाति बहुल क्षेत्रों में जनजाति सुरक्षा मंच सहित विभिन्न सहयोगी संगठनों की ओर से रैलियां, नुक्कड़ सभाएं, बैठकों का दौर नियमित चल रहा है। इसी क्रम में उदयपुर जिले के जनजाति बहुल कोटड़ा क्षेत्र में आयोजित सभा में मुख्य वक्ता भगवान सहाय ने डीलिस्टिंग की जरूरत बताते हुए कहा कि जनजाति समाज के ऐसे लोग जिन्होंने अपनी सनातन संस्कृति, पूजा पद्धति, रीति रिवाज और पूर्वजों की विरासत को छोड़ दिया है, उन्हें जनजाति का आरक्षण नही मिले इसे लेकर उदयपुर में 18 जून 2023 को हुंकार रैली का आयोजन हो रहा है। सहाय ने बताया कि लोकसभा में ऐसा कानून बने जिससे हमारा धर्म और समाज बचा रहे इसलिए कानून में संशोधन करने की जरूरत है। धर्मांतरित हो चुके व्यक्ति अगर फिर से मूल धर्म में वापस लौट कर आता है तो उन्हें उनका हक जरूर मिले, लेकिन कोई व्यक्ति वापस लौटकर नही आता है तो उन्हें जनजाति की सूची से डिलिस्टिंग किया जाए। पूरे देश भर में धर्मांतरित हो चुके लोगों को डिलिस्टिंग करने के अभियान को लेकर राष्ट्रपति के नाम अब तक 28 लाख जनजाति बंधुओं ने हस्ताक्षर किए हैं और ज्ञापन दे चुके है। संगोष्ठी में वक्ताओं ने बताया कि 5 प्रतिशत धर्मांतरित सदस्य कैसे अपात्र होकर भी 95 प्रतिशत जनजाति समाज की 70 प्रतिशत से अधिक नौकरियां, छात्रवृत्ति और विकास अनुदान हड़प रहे हैं। संगोष्ठी में डिलिस्टिंग कानून बनने तक सामाजिक जागरूकता और संघर्ष का संकल्प जारी रखने का आह्वान किया। जनजाति सुरक्षा मंच तब तक तक संघर्ष करेगा, जब तक धर्मांतरित व्यक्ति को जनजाति की पात्रता और परिभाषा से बाहर नहीं निकाला जाता। कार्यकर्ताओं ने कहा कि उदयपुर में 18 जून को आयोजित होने जा रही हुंकार डिलिस्टिंग रैली के दौरान कोटड़ा क्षेत्र से दस हजार से अधिक महिला एवं पुरुष परंपरागत

वेषभूषा, संस्कृति और लोक वाद्य यंत्रों के साथ शामिल रहेंगे। इससे पूर्व, उदयपुर जिले के सलूंबर में जनजाति सुरक्षा मंच के राष्ट्रीय संगठन मंत्री सूर्य नारायण सूरी ने कहा कि देश में 12 प्रतिशत जनजाति समाज व उसकी 700 जातियां आज अपने अस्तित्व व अस्मिता की लड़ाई लड़ रही है, क्योंकि मूल जनजाति आज संविधान के लाभ से अगर वंचित है तो उसका कारण धर्मांतरण व्यक्ति हैं, इसीलिए संविधान के अनुच्छेद 342 में संशोधन होना जरूरी है। सूरी ने कहा कि भारत का संविधान न्याय और कल्याण के लिए कई प्रावधान करता है। इस क्रम में संविधान अनुच्छेद 341 में अनुसूचित जातियों के लिए प्रावधान है कि धर्म परिवर्तन के पश्चात आरक्षण के लाभ से वंचित हो जाएंगे, परंतु संविधान में चूक के कारण जनजातियों के लिए अनुच्छेद 342 में अनुसूचित जनजातियों के लिए नहीं किया गया। मूल रूप से यह भारी विसंगति है एवं संविधान के न्याय कार्य उद्देश्य के विपरीत होकर मूलत संस्कृति वाली बहुसंख्यक जनजाति के लिए उचित नहीं है। इस संबंध में 1968 में डॉक्टर कार्तिक उरांव पूर्व सांसद ने 348 सांसद गण के समर्थन के साथ संसदीय कानून द्वारा संशोधन का प्रावधान भी रखा था जो 1970 से लोकसभा में पास होने हेतु अटका हुआ है। उसी के तहत जनजाति समाज के हित की आवाज उठाने जनजाति सुरक्षा मंच 2006 से लगातार इसे लागू करवाने प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि जनजाति समाज की पहचान उनकी संस्कृति, पहनावा, खानपान, गौत्र, कुलदेवता, रीती रिवाज हैं, इसीलिए ईसाई या मुस्लिम कभी आदिवासी नहीं हो सकते और आदिवासी ईसाई या मुस्लिम नहीं हो सकते। दोनों में धार्मिक असमानता है। यह दोनों धर्म एकेश्वरवाद से चलते हैं, जबकि आदिवासी मूर्ति उपासक होते हुए प्रकृति पूजक हैं। आदिवासी को सविधान प्रदत्त सुविधाएं संस्कृति व प्रकृति की रक्षा के लिए मिली हैं, ऐसे में मूल आदिवासी को इसका लाभ मिलना चाहिए। धर्मान्तरित आदिवासी को आदिवासी सूची से बाहर निकालना जनजाति सुरक्षा मंच का उद्देश्य है और इसी के लिए आवाज उठा रहा है।

दामाद को चोर समझ कर गांव वालों ने हाथ-पैर बांधकर बाल काटे

जोधपुर (हिंस)। निकटवर्ती झंवर के जोलियाली गांव में एक युवक के हाथ पैर बांध कर उसके बाल काटे जाने का मामला सामने आया है। युवक के साथ मारपीट, बाल काटने और हाथपैर बांधने का वीडियो आज सोशल मीडिया पर वायरल होने पर पुलिस हरकत में आई जांच में जुटी। आरंभिक जांच में पता लगा कि पीड़ित युवक गांव का दामाद था और मंगलवार की रात को वह ससुराल चला गया था। उसकी शादी 7-8 महिने पहले ही हुई थी। वह पत्नी से मिलने गया या नहीं इसका फिलहाल खुलासा नहीं हुआ है। मगर गांव वालों ने उसे चोर समझ लिया था। पता लगने के बावजूद उसके बाल काट दिए गए। आरोपियों में एक सरपंच पुत्र भी शामिल है। पीड़ित ने अब पुलिस में इसकी रिपोर्ट दी है। झंवर थानाधिकारी परमेश्वरी ने बताया कि खुडाला झंवर निवासी संदीप पुत्र भैराराम विश्नोई की शादी 7-8 महिने पहले ही जोलियाली गांव की एक लकड़ी से हुई थी। मगर उसका गौना होना बाकी था। संदीप विश्नोई मंगलवार की रात को अपने ससुराल जोलियाली चला गया। वह पत्नी से मिलने गया या नहीं इसका अभी पता नहीं लगा है। मगर गांव वालों ने रात में उसके आने पर चोर समझ लिया। जिसे बाद में पकड़ कर बिठा लिया।

अभिभावकों की मांग, जबरन समर कैंप न लगाएं निजी स्कूल

यमुनानगर (हिंस)। अभिभावक सेवा मंच के पदाधिकारी गुरुवार को अभिभावकों की चिंताओं को लेकर जिला शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन देने पहुंचे। अभिभावकों का कहना है कि गर्मी की छुट्टियों के दौरान लगभग सभी निजी स्कूलों द्वारा समर कैम्प के नाम पर भारी भरकम फीस मध्यम वर्गीय परिवार से लेकर शोषण किया जा रहा है। जिसे सहन नही किया जा सकता है। संदीप गांधी और विपिन गुप्ता ने कहा कि हालांकि कुछ स्कूलों में समर कैंप ऐच्छिक है। परंतु यह अमीर वर्ग और मध्यम वर्गीय परिवारों के बच्चों में खाई पाटने और भेदभाव बढ़ाने का कार्य करता है। अमीर बच्चों की देखा देखी छोटे-छोटे बच्चे अपने माता-पिता के आगे जिद करते हैं। उन्होंने कहा कि मध्यम वर्गीय

परिवार पहले ही अच्छी शिक्षा दिलाने के लिए बमुश्किल स्कूलों की मोटी फीस दे रहें हैं। जोकि पहले ही हजारों रुपए है। उपर से समर कैंप की 1500 रुपए से 4500 रुपए है। जो मध्यम वर्ग के अभिभावकों के बस की बात नहीं है। संदीप गांधी व महेन्द्र मित्तल ने सयुंक्त रूप से गर्मी की छुट्टियों के दौरान स्कूल बस प्रयोग में नहीं आती और उसमें पैट्रोल अथवा डीजल नहीं लगता। इसलिए बस फीस भी जबरन न वसूली न जाए। इस पर जिला शिक्षा अधिकारी व उप जिला शिक्षा अधिकारी ने कहा कि सरकारी स्कूलों में समर कैंप की अतिरिक्त फीस बिल्कुल भी नहीं ली जाती। उन्होंने कहा कि अभिभावकों को यदि किसी भी निजी स्कूल ने अगर जबरन समर कैंप में हिस्सा लेने के लिए मजबूर किया है तो निस्संकोच अभिभावक हमें लिखित रूप में शिकायत दें। हम निजी स्कूलों से जवाब भी मांगेंगे और सख्त से सख्त कार्रवाई भी करेंगे।

पंजाब के सीएम भगवंत मान को जेड प्लस सुरक्षा

चंडीगढ़। देश और विदेश से संभावित खतरों के मद्देनजर केंद्र ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को *जेड प्लस* श्रेणी की सशस्त्र सुरक्षा प्रदान की है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। 49 वर्षीय मान की सुरक्षा केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के वीआईपी सुरक्षा दस्ते द्वारा की जाएगी। मान को यह सुरक्षा उनकी सुरक्षा का विश्लेषण लेने के बाद की गई है। सूत्रों ने बताया कि मान को पूरे भारत में शीर्ष श्रेणी का *जेड प्लस* कवर मुहैया कराया जाएगा और गृह मंत्रालय ने हाल ही में इसके लिए मंजूरी दे दी है। सीआरपीएफ जल्द ही यह काम संभालेगी और इसके लिए 55 सशस्त्र जवानों की एक टीम लगाई गई है।

डॉक्टरों के ट्रांसफर के विरोध में ईएसआईसी के छात्रों ने किया प्रदर्शन

फरीदाबाद (हिंस)। ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में डॉक्टर व एकेडमिक स्टाफ के ट्रांसफर को लेकर गुरुवार विद्यार्थियों ने काली पट्टी बांध प्रदर्शन किया। ईएसआईसी प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उन्होंने कहा कि फैकल्टी के ट्रांसफर होने से उनकी पढ़ाई बाधित होगी। मरीजों की परेशानी बढ़ जाएगी। इसलिए आदेश को तुरंत प्रभाव से रद्द किया जाए। एनआईटी तीन स्थित ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल से साढ़े छह लाख ईएसआई कार्ड धारक जुड़े हैं। फरीदाबाद समेत गुरुग्राम, होडल, पलवल, हथीन, सोनीपत, पानीपत, रेवाड़ी और देश के अनेक राज्यों से करीब 4500 मरीज रोजाना इलाज के लिए पहुंचते है। कॉलेज में मेडिकल की 100 सीटें हैं। कॉलेज में कुछ विद्यार्थी द्वितीय, तृतीय वर्ष की पढ़ाई कर रहे हैं। वहीं कई विद्यार्थियों का इस साल अंतिम सत्र चल रहा है। कॉलेज में विद्यार्थियों को पढ़ाने के लिए 20 वरिष्ठ डॉक्टरों का फैकल्टी स्टाफ है। ये विद्यार्थियों को

पढ़ाने के साथ अपने अपने विभागाध्यक्ष है। मरीजों को भी देखते है। गंभीर मरीजों के इलाज के संबंध में शुरुआत से उन्हें पूरी जानकारी दी है। ट्रांसफर होने से नए डॉक्टर आएंगे और शुरुआत से मरीजों का फिर इलाज शुरू करेंगे। इससे मरीजों की परेशानी बढ़ सकती है। वहीं कई विद्यार्थी एमडी (डॉक्टर ऑफ मेडिसिन) और एमएस (मास्टर ऑफ सर्जरी) कर रहे हैं। ये प्रोफेसर विद्यार्थियों के गाइडर (सलाहकार) भी है। एकेडमिक सत्र एक बार ही सलाहकार बनते है। यदि वे बीच में चले जाएं या ट्रांसफर हो जाए तो बीच सत्र में उनकी जगह दूसरा कोई नहीं बन सकता है। इससे विद्यार्थी की रिचर्स पर असर पड़ेगा।

अपने घर से करें प्लास्टिक प्रतिबंध करने की शुरुआत : डॉ. विक्रमजीत सिंह

हिसार (हिंस)। थर्ड हरियाणा गर्ल्स बटालियन के निर्देशानुसार दयानंद महाविद्यालय की एनसीसी आर्मी गर्ल्स विंग की ओर से गुरुवार को वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। एनसीसी कैडेट्स द्वारा इस प्रतियोगिता में बड़े उत्साह से भाग लिया गया। वाद-विवाद प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल की भूमिका लेफ्टिनेंट डॉ. हेमंत शर्मा व प्रो. शालू नारंग ने निभाई। एनसीसी सीटीओ डॉ. नीरू बाला ने बताया कि पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए हर साल पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। प्लास्टिक के निरंतर प्रयोग से पर्यावरण का अत्यधिक नुकसान हो रहा है। प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करने की आवश्यकता है। वर्तमान समय में वैश्विक पर्यावरण के संकट को स्वीकार करके प्रकृति को बचाने

और सुरक्षित करने का सामूहिक प्रयास होना चाहिए। दयानंद महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक व्यक्ति की नहीं बल्कि सबकी जिम्मेदारी है। वातावण का निरंतर प्रदूषित होते जाना चिंता की बात है। प्लास्टिक प्रतिबंध के विषय पर हमें अपने घर से पहली शुरुआत करनी चाहिए। विद्यार्थियों ने इस विषय पर आयोजित प्रतियोगिता में भाग लेकर व चर्चा करके अच्छी पहल की शुरुआत की है।

श्रीनगर : जी-20 के सफल आयोजन पर एडीजीपी ने सभी जवानों व एजेंसियों को दी बधाई

श्रीनगर (हिंस)। कश्मीर के एडीजीपी विजय कुमार ने जम्मू-कश्मीर में जी-20 के सफल आयोजन पर सभी सुरक्षा बलों व खुफिया एजेंसियों को बधाई दी है। गुरुवार को एक ट्वीट के माध्यम से एडीजीपी ने कहा कि मैं जम्मू कश्मीर पुलिस, सीआरपीएफ, सेना, बीएसएफ, एसएसबी, एनएसजी, मारकोस, एनडीआरएफ और खुफिया एजेंसियों के अधिकारियों और जवानों को घटना मुक्त और सफल जी-20 शिखर सम्मेलन आयोजित करने के लिए बधाई देता हूं।

जमीनी विवाद में चलीं गोलियां, 6 घायल

पलवल (हिंस)। गुरुवार को जमीन विवाद में गोलियां और तेजधार फरसे चले। फायरिंग में एक युवक के पेट में गोली लगी है, जबकि अन्य को लाठी-डंडा व फरसा से गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। मुंडकटी थाना पुलिस ने 6 नामजद आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार सराय गांव निवासी शकील ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि उनकी गांव निवासी आस मोहम्मद के परिवार से जमीनी रंजिश चल रही है। वह अपने पिता नवाब, भाई वकील, मां अहमदी, बहन अरफीना व चाचा शमसुद्दीन के साथ खेत में पाइप लाइन बिछा रहा था। उसी दौरान बलेनो कार में सवार होकर वहां पर आस मोहम्मद व उसके बेटे अहमद, फरीद, आमीन, उमर व जफरू आ गए। उनके हाथों में देसी कट्टा, लाठी-डंडा व फरसा थे। आते ही उसकी बहन पर हमला करते हुए कहा कि तुम्हें खेत में भराई (सिंचाई) नहीं करने देंगे। वह अपनी बहन को बचाने के लिए आगे आए तो आमीन ने देसी कट्टे से जान से मारने की नीयत से सीधी फायरिंग कर दी। एक गोली उसके भाई वकील के पेट में लगी। अन्य ने लाठी-डंडा व फरसा से उसके अन्य परिवार वालों से मारपीट की। पुलिस जांच अधिकारी सब इंस्पेक्टर हरिओम ने गुरुवार को बताया कि पीड़ित पक्ष के अनुसार दी गई शिकायत के आधार पर 6 नामजद आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सत्यापन के बाद ही सोशल मीडिया पर सांझा करें जानकारी : डॉ. प्रज्ञा

सूचना साक्षरता समय की आवश्यकता : डॉ. आशुतोष

हिसार (हिंस)। महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज, अग्रोहा में गुरुवार को सूचना साक्षरता पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें मीडिया एजुकेटर और फैक्टशाला ट्रेनर डॉ. प्रज्ञा कौशिक ने सूचना साक्षरता विषय पर नर्सिंग छात्राओं को संबोधित किया। डॉ. प्रज्ञा ने छात्राओं को गलत और सही जानकारी में भेद करना और वायरल जानकारी, फोटो आदि का तार्किक विश्लेषण करने के बारें में मार्गदर्शन किया। इस कार्यशाला में नर्सिंग की 120 छात्राओं ने भाग लिया और स्वास्थ्य संबंधी भ्रामक जानकारी पर संबोधन सुना। डॉ. प्रज्ञा कौशिक ने बताया कि आज संचार क्रांति के युग में लोग इनफोडेमिक हो गए हैं जिसके कई नुकसान हैं। इसके साथ ही वायरल खबरों और सूचनाओं के कारण कई बार लोगों को भारी नुकसान उठाना पड़ जाता है। मेडिकल क्षेत्र में तो भ्रामक जानकारी कहीं ज्यादा नुकसान पहुंचा सकती हैं। उन्होंने विभिन्न वायरल खबरों की तथ्य जांच का उदाहरण देकर भी कॉलेज छात्राओं को विषय पर जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं से कहा कि किसी भी जानकारी को बिना पढ़े और सत्यापित किए सोशल मीडिया पर सांझा न करें। सत्यापित करने के लिए गुगल लेंस और अन्य माध्यम का सहारा लेकर ही किसी जानकारी को आगे सांझा करें। वर्कशॉप की अध्यक्षता करते हुए डायरेक्टर पैरामेडिकल डॉ. आशुतोष शर्मा ने कहा कि आज के समय में सूचना साक्षरता गंभीर विषय है। उन्होंने छात्राओं को किताबों और अन्य माध्यम से खबरों को जांचने और सही जानकारी को सांझा करने को कहा। उन्होंने डॉ. प्रज्ञा कौशिक का धन्यवाद करते हुए कहा कि मेडिकल क्षेत्र में सूचनाओं का बहुत महत्व है और इस प्रकार के विषय पर समय समय पर वर्कशॉप का आयोजन किया जाना चाहिए। इस अवसर पर नर्सिंग प्रिंसीपल डॉ. प्रोमिला पांडे, शिखा पाहुजा, भावना, सोनू, अनुराधा, प्रियंका आदि मौजूद रहे।

438 करोड़ में गिफी का अधिग्रहण करेगा शटरस्टॉक : मेटा के सीईओ जुकरबर्ग को 2150 करोड़ का नुकसान, रेगुलेटर ने कंपनी बेचने के लिए किया मजबूर

नई दिल्ली।
स्टॉक फोटोग्राफी कंपनी शटरस्टॉक ने एनिमेटेड फोटो बनाने वाले प्लेटफार्म जिफी को 53 मिलियन डॉलर (लगभग 438 करोड़ रुपए) में खरीदने का ऐलान किया है। मेटा को इस डील में 260 मिलियन डॉलर यानी करीब 2150 करोड़ रुपए का नुकसान होगा। गार्डियन के अनुसार, मेटा ने 3 साल पहले जिफी को खरीदने के लिए 315 मिलियन डॉलर (लगभग 2605 करोड़ रुपए) में डील की थी। साल 2022 में यूके की कॉम्पिटिशन एंड मार्केट्स अथॉरिटी ने डील को पूरा होने से रोक दिया। मानना था कि इससे कॉम्पिटिशन कम हो जाता। फेसबुक को फायदा होता और दूसरी टेक कंपनियों का नुकसान।

अगले महीने तक पूरी हो सकती है डील – शटरस्टॉक की जिफी को खरीदने की डील अगले महीने तक पूरी हो सकती है। हालांकि, शटरस्टॉक ने कहा है कि इस फाइनेंशियल ईयर में जिफी का रेवेन्यू कॉन्ट्रीब्यूशन मिनिमम रहेगा। 2024 तक गिफी का रेवेन्यू कॉट्रीब्यूशन बढ़ाने के लिए कंपनी अपने प्लान इंप्लीमेट करेगी। शटरस्टॉक के सीईओ पॉल हेनेसी ने कहा, यह डील एंड-टू-एंड क्रिएटिव प्लेटफॉर्म के रूप में शटरस्टॉक के विकास में मील का पत्थर साबित होगी। यह पहला मौका है कि यूके के किसी रेगुलेटर ने अमेरिकी टेक कंपनी को खरीदी हुई कंपनी को बेचने के लिए मजबूर किया है।

सीएमए ने क्यों रोकी थी गिफी के अधिग्रहण की डील – सीएमए का मानना था कि अगर मेटा जिफी का अधिग्रहण कर लेता है तो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के बीच कॉम्पिटिशन कम हो जाएगा, जिससे एडवरटाइजर्स को नुकसान हो सकता है। इसके साथ ही मेटा अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को जिफी के इमेज एक्सेस करने से रोक सकता है।

जिफी के पास सबसे बड़ा एनिमेटेड इमेज कलेक्शन – जिफी दुनिया के सबसे बड़े एनिमेटेड इमेज कलेक्शन के रूप में जाना जाता है। इसका इस्तेमाल फेसबुक, इंस्टाग्राम, स्नैपचैट जैसे अलग-अलग प्लेटफार्म करते हैं। जिफी की वेबसाइट के जरिए यूजर्स जिफ और स्टिकर भी क्रिएट कर सकते हैं।

शटरस्टॉक स्टॉक इमेज और वीडियो प्लेटफार्म – शटरस्टॉक एक स्टॉक इमेज और वीडियो प्लेटफार्म है। यूजर्स बेस्ट क्वालिटी में शटरस्टॉक के जरिए रॉयल्टी फ्री इमेज, वीडियो क्लिप और म्यूजिक ट्रैक डाउनलोड कर सकते है। शटरस्टॉक की वेबसाइट 125 से ज्यादा देशों में 25 भाषाओं में यूज किया जा सकता है।

न्यूज ब्रीफ

सोने-चांदी के दामों में बड़ी गिरावटः सोना 60 हजार और चांदी 70 हजार के करीब आई

नई दिल्ली। सर्राफा बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में कमजोरी देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक, आज सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोने का दाम 452 रुपए गिरकर 60,228 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। वहीं 22 कैरेट सोने की कीमत 55,169 रुपए हो गई है। चांदी की कीमत में भी बड़ी गिरावट देखने को मिली है। ये 817 रुपए सस्ती होकर 70,312 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। इससे पहले ये 71,129 रुपए पर थी। अजय केडिया के मुताबिक, सोने में 2020 से शुरू सुपर साइकिल अब भी जारी है। इस साल सोना 62,000 तक पहुंचने का अनुमान था, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में ये 64,000 तक पहुंच सकता है। सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट अनुज गुप्ता कहते हैं कि शेयर बाजार में जारी उतार-चढ़ाव के कारण सोने को सपोर्ट मिल रहा है। इसके चलते इस साल के आखिर तक सोना 65 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। अगर आप इन दिनों सोना खरीदने का प्लान बना रहे हैं तो, ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। नए नियम के तहत एक अप्रैल से छह डिजिट वाले अल्फान्यूमेरिक हॉलमार्किंग के बिना सोना बेचने पर रोक लगा दी गई है। जैसे आधार कार्ड पर 12 अंकों का कोड होता है, उसी तरह से सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड होगा। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर कहते हैं।

दुनिया के अमीरों की संपत्ति घटी, भारतीयों की बढ़ीः अमेजन के फाउंडर जेफ बेजोस ने 1.63 लाख करोड़ गंवाए

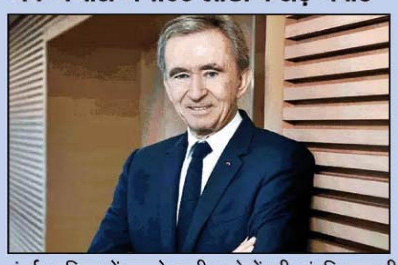

मुंबई। दुनिया में सबसे अमीर लोगों की संपत्ति एक ही दिन में तेजी से घटी है, जबकि भारत रइसों की संपत्ति बढ़ी है। दुनिया के टॉप रईस बर्नार्ड अर्नाल्ट, जेफ बेजोस, बिल गेट्स से लेकर वॉरेन बफे तक की संपत्ति पिछले 24 घंटों में घटी है। सबसे ज्यादा संपत्ति अमेजन के फाउंडर जेफ बेजोस की घटी है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार, दूसरे नंबर पर बर्नार्ड अर्नाल्ट की संपत्ति कम हुई है। जबकि भारतीय उद्योगपतियों गौतम अदाणी और मुकेश अंबानी की संपत्ति तेजी से बढ़ी है। इंडेक्स के अनुसार, 24 घंटों में टॉप-20 में शामिल 18 अमीरों की संपत्ति में गिरावट आई है। जेफ बेजोस: अमेजन के फाउंडर जेफ बेजोस की संपत्ति 1,63,909 करोड़ रुपए घटी है। उनकी नेटवर्थ 139 अरब डॉलर है। बर्नार्ड अर्नाल्ट: बर्नार्ड अर्नाल्ट की संपत्ति 92,000 करोड़ रुपए घटी है। उनकी नेटवर्थ 192 अरब डॉलर है। एलन मस्क: स्पेसएक्स के फाउंडर और टेस्का के को-फाउंडर एलन मस्क की संपत्ति 18,3502 करोड़ रुपए घटी है। उनकी नेटवर्थ 180 अरब डॉलर है। वॉरेन बफे: मशहूर बिजनेसमैन वॉरेन बफे की संपत्ति 18,102 करोड़ रुपए घटी है। उनकी नेटवर्थ 113 अरब डॉलर है। बिल गेट्स: माइक्रोसॉफ्ट के को-फाउंडर बिल गेट्स की संपत्ति 8,266 करोड़ रुपए घटी है। उनकी नेटवर्थ 125 अरब डॉलर है।

अब दवाई के हर हिस्से में मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपायरी की तारीख लिखी होगी

नई दिल्ली । केंद्र सरकार का उपभोक्ता मामलों का मंत्रालय एक योजना बना रहा है। इस योजना के मुताबिक छेद वाली दवाई पट्टी तैयार की जाएगी। इसके हर हिस्से में निर्माण और एक्सपायरी की तारीख लिखी होगी। इससे आपको जितनी ही टैबलेट चाहिए उतनी ही मिलेगी। इसके अलावा एक और विकल्प की तलाश की जा रही है। दवा की पट्टियों पर क्यूआर कोड अंकित किया जाएगा। सूत्रों ने कहा कि उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय द्वारा चलाए जा रहे राष्टीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एनसीएच) पर पूरी पट्टी खरीदने पर जोर देने की शिकायतों में वृद्धि देखी गई है। इसके बाद कंपनियों से बातचीत शुरू की गई। आने वाले समय में इसे अंतिम रूप दिया जा सकता है। मंत्रालय ने हाल ही में फार्मा उद्योग के दिग्गजों के साथ इस मामला पर विचार-विमर्श किया। बैठक में ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया के शीर्ष अधिकारियों ने भी भाग लिया। अधिकारियों ने कहा कि इस मुद्दे पर चर्चा की गई और मंत्रालय ने सुझाव दिया कि दवाओं की पैकेजिंग के लिए नई तकनीकों की खोज की जानी चाहिए। दवा की एक पूरी पट्टी जबरन खरीदने से न केवल चिकित्सा अपव्यय होता है बल्कि ग्राहकों पर अनावश्यक वित्तीय बोझ भी पड़ता है।

विप्रो के चेयरमैन ने 50प्रतिशत कम ली सैलेरी

रिशद प्रेमजी को एफवाय-23 में 7.87 करोड़ का टोटल कंपनसेशन मिला, पिछले साल 15 करोड़ था

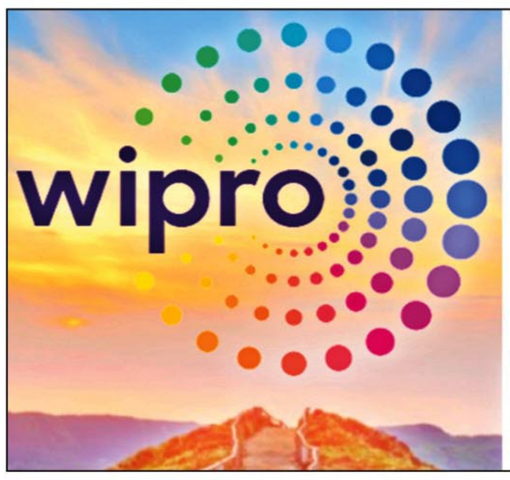

नई दिल्ली।
विप्रो के चेयरमैन रिशद प्रेमजी ने मार्च 2023 को खत्म फाइनेंशियल ईयर के लिए लगभग 1 मिलियन डॉलर यानी 7.87 करोड़ रुपए का टोटल कंपनसेशन लिया है। यह पिछले फाइनेंशियल ईयर में उनके रिम्यूनेरेशन 5.05 करोड़ रुपए से लगभग 50प्रतिशत कम है। इस बात की जानकारी विप्रो ने स्सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमिशन को फॉर्म 20-स्न फाइल कर दी है।

रिशद प्रेमजी ने दूसरी बार कम लिया कंपनसेशन – यह दूसरी बार है, जब रिशद प्रेमजी ने कंपनसेशन कम लिया है। इससे पहले रिशद प्रेमजी ने कोरोना महामारी के समय अपने कंपनसेशन में 31प्रतिशत की कटौती की थी। तब फाइनेंशियल ईयर 2019-20 में उन्होंने टोटल 0.68 मिलियन डॉलर यानी 5.62 करोड़ रुपए का कंपनसेशन लिया था। इससे पहले एफवाय 2018-19 में उन्हें 0.98 मिलियन डॉलर यानी 8.11 करोड़ रुपए का कंपनसेशन मिला था।

कंपनसेशन के अलावा, रिशद प्रेमजी इंक्रीमेंटल कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट पर 0.35प्रतिशत की दर से कमीशन के हकदार हैं। हालांकि, कारोबारी साल 2023 के लिए कंपनी का इंक्रीमेंटल कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट निगेटिव रहा था, इसलिए कंपनी ने तय किया है कि कारोबारी साल 2023 के लिए कोई कमीशन नहीं दिया जाएगा।

सीएफओ जतिन प्रवीणचंद्र दलाल को भी कम मिला कंपनसेशन – रिशद प्रेमजी ही नहीं, विप्रो के चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर जतिन प्रवीणचंद्र दलाल के कंपनसेशन में भी कमी आई है। साल 2022-23 के लिए उन्हें पिछले साल के 13.24 करोड़ रुपए (1.6 मिलियन डॉलर) की तुलना में टोटल 9.10 करोड़ रुपए (1.1 मिलियन डॉलर) का कंपनसेशन दिया गया है, जो कि लगभग 32प्रतिशत कम है।

एफवाय-23 में कंपनी का प्रॉफिट 7.1प्रतिशत गिरकर 11,350 करोड़ रु पर आया – इस साल अप्रैल महीने में विप्रो ने चौथी तिमाही और कारोबारी साल के अपने रिजल्ट की अनाउंसमेंट की थी, जो उम्मीद से कम रहा था। चौथी तिमाही में नेट प्रॉफिट 0.4प्रतिशत गिरकर 3,074.5 करोड़ रुपए रहा। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी का प्रॉफिट 3,087.3 करोड़ रुपए रहा था। मार्च तिमाही में रेवेन्यू सालाना आधार पर 11.17प्रतिशत बढ़कर 23,190.3 करोड़ रुपए रहा था। वहीं पूरे फाइनेंशियल ईयर 2022-23 में कंपनी का प्रॉफिट 7.1प्रतिशत गिरकर 11,350 करोड़ रुपए पर आ गया। साल-2023 के लिए एबीटदा मार्जिन 200 घटकर 15.7प्रतिशत पर था और त्त्व4 के लिए यह 16.3प्रतिशत रह था। कंपनी ने टेंडर रूट के जरिए 12,000 करोड़ रुपए के शेयर बायबैक की अनाउंसमेंट भी की थी।

प्रेमजी का मौजूदा 5 साल का कार्यकाल 30 जुलाई 2024 को खत्म होगा – रिशद प्रेमजी के कंपनसेशन में कैश बोनस (उनके निश्चित वेतन का हिस्सा) भी शामिल था, लेकिन फाइनेंशियल ईयर 2023 में उन्हें कोई स्टॉक ऑप्शन नहीं दिया गया था। विप्रो लिमिटेड के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन के रूप में प्रेमजी का मौजूदा 5 साल का कार्यकाल 30 जुलाई 2024 को समाप्त होगा।

2007 में विप्रो में शामिल हुए थे रिशद प्रेमजी, कई भूमिकाओं में काम किया – रिशद प्रेमजी 2007 में विप्रो में शामिल हुए और 2019 में एग्जीक्यूटिव चेयरमैन बनने से पहले उन्होंने कंपनी में कई भूमिकाओं में काम किया। उन्होंने विप्रो के बैंकिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेंज बिजनेस में जनरल मैनेजर के रूप में शुरुआत की, इंवेस्टर्स रिलेशंस को लीड किया और फिर विप्रो की स्ट्रेटजी एंड मर्जर और एक्विजिशन का भी नेतृत्व किया था। विप्रो के चीफ स्ट्रेटेजी ऑफिसर के रूप में रिशद ने विप्रो वेंचर्स का कॉन्सेप्ट भी दिया था। वह कंपनी के लिए इन्वेस्टर एंड गवर्नमेंट रिलेशनशंस पर भी काम करते थे। एग्जीक्यूटिव चेयरमैन की भूमिका में रिशद बिजनेस को दिशा और स्ट्रेटजी देने के लिए विप्रो की लीडरशिप टीम के साथ मिलकर काम करते हैं।

विप्रो में शामिल होने से पहले लंदन में बेन एंड कंपनी में काम करते थे रिशद – विप्रो में शामिल होने से पहले रिशद प्रेमजी लंदन में बेन एंड कंपनी में काम करते थे। उन्होंने वहां कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, ऑटोमोबाइल, टेलीकॉम और इंश्योरेंस इंडस्ट्रीज में असाइनमेंट पर काम किया था। उन्होंने अमेरिका में इंश्योरेंस और कंज्यूमर लेंडिंग स्पेस में जीई कैपिटल के साथ भी काम किया। वे जनरल इलेक्ट्रिक फाइनेंशियल मैनेजमेंट प्रोग्राम में ग्रेजुएट हैं।

सीईए नागेश्वरन बोले- बाजार बिगाड़ने का काम न करें वित्तीय कंपनियां, नियमन से डकैती को रोक सकते हैं

नई दिल्ली ।
मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने बुधवार को कहा कि वित्तीय कंपनियां आत्मसंयम बरतें और बाजार बिगाड़ने का काम न करें।गलत उत्पादों की बिक्री व डाटा के दुरुपयोग पर लगाम भी लगाएं। नागेश्वरन ने एक कार्यक्रम में कहा, वित्तीय क्षेत्र के लिए नियमन डकैती को तो रोक सकते हैं, लेकिन इस अपराध पर लगाम तभी लगेगी, जब खुद डकैत ही सुधरने का फैसला करेगा। इस मामले में खुद पर ही निगाह रखना सबसे अच्छी निगरानी हो सकती है। मुख्य आर्थिक सलाहकार ने कहा, पिछले कुछ समय में वित्तीय उत्पादों से जुड़ी कई कंपनियों पर ग्राहकों के साथ गलत तरीके अपनाने के आरोप लगते रहे हैं। महिंद्रा फाइनेंस जैसी वित्तीय कंपनियां अपने कर्ज की वसूली के लिए कर्जदारों को डराती और धमकाती हैं।इसके लिएकंपनी को नियामकीय कार्रवाईसे भी गुजरना पड़ा था।इसके अलावा, ऑनलाइन कर्ज देने वाले डिजिटल मंच भी कर्जदारों के लिए एक बड़ी चिंता बने हुए हैं।

शुरू होने वाला है कर्ज विस्तार का तेज दौर – नागेश्वरन ने कहा, एक दिन पहले उनकी बाजार नियामक सेबी की प्रमुख से हुई मुलाकात में शेयर बाजारों में कारोबार से बहुत जल्द पैसे बनाने की पेशकश का मामला उठा। उन्होंने कहा, निवेशकों को एक ही दिन में 5,000 रुपये को 6,000 रुपये बना देने के वादे किए जा रहे हैं। लेकिन, इस तरह के वादों को पूरा कर पाना नामुमकिन है।उन्होंने कहा, देश में कर्ज विस्तार का एक और दौर शुरू होने वाला है, जो पिछले दौर से कहीं अधिक तेजी से घटित होगा। अगर भारत को छह प्रतिशत से अधिक दर से लगातार बढ़ना है तो हमें ऐसे वित्तीय चक्र की जरूरत होगी जो आधे दशक में ही खत्म न हो जाए।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट, महाराष्ट्र में पेट्रोल-डीजल सस्ता

मुंबई। देश में हर रोज सुबह 6 बजे पेट्रोल-डीजल के रेट जारी होते हैं. पेट्रोल और डीजल के नए रेट जारी कर दिए गए हैं। महाराष्ट के कई शहरों में ईंधन की कीमतों में बदलाव देखने को मिला है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट जारी है.गुरुवार 25 मई को कच्चे तेल में जोरदार उछाल आया. डब्ल्यूटीआई कच्चा तेल अब 74.20 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत 78.31 डॉलर प्रति बैरल रही। इसके बाद मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर हो गया है जबकि ठाणे में पेट्रोल 106.01 रुपये और डीजल 92.50 रुपये प्रति लीटर, रायगढ़ में पेट्रोल 105.89 रुपये और डीजल 92.39 रुपये प्रति लीटर, पुणे में पेट्रोल की कीमत 106.17 रुपये और डीजल 92.68 रुपये प्रति लीटर और नागपुर में पेट्रोल 106.04 रुपये और डीजल 92.59 रुपये प्रति लीटर है।

पीएम जीवन ज्योति बीमा योजनाः इसमें 40 रुपए महीने से भी कम में मिलता है 2 लाख का इंश्योरेंस कवर

नई दिल्ली।
केंद्र सरकार प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के नाम से बीमा योजना चलाती है। योजना में लाभार्थी की किसी भी प्रकार से मौत पर नॉमिनी या परिवार को 2 लाख रुपए की राशि मिलती है। यानी अगर किसी व्यक्ति की बीमारी या दुर्घटना में मौत होती है तो बीमित व्यक्ति के नॉमिनी या परिवार को बीमा की 2 लाख रुपए मिलेंगे। हम आपको अस योजना के बारे में बता रहे हैं।

ये है एक टर्म इंश्योरेंस प्लान – एक टर्म इंश्योरेंस प्लान है। टर्म इंश्योरेंस में पॉलिसी लेने वाले की मौत के बाद ही लाभ मिलता है। यदि पॉलिसीधारक समय पूरा होने के बाद ठीक-ठाक रहता है तो उसे कोई लाभ नहीं मिलता है। 18 से 50 साल तक का कोई भी व्यक्ति इस योजना का लाभ ले सकता है।

सालाना 436 रुपए का देना होगा प्रीमियम – लाभ लेने के लिए हर साल 436 रुपए का प्रीमियम देना होता है। प्रीमियम की यह राशि 25 मई से 31 मई के दौरान अपने आप खाते से ले ली जाएगी। इसके लिए आवेदक को अपनी सहमति देनी होगी।

1 जून से 31 मई होता है कवर पीरियड – 1 जून से 31 मई इसका कवर पीरियड होता है। इसका मतलब यह हुआ कि पॉलिसी किसी भी तारीख को खरीदी गई हो, पहले साल के लिए उसका कवरेज अगले साल 31 मई तक ही होगा। इसमें रिस्क कवर स्कीम में इनरोलमेंट करवाने के 45 दिन बाद से मिलता है।

बैंक अकाउंट होना जरूरी – लाभ लेने के लिए आवेदक के पास एक बैंक खाता होना चाहिए। यह बैंक खाता सरकारी या प्राइवेट बैंक में हो सकता है। इसके बाद आवेदक को लाभ लेने के लिए आवेदन करना होगा। नॉमिनी को उस इंश्योरेंस कंपनी या बैंक में क्लेम करना होता, जहां संबंधित व्यक्ति का इंश्योरेंस था। डेथ सर्टिफिकेट जमा करना होगा।

व्हाट्सएप पर ऑनलाइन फ्रॉड के हो गए हैं शिकार तो तुरंत करें ये काम, वापस मिल जाएगी मेहनत की कमाई

नई दिल्ली।
एक तरफ तकनीक ने हमारे कई कामों को आसान किया है, वहीं कई बार हमें भारी नुकसान का सामना भी करना पड़ता है। ऑनलाइन पेमेंट करते वक्त हम वैसे तो कई सावधानियां बरतते हैं, क्योंकि एक गलत नंबर से हमारी कमाई किसी और के हाथ में भी जा सकती है। इससे ऑनलाइन पेमेंट में धोखाधड़ी होने की संभावना बनी रहती है। एक लिंक पर क्लिक भर करने से हमारी जमा पूंजी तक गायब हो सकती है। आए दिन हम ऑनलाइन फ्रॉड की खबरों को पढ़ते हैं, आइए इस खबर में जानते हैं कि ऑनलाइन फ्रॉड में आप किस तरह अपने पैसे वापस पा सकते हैं

कैसे करें शिकायत दर्ज

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने ऑनलाइन ठगी या साइबर क्राइम को रोकने के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। इस नंबर पर कॉल करके आप शिकायत दर्ज करवा सकते हैं। धोखाधड़ी की शिकायत आप नेशनल हेल्पलाइन नंबर 155260 पर दर्ज करवा सकते हैं। जैसे ही आपके साथ कोई ऑनलाइन धोखाधड़ी होती है, वैसे ही इस नंबर पर कॉल करे। उसके बाद आप मंत्रालय की साइबर पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कर सकते हैं।

कब और कैसे कर सकते हैं शिकायत

जब भी आपके साथ ऑनलाइन ठगी जैसी कोई भी घटना होती है, तब आप जितना जल्दी रिपोर्ट करेंगे, साइबर टीम उतनी जल्दी एक्शन लेगी। ऑनलाइन ठगी के शुरूआती 2-3 घंटे काफी अहम होते हैं। आप जितनी जल्दी शिकायत दर्ज करते हैं, उतना ज्यादा पैसे वापस आने की संभावना बढ़ जाती है। आप जैसे ही ऑनलाइन ठगी की सूचना साइबर टीम को जाती है, वो अलर्ट हो जाती है। सबसे पहले वह बैंक से संपर्क करके जिस अकाउंट में पैसे ट्रांसफर हुए होते हैं, उस अकाउंट को होल्ड पर डाल देते हैं। इससे जिसने भी धोखाधड़ी की है, वो उस पैसे का इस्तेमाल नहीं कर पाएगा। वह व्यक्ति न ही कोई ट्रांजैक्शन कर पाएगा और न ही अकाउंट से पैसे निकाल पाएंगे।

कैसे करें अपने आईडी को सिक्योर

ऑनलाइन पेमेंट करना जितना आसान है, उससे ज्यादा इसमें धोखाधड़ी होने की संभावना रहती है। कहते हैं न ध्रद्ध सावधानी हटी दुर्घटना घटी...। ऑनलाइन ट्रांजैक्शन करते वक्त आपको एक दम चौकस रहकर ही कोई पेमेंट करनी होती है। कई बार फोन में बैंक ऑफर को लेकर मैसेज आते हैं, जिसमें लिंक पर क्लिक करने के लिए कहा जाता है। यह धोखाधड़ी का एक तरीका है, आपको इनसे सावधान रहना बहुत जरूरी है। साइबर फ्रॉड से बचने के लिए आपको अपने अकाउंट को पासवर्ड से सिक्योर रखना है, साथ ही अपने अकाउंट की जानकारी किसी के साथ शेयर नहीं करना चाहिए।

एफडी इन्वेस्टमेंट से मिले रिटर्न पर लगता है टैक्स

अगर ब्याज 7प्रतिशत तो टैक्स के बाद 5प्रतिशत की ही कमाई

नई दिल्ली।
फिक्स्ड डिपॉजिट यानी एफडी में निवेश करना सुरक्षित माना जाता है और यह एक पॉपुलर इन्वेस्टमेंट ऑप्शन है। लेकिन इस तरह के निवेश पर टैक्स के बाद मिलने वाला रिटर्न आम तौर पर बैंक की ओर से ऑफर की जाने वाली ब्याज दर से कम होता है। मई 2023 में फंड्सइंडिया की वेल्थ कन्वर्सेशन रिपोर्ट के अनुसार, जैसे बैंकों में 6 महीने के डिपॉजिट के लिए एवरेज इंटरेस्ट रेट लगभग 5प्रतिशत है। हालांकि पोस्ट-टैक्स रिटर्न केवल 3.49प्रतिशत है। इसी तरह 5 साल डिपॉजिट के लिए एवरेज इंटरेस्ट रेट लगभग 6.75प्रतिशत है, लेकिन टैक्स के बाद रिटर्न केवल 4.9प्रतिशत है।

एफडी पर टैक्स कैसे लगता है

एक साल में एफडी पर आप जो भी ब्याज कमाते हैं, वो आपकी एनुअल इनकम में जुड़ जाता है। अगर आपकी इनकम टैक्स के दायरे में आती हैं तो स्लैब रेट के हिसाब से इस पर टैक्स चुकाना पड़ता है। आईटीआर फाइल करते समय इसे इनकम फ्रॉम अदर सोर्सेज में शामिल किया जाता है। यहां एक और टैक्स है। टैक्स डिडक्टेड एट सोर्स जब बैंक आपकी इंटरेस्ट इनकम आपके अकाउंट में क्रेडिट करता है, तो उसी समय काट लेता है। लेकिन कुछ कंडीशन्स है। अगर एक साल में एफडी से 40,000 रुपए तक कमाया तो नहीं काटा जाएगा। अगर कमाई 40,000 रुपए से ज्यादा है तो 10प्रतिशत कटेगा।

पैन कार्ड नहीं देने पर बैंक 20प्रतिशत काट सकता है। 60 साल से ज्यादा उम्र, वालों के लिए एक साल में एफडी से 50 हजार तक की कमाई पर नहीं लगता।

क्या क्लेम किया जा सकता है

अगर बैंक ने एफडी पर कमाए इंटरेस्ट पर काटा है और आप टैक्स के दायरे में नहीं आते हैं तो आईटीआर फाइलिंग के वक्त 100प्रतिशत रिटर्न क्लेम कर सकते हैं। बैंक ने काटा है वो आपके बैंक अकाउंट में वापस आ जाएगा।

वहीं अगर आप टैक्स ब्रैकेट में आते हैं तो बैंक ने जो भी टीडीएस काटा है वो एडजस्ट हो जाएगा। ऐसा इसलिए क्योंकि टीडीएस के फॉर्म में आप पहले ही टैक्स दे चुके हैं।

सही फिक्स्ड डिपॉजिट कैसे चुने

बैंक, पोस्ट ऑफिस, हाउसिंग फाइनेंस कंपनीज, को-ऑपरेटिव बैंक, स्मॉल फाइनेंस बैंक और कॉर्पोरेट डिपॉजिट एफडी ऑफर करते है। बैंक और पोस्ट ऑफिस सबसे ज्यादा सेफ मानी जाती है। इसमें मिलने वाला इंटरेस्ट हाउसिंग फाइनेंस कंपनीज, स्मॉल फाइनेंस बैंक और कॉर्पोरेट डिपॉजिट की तुलना में कम होता है।

वहीं को-ऑपरेटिव बैंक एफडीस कम सेफ होती है। पिछले कुछ सालों में बैंक से लेकर कुछ और कोऑपरेटिव बैंक के डूबने से जुड़ी खबरें आपने भी सुनी होगी।

हाउसिंग फाइनेंस कंपनीज बैंक की तुलना में एफडी पर ज्यादा इंटरेस्ट ऑफर करते हैं। अगर इनमें इन्वेस्ट करना है तो इनकी क्रेडिंट रेटिंग और विड्रॉल कंडीशन चेक करना चाहिए। रेटिंग वाली एफडी को अच्छा माना जाता है। वहीं कॉर्पोरेट डिपॉजिट में भी ज्यादा इंटरेस्ट ऑफर किया जाता है। लेकिन इनमें इन्वेस्ट करना थोड़ा रिस्की है।

अगर कोई कंपनी डूब गई को आपका पैसा वापस मिलना मुश्किल हो जाएगा। इसलिए मजबूत फंडामेंटल वाली कंपनीज की एफडी को ही चूज करना चाहिए।

मार्केट से जुड़े प्रोडक्ट में डायवर्सिफिकेशन की सलाह

एक्सपर्ट हायर रिटर्न के लिए म्युचुअल फंड जैसे मार्केट से जुड़े प्रोडक्ट के साथ इन्वेस्टमेंट पोर्टफोलियो को डायवर्सिफाई करने का सुझाव देते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि ऐसी स्कीम्स से आम तौर पर हायर लॉन्ग-टर्म रिटर्न्स टैक्सेशन के इम्पैक्ट को कंपनशेट कर देते हैं।

रे स्टीवेन्सन के निधन से आरआरआर की टीम को लगा झटका

-राजामौली ने लिखा- खबर पर नहीं होता है भरोसा

मुंबई (ईएमएस)। आरआरआर फिल्म में अहम रोल निभाने वाले हॉलीवुड हीरो रे स्टीवेन्सन अब हमारे बीच नहीं रहे। उनका बीते दिन ही 58 साल की उम्र में निधन हो गया। इस खबर के आने के बाद आरआरआर के डायरेक्टर एसएस राजामौली सहित पूरी टीम को बड़ा झटका लगा है। साथ ही हॉलीवुड के लिए भी उनका जाना एक बड़ी क्षति है, जिनकी भरपाई आसानी से नहीं का जा सकती। अभिनेता के प्रचारक ने इस दुखद खबर की पुष्टि की लेकिन उनकी मौत की वजह का अभी तक खुलासा नहीं हुआ है। एक्टर के निधन से सभी सन्न हैं और उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं।हाल ही में एसएस राजामौली ने अपने ट्विटर हैंडल पर आरआरआर के सेट से रे स्टीवेन्सन के साथ खुद की एक बेहद प्यारी तस्वीर साझा की जिसमें दोनों मजेदार बातचीत करते हुए मुस्कुराते हुए देखे जा सकते हैं।राजामौली ने इस फोटो को शेयर कर रे स्टीवेन्सन के लिए शोक प्रकट किया है। फिल्म में रे को उनके चरित्र के रूप में तैयार किया गया है और इसके साथ ही फिल्म निमार्ता ने एक दिल को छू लेने वाला पोस्ट भी शेयर किया जिसमें लिखा है। राजामौली लिखते हैं, ये शॉकिंग है इस खबर पर यकीन नहीं हो रहा। रे सेट पर अपने साथ काफी ऊर्जा और जीवंतता लेकर आए। उनके साथ काम करना पूरी तरह से मजेदार था। मेरी प्रार्थनाएं उनके परिवार के साथ हैं। उनकी आत्मा को शांति मिले। आरआरआर की टीम ने भी उनके लिए श्रद्धांजलि दी है और लिखा, आप हमेशा हमारे दिल में बने रहेंगे। आरआरआर फिल्म में रे ने स्कॉट बक्सटन की भूमिका अदा की थी। यह उनकी कॅरियर की पहली भारतीय फिल्म थी। रे का जन्म 25 मई 1964 को नॉर्थन आयरलैंड में हुआ था। उनके पिता पायलट थे और 8 साल की उम्र में वे परिवार के साथ इंग्लैंड शिफ्ट हो गए थे। आरआरआर में खलनायक की भूमिका निभाने के बाद, स्टीवेन्सन की अंतिम पूरी की गई फिल्म एक्सीडेंट मैनः हिटमैन हॉलीडे थी, जिसमें स्कॉट एडकिन्स ने अभिनय किया था। उन्होंने एचबीओ और बीबीसी के रोम के सभी 22 एपिसोड में भी अभिनय किया। उन्होंने हाल ही में 1242: गेटवे टू द वेस्ट में केविन स्पेसी को बदलने के लिए साइन अप किया था, जहां उन्होंने मंगोल सेना के खिलाफ खड़े हंगरी के पुजारी की भूमिका निभाई है। स्टीवेन्सन रे को मार्वल की थोर फ्रेंचाइजी में वोल्स्टैग और वाइकिंग्स में ओथेरे जैसी भूमिकाओं के लिए भी जाना जाता था। उन्होंने एनिमेटेड स्टार वार्स सीरीज द क्लोन वॉर्स और रिबेल्स में गार सेक्सन को भी आवाज दी है और डिज्नी प्लस की अपकमिंग द मंडलोरियन स्पिनऑफ अशोका में रोसारियो ड-ावसन के साथ जुड़ने के लिए तैयार थे। बता दें कि आरआरआर फिल्म जबसे रिलीज हुई है तभी से लगातार चर्चा में बनी हुई है और ऑस्कर जीतने के बाद ये फिर से सुर्खियों में आई। फिल्म में हर एक किरदार ने अपना बेस्ट दिया है चाह वो देशी हो या फिर हॉलीवुड का। इसमें राम चरण और जूनियर एनटीआर के साथ- साथ हॉलीवुड के भी कई कलाकारों ने काबिल- ए- तारीफ अभिनय किया है।

विक्की-सारा ने फिल्म की सफलता के लिए मांगी दुआ

-अजमेर में ख्वाजा की दरगाह पहुंचे कलाकार

मुंबई (ईएमएस)। अपकमिंग फिल्म जरा हटके जरा बचके की सफलता के लिए विक्की और सारा बीते रविवार को अजमेर सूफी संत ख्वाजा मोईनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह पहुंचे। दोनों फिल्मी हस्तियों ने यहां जियारत की और मजार शरीफ पर मखमली चादर चढ़ाई। दरगाह के खादिम मोहम्मद सकी ने उन्हें जियारत कराई और तबर्रुक भेंट किया। इससे पहले दरगाह पहुंचने पर उनके साथ सेल्फी लेने वालों की भारी भीड़ लग गई। फिल्मी सितारों को अपने आसपास देखकर हजारों की संख्या में जायरीन और स्थानीयलोग थम से गए ओर मोबाइल हाथों में उठा कर फोटो लेने लगे। बहुत ही भारी मशक्कत के बीच उन्हे सूफी संत ख्वाजा मोईनुद्दीन हसन चिश्ती की मजार शरीफ तक ले जाया गया। जहां आस्ताना में बरामदे में बैठ कर साराअली खान ने कुछ देर दुआ की। उन्होंने अपनी अपकमिंग फिल्म जरा हटके जरा बचके के लिए दुआ की। फिल्मी सितारे आटो रिक्शा से दरगाह शरीफ पहुंचे थे फिर भी लोगों ने उन्हें पहचान लिया। दरअसल, विक्की कौशल और सारा अली खान इससे पहले अपनी फिल्म जरा हटके जरा बचके के सिलसिले में जयपुर आए हुए थे जहां से शाम चार बजे बाद वे अजमेर के लिए रवाना हुए। यहां वे सीधे दरगाह गए जहां उन्होंने फिल्म की सक्सेस की दुआ मांगी। इसके बाद अजमेर के रामसर गांव में भी पहुचे। यहां गांव के लोगों ने पगड़ी और माला पहनाकर दोनों का स्वागत किया। यहां दोनों 185 लोगों के एक परिवार से मुलाकात करने पहुंचे थे। विक्की और सारा रामसर गांव में जिस परिवार से मिलने पहुंच रहे हैं, उसमें कुल 185 सदस्य रहते हैं।

यह परिवार नसीराबाद उपखंड के गांव में रहता है। सभी एक साथ मिलजुल कर बहुत खुशी से रहते है। इस परिवार के मुखिया भंवरलाल माली हैं। परिवार के सभी अहम फैसले यही लेते हैं। आपको जानकर हैरानी होगी, लेकिन इस घर के परिवार के लिए रोजाना 75 किलो आटे की रोटियां बनाई जाती है। 10 चूल्हों में रोटियां तैयार की जाती है। परिवार में कुल 55 पुरुष, 55 महिलाएं और 75 बच्चे है। इस परिवार में कुल 125 वोटर्स हैं। परिवार के भागचंद माली ने बताया कि उनके दादा सुल्तान एक माली थी यह परिवार उन्हीं का है। मालूम हो कि विक्की कौशल और सारा अली खान की अपकमिंग फिल्म जरा हटके जरा बचके के लिए फैंस काफी एक्साइटेड हैं। फिल्म का ट्रेलर और पहला सॉन्ग लोगों को काफी पसंद आ रहा है।

हैली वाइब्रेंट पैटर्न वाले आउटफिट में दिखीं बेहद स्टाइलिश

फिल्म स्पाइडर-मैनः एक्रॉस द स्पाइडरवर्स -वर्श के लिए बेवर्ली हिल्स के बेवर्ली विलशेयर होटल में आयोजित एक फोटोकॉल में एक्ट्रेस और सिंगर हैली स्टेनफेल्ड को भाग लेते देखा गया। इस दौरान वह अपने लुक से सबको इम्प्रेस करती नजर आईं। उनकी ये तस्वीरें अब अब इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैं। लुक की बात करें तो इस दौरान 26 वर्षीय हैली स्टेनफेल्ड का सबसे अलग लुक देखने को मिला। इवेंट में

एक्ट्रेस वाइब्रेंट पैटर्न वाले आउटफिट में बेहद स्टाइलिश लगीं। इस आउटफिट के साथ उन्होंने ब्लैक शूज पेयर किए। मिनिमल मेकअप और खुले बालों से लुक को कंप्लीट करते हुए एक्ट्रेस का स्टाइल देखते ही बन रहा है। इवेंट में अपने लुक का जलवा दिखाते हुए हैली कैमरे के सामने एक से बढ़ कर एक पोज दे रही हैं। काम की बात करें तो हैली को आखिरी बार फिल्म चार्ली एंजेल्स में देखा गया था। अब वह जल्द ही स्पाइडर-मैनः एक्रॉस द स्पाइडरवर्स -वर्श में नजर आएंगी।

सेट पर एक्टर्स के साथ होता है भेदभाव और शोषण : प्रिया आहूजा

-तारक मेहता का उल्टा चश्मा की पूर्व एक्ट्रेस ने कहा

नई दिल्ली (ईएमएस)। पॉपुलर शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा की पूर्व एक्ट्रेस जेनिफर मिस्त्री के बाद मोनिक भदौरिया और अब प्रिया आहूजा ने भी तारक मेहता के प्रोड्यूसर असित मोदी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। तारक मेहता में रीटा रिपोर्टर का रोल प्ले करने वाली प्रिया आहूजा का कहना है कि सेट पर एक्टर्स के साथ भेदभाव और शोषण किया जाता है। एक्ट्रेस ने बताया कि कैसे उनके काम मांगने पर उन्हें ताने मारे जाते हैं। कई बार प्रिया से कहा गया कि तुम्हारा पति डायरेक्टर है, तो तुम्हे काम करने की क्या जरूरत है, तुम तो रानी की तरह राज करो। एक मीडिया इंटरव्यू में प्रिया ने जेनिफर और मोनिका द्वारा लगाए गए आरोपों पर बात करते हुए कहा मुझे लगता है कि मैं उस डायरेक्टर की पत्नी हूं जिसने इस शो के लोगों के साथ 14 साल तक काम किया है सोचिए अगर मुझे ही बेसिक रिस्पेक्ट नहीं मिली, तो मोनिका जैसे कलाकार जो खुलकर सभी के सामने बोल रहे हैं वो गलत नहीं कह रहे हैं। 9 महीने से मुझे ही शो पर नहीं बुलाया गया ,क्योंकि अब मालव के साथ उनके रिलेशन खत्म हो गए हैं। एक्ट्रेस ने आगे कहा कि शो के सेट पर सौ प्रतिशत पुरूषों का प्रभुत्व है। जेनिफर के मामले में जब मंदार ने मेकर्स को सपोर्ट किया, तो मैं हैरान रह गई क्योंकि वे दोनों बहुत अच्छे दोस्त थे। सेट पर जेनिफर के व्यवहार के बारे में बताते हुए प्रिया ने बताया कि जेनिफर सेट पर जरा भी अनुशासनहीन नहीं हैं। वह शो के सबसे प्यारे लोगों में से एक हैं। बता दें कि टीवी का मोस्ट पॉपुलर शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा इन दिनों काफी चर्चा में बना हुआ है। शो में रोशन भाभी का किरदार निभाने वाली जेनिफर मिस्त्री ने जब से असित मोदी पर यौन शोषण के आरोप लगाए हैं तभी से शो से जुड़े नए खुलासे सामने आ रहे हैं।

प्रीति ने धर्मशाला में की दलाई लामा से मुलाकात

आईपीएल मैच का आनंद लेने धर्मशाला पहुंची एक्ट्रेस प्रीति जिंटा और उनके पति जीन गुडएनफ ने आध्यात्मिक नेता दलाई लामा से मुलाकात की। यहां से उन्होंने सोशल मीडिया पर तस्वीरें साझा कीं। तस्वीरों में प्रीति को मुस्कुराते हुए और जीन को दलाई लामा का हाथ पकड़े हुए देखा जा सकता है। अगली तस्वीरों में तीनों को एक कमरे में बात करते हुए दिखाया गया है। तस्वीरें शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, धर्मशाला में आईपीएल को समाप्त करने की मुझे उम्मीद नहीं थी, लेकिन परम पावन दलाई लामा से धर्मशाला में मिलना वह सब कुछ था जिसकी मुझे आशा थी। आभारी हैं कि हमें उनके साथ कुछ समय बिताने का मौका मिला। उन्होंने हमारे साथ हंसी और ज्ञान की बातें साझा की। एक्ट्रेस ने फिर से अपनी एक तस्वीर साझा की, जिसमें वह स्ट्रीट फूड की प्लेट पकड़े हुए दिखाई दे रही है। प्रीति और जीन ने 2016 में लॉस एंजेलिस में शादी की थी।

पब्लिक प्लेस में बच्चे को अपना दूध पिलाना कोई गुनाह नहीं

टीवी सीरियल बालिका वधु में गहना के किरदार से प्रसिद्ध हुई अदाकार नेहा मर्दा ने कहा है कि वहां कहीं पर भी अपने बच्चे को ब्रेस्ट फीडिंग करा सकती है। यदि मेरा बच्चा भूखा है, तब मैं बच्चे को भूखा नहीं रहने दूंगी। नेहा ने कहा है कि पब्लिक प्लस में बच्चे को ब्रेस्टफीडिंग कराना कोई गुनाह नहीं है। मां का बच्चे को दूध पिलाना दुनिया की सबसे खूबसूरत चीजों में से एक है। जहां तक ब्रेस्टफीडिंग की बात है, तब मैं हमेशा ये ही प्रेफर करती हूं कि अपने बच्चे को घर से दूध पिलाकर बाहर ले जाऊं। अगर बच्चे को तब भूख लगती है जब हम बाहर हैं, तब फिर मैं बच्चे को भूखा रहने नहीं दे सकती। ऐसी सिचुएशन में फिर मैं उस किसी भी जगह पर फीड करा सकती हूं। लेकिन, मेरी कोशिश यही रहती है कि घर से निकलने से पहले मैं उसे अच्छी तरह फीड करा लूं। हालांकि, मैं उसे किसी भी कंडीशन में भूखा नहीं रहने दूंगी। मां का बच्चे को दूध पिलाना प्राकृतिक बात है।

भावपूर्ण भूमिका मेरे लिए एक जटिल चरित्र : प्रियंका चोपडा

-एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में अपने जीवन दर्शन पर की बात

मुंबई (ईएमएस)। अंतर्राट्रीय एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा जोनास मई 2023 के अंक में फेमिना एडिटर-इन-चीफ अंबिका मुट्ठू के साथ एक विशेष इंटरव्यू में उनके जीवन और जीने के दर्शन के बारे में बात की। अपने रोल के बारे में बात करते हुए, प्रियंका ने खुलासा किया, मुझे लगता है कि एक भावपूर्ण भूमिका का मतलब मेरे लिए स्क्रीन टाइम होना जरूरी नहीं है। ऐसा कभी नहीं रहा कि मैं पोस्टर पर चेहरा हूं और मुझे हर दृश्य में होना है। यदि ऐसा होता है, तो यह बहुत अच्छा है, लेकिन एक भावपूर्ण भूमिका मेरे लिए एक जटिल चरित्र है। आपको परतों को छीलना होगा। आप नहीं जानते कि आप बल्ले से क्या करने जा रहे हैं। प्रियंका ने कहा, मुझे लगता है कि लड़कियों को सपने देखने के लिए प्रोत्साहित करना महत्वपूर्ण है। उनकी आकांक्षाओं को नेविगेट करने में सक्षम होने और कांच की छत स्थापित नहीं करने में सक्षम होने के लिए हम माता-पिता के लिए बहुत भाग्यशाली हैं जिन्होंने ऐसा किया। एक्ट्रेस यह भी बताया कि कैसे न केवल उसके तत्काल परिवार बल्कि उसकी मौसी, चचेरे भाई और ससुराल वालों सहित उसके विस्तारित परिवार ने भी हमेशा उसका समर्थन किया है। फेमिना की एडिटर-इन-चीफ अंबिका मुट्ठू ने कहा, इस इंटरव्यू में, प्रियंका ने प्रसिद्धि की प्रकृति, इसके नुकसान और सकारात्मकता, और अपने जीवन के इस पड़ाव पर किस तरह की भूमिकाओं की ओर आकर्षित हो रही हैं, सब कुछ खोल दिया। वह वाक्पटु और गर्म रहती है, लेकिन बहुत स्पष्ट रूप से एक ताकत है, जो सभी युवा महिलाओं को याद दिलाती है कि उन्हें जुनून और दृढ़ संकल्प के साथ अपने सपनों का पीछा करना चाहिए। मालूम हो कि साल 2000 में एक मिस इंडिया के रूप में अपना सफर शुरू करने से लेकर एक ग्लोबल स्टार के रूप में अपना नाम बनाने तक, प्रियंका चोपड़ा अब एक अद्भुत मल्टी-हाइफनेट हैं- एक एक्ट्रेस, कलाकार, निमार्ता, मां, साथी, साहित्यकार, परोपकारी, लेखक और निवेशक के रूप पुरे विश्व में नाम कमा रही है।

पवन सिंह की बेवफा सनम का ट्रेलर रिलीज

-फिल्म 24 मई से जियो स्टूडियो पर फ्री में दिखाई जाएगी

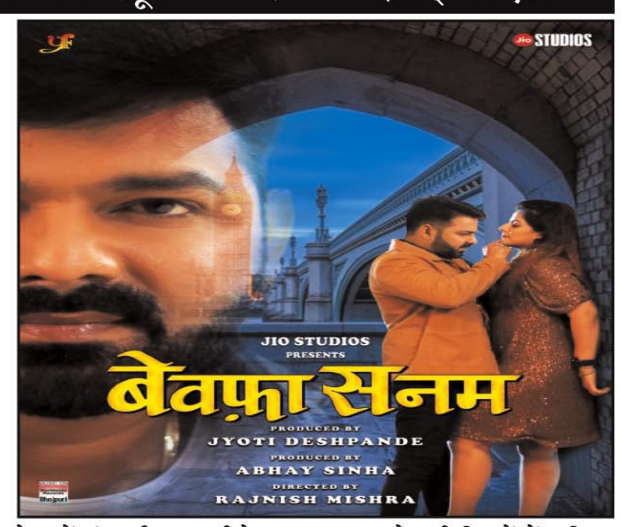

मुंबई (ईएमएस)। भोजपुरी फिल्मह्यबेवफा सनम ऑफिशियल ट्रेलर वर्ल्ड वाइड रिकार्ड्स भोजपुरी पर रिलीज कर दिया गया है। इस फिल्म में सुपर स्टार पवन सिंह ने रोल किया है। फिल्म पवन सिंह के अपोजिट अभिनेत्री स्मृति सिन्हा नजर आ रही है। स्मृति सिन्हा फि ल्म में पवन की पत्नी का किरदार निभा रही हैं। वहीं इस फि ल्म को जिओ स्टूडियो द्वारा प्रस्तुत किया जा रहा है। यह फिल्म 24 मई से जियो स्टूडियो पर एक दम फ्री में देखी जा सकती है। फिल्म बेवफा सनम में पवन का नाम प्रेम तो स्मृति का नाम सांध्य है। ट्रेलर की शुरूआत में पवन सिंह लंदन में नजर आते हैं, वही स्मृति को भारत में दिखाया जाता हैं। यशी फिल्म्स कृत बेवफा सनम के निमार्ता अभय सिन्हा और ज्योति देशपांडे हैं। इसका निर्देशन रजनीश मिश्रा ने किया है। इधर, अगर ट्रेलर की बात करें तो यह रोमांस, इमोशन और ड्रामा से भरपूर है। ट्रेलर में डायरेक्टर का विजन साफ-साफ नजर आ रहा है। ट्रेलर में लंदन की खूबसूरती के साथ भारतीय परंपरा को भी बखूबी दिखाया गया है। पवन सिंह एक भारतीय भोजपुरी भाषा के गायक और फिल्म अभिनेता हैं। पवन सिंह का जन्म आरा, बिहार के जोकहरी में हुआ था। उन्होंने देवरा बड़ा सतावेला, भोजपुरिया राजा जैसी प्रमुख भोजपुरी फिल्मों में अभिनय किया है। उन्होंने संगीत में लगभग 2528 भोजपुरी और हिन्दी सिनेमा तथा 895 वीडियो एल्बम किए है। पवन सिंह ने भोजपुरी पॉप एल्बमों पर एक गायक के रूप में काम किया है। 1997 में उनका पहला एल्बम ओढनिया वाली रिलीज हुआ।

सूडोकु नवताल- 6442

★☆☆☆☆ सरल

	4		7		1			3
3		5		4		1		
	2				8			
4		3						
	8			2			1	
						8		6
			2				3	
		9		8		2		4
1			4		6		9	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6441 का हल

9	2	7	4	8	6	5	3	1
5	1	6	3	2	9	4	8	7
3	4	8	7	1	5	9	6	2
8	3	4	9	5	1	2	7	6
7	6	5	8	4	2	3	1	9
1	9	2	6	3	7	8	5	4
6	7	3	2	9	8	1	4	5
2	8	1	5	7	4	6	9	3
4	5	9	1	6	3	7	2	8

शब्दजाल - 7189

स	रा	जें	द्र	स	ता	ना	वा	ज	पे	स
ल्त	फ	ल	प्रे	व	जी	म	द	ह	कां	र
न	स	ल	म	को	ह	रा	म	ल	ख	का
त	स	स	ता	दि	वा	ज	ध	त्रि	श	र
श	आ	र	ग	स	ज	ना	तू	दे	झ	प
न	ल	ला	र	दि	म	उ	ती	व	घ	स
स	ड़	क	फ्यू	जी	प	बा	ज	स	व	जा
श	एं	वा	स	र	फ	रो	श	ज	श	न्हा
मी	ड	ल	फू	ल	औ	र	आ	ग	स	आ
र	गॉ	ल	प	लि	जी	शी	ला	कौ	चे	द
वि	ज	स	त्ता	धी	श	डि	त	ब	त	म

शब्दजाल में 'स' से शुरु होने वाले दस शब्द ढूंढिए.दिये गए शब्द उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

सफलता,सरकार,सजा,सचेत,सजग,सरफरोश,सल्तनत,सड़क,सत्ताधीश,सताना

शब्दजाल - 7188 का हल

र	क	ल	द्री	म	ही	ला	धी	सी	ल	ज
र	जि	ल	दे	क्रां	ति	ड	इं	म	ला	ई
त	स	म	ल	र्म	छ	रा	रा	औ	म	द
ब	ज	ज	हा	पु	र	म	प	र	हा	ब
म	गा	म	ग	दे	लं	हा	तू	गी	रा	र्नि
स	म	व	श	ह	व	रा	ना	म	णा	ग
त्ते	ज	स	त	हू	प	जा	श	स	ला	ट्रे
पे	बू	दा	ई	ह	र	सा	फ	ल	श	न
स	र	चे	न	म	हा	न	री	ना	प	रु
त्ता	पा	ला	ल	शो	ले	दु	म	ज	दू	र
ह	रा	जी	व	गां	धी	रा	क	या	म	त

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6142

3		4			1	2
2	33		34	6	30	
5		7			3	
	42		25	1	22	6
	6	5			2	
	36		34	4	31	3
1	2	3		5		7

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6141 का हल

3	5	4	6	7	1	2
2	33	1	36	6	27	5
7	6	5	4	3	2	1
4	42	2	25	1	22	6
5	6	7	1	2	3	4
6	36	6	32	4	34	3
1	2	3	4	5	6	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

पुरुष जूनियर एशिया कप: चीनी ताइपे को भारत ने 18-0 से रौंदा

नई दिल्ली।

भारत ने यहां पुरुष जूनियर एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरूआत पूल ए के अपने पहले मैच में चीनी ताइपे को 18-0 से रौंदने के साथ की। हॉकी इंडिया ने एक विज्ञप्ति में सूचित किया कि भारत की जीत में अरिजीत सिंह हुंदल (19, 19, 30, 59) ने चार गोल किए, जबकि अमनदीप (37, 38, 41) ने हैट्रिक बनाई। कप्तान उत्तम सिंह (10, 59), बोबी सिंह धामी (11, 46) और चंदूरा बोबी पूवन्ना (9, 54) ने 2-2 गोल किए, जबकि आदित्य अर्जुन लालगे (37), शारदा नंद तिवारी (11)), अंगद बीर सिंह (37), आमिर अली (51) और रावत योगेम्बर (60) ने भी एक-एक गोल किया। भारत ने मैच की शुरूआत में दबाव बनाया और खुद के लिए एक महत्वपूर्ण पेनल्टी कार्नर अर्जित किया। लेकिन शारदा नंद तिवारी की फ्लिक का चीनी ताइपे ने बचाव किया। कप्तान उत्तम सिंह (10) ने विपक्ष के प्रतिरोध को तोड़ा और भारत के लिए पहला गोल किया, और कुछ सेकंड बाद, बॉबी सिंह धामी (11) ने एक शक्तिशाली स्ट्राइक के साथ भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया। शारदा नंद तिवारी (11) ने पेनल्टी कार्नर से भारत के लिए तीसरा गोल किया जिससे भारत ने पहला क्वार्टर 3-0 की बढ़त के साथ समाप्त किया।

भारत ने दूसरे हाफ में अपना दबदबा कायम रखा और एक और पेनल्टी कार्नर हासिल करने में सफल रहा। लेकिन इस बार रोहित का शॉट रोक दिया गया। एक मिनट बाद, अरिजीत सिंह हुंदल (19, 19) ने भारत की बढ़त को और बढ़ाने और विपक्ष पर दबाव बढ़ाने के लिए लगातार दो बार स्कोर किया। मध्यांतर के समय, अरिजीत (30) ने नेट्स के निचले दाएं कोने की ओर एक शक्तिशाली शॉट मारकर अपनी हैट्रिक पूरी की और भारत की बढ़त को 6-0 तक पहुंचा दिया। छह गोल से पीछे चल रही चीनी ताइपे ने तीसरी तिमाही की शुरूआत में तत्परता दिखानी शुरू की। लेकिन भारत ने जल्द ही मैच पर कब्जा जमा लिया और बॉबी सिंह धामी ने एक और अवसर बनाने के लिए सर्कल के अंदर प्रवेश किया, जिसे अंगद बीर सिंह (37) ने दूसरे गोल में बदल दिया।

कुछ सेकंड बाद, आदित्य अर्जुन लालगे (37) ने अंगद से एक शानदार पास प्राप्त करने के बाद गेंद को नेट्स में डाल दिया। अमनदीप (38) ने अगले मिनट में एक और गोल करके भारत की बढ़त को 9-0 कर दिया। क्वार्टर खत्म होने से पहले भारत ने तीन और गोल कर बढ़त को 12-0 कर लिया। घड़ी में 15 मिनट बचे होने के साथ, भारत ने आगे बढ़ना जारी रखा और बॉबी सिंह धामी (46) ने एक बार फिर स्कोर कर दिया। चीनी ताइपे ने अधिक गोल रोकने की उम्मीद में संख्या में बचाव करना शुरू किया। लेकिन भारतीय खिलाड़ियों के लगातार हमलों ने दबाव बनाए रखा।

पेनल्टी कार्नर से आमिर अल (51) के शक्तिशाली फ्लिक ने भारत की बढ़त को 14-0 कर दिया। चंदूरा बोबी पूवन्ना (54) ने 15वां गोल किया, जबकि कप्तान उत्तम सिंह (59), अरिजीत (59) और रावत योगेम्बर (60) ने अंतिम मिनट में तीन और गोल किए, जिससे भारत ने 18-0 की आसान बढ़त बना ली और एकतरफा अंदाज में जीत हासिल कर ली। भारतीय पुरुष हॉकी टीम अपने अगले मुकाबले में 25 मई को जापान से भिड़ेगी। उत्तम सिंह की अगुआई वाली टीम 27 मई को पाकिस्तान से भिड़ेगी और 28 मई को अपना आखिरी पूल गेम थाईलैंड के खिलाफ खेलेगी।

न्यूज ब्रीफ

राहुल द्रविड़ ने इंग्लैंड रवाना होने से पहले महिला टीम से की मुलाकात, हेड कोच ने दिए महत्वपूर्ण टिप्स

बेंगलुरु। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए इंग्लैंड रवाना होने से कुछ घंटे पहले पुरुष क्रिकेट टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने राष्टीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में महिला क्रिकेटरों से मुलाकात कर उनकी हौसलाअफजाई की। भारतीय महिला टीम बांग्लादेश दौरे पर रवाना होगी, जहां उसे तीन वनडे और तीन टी-20 मैच खेलने हैं। महिला टीम फिलहाल बांग्लादेश दौरे से पहले एनसीए में अनुकूलन शिविर में हिस्सा ले रही है। बीसीसीआई ने ट्वीट किया, मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने बेंगलुरु के एनसीए में सीनियर महिला क्रिकेटरों के साथ बहुत ही व्यावहारिक बातचीत की। उन्हें तैयारी, निरंतर सुधार की आवश्यकता और उत्कृष्टता हासिल करने की प्रक्रिया पर एक नया दृष्टिकोण मिला। हम भारत की शीर्ष महिला क्रिकेटरों के साथ बातचीत का समय निकालने के लिए राहुल द्रविड़ को धन्यवाद देते हैं। बातचीत सत्र के दौरान राहुल के साथ एनसीए प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण भी मौजूद थे। सत्र में दीप्ति शर्मा, शैफाली वर्मा, रिचा घोष, जेमिमा रोड्रिग्स, राजेश्वरी गायकवाड़, पूजा वस्त्रकार, देविका वैद्य, हरलीन देओल, सायका इशाक, अरुंधति रेड्डी सहित देश की शीर्ष क्रिकेटरों ने हिस्सा लिया।

डब्लूटीसी फाइनल से पहले इंट्रा-स्क्वाड मैच खेलेगी भारतीय टीम, पहला बैच हुआ इंग्लैंड रवाना

नई दिल्ली। भारतीय टीम अगले महीने विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल से पहले इंट्रा-स्क्वाड मैच खेल सकती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक आईपीएल 2023 में हिस्सा लेने वाले कई भारतीय खिलाड़ी अभ्यास मैच में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। इसके चलते टीम आपस में ही अभ्यास खेलने पर विचार कर रही है। बता दें कि 7 जून से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डब्लूटीसी का फाइनल खेला जाएगा। गौरतलब हो कि पिछली बार न्यूजीलैंड के खिलाफ भारतीय टीम हार गई थी। ऐसे में रोहित शर्मा एंड कंपनी के पास टेस्ट क्रिकेट में विश्व चैंपियन बनने का मौका है, लेकिन उन्होंने ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम को हराना पड़ेगा। हालांकि, भारतीय टेस्ट टीम को वार्म-अप गेम के बिना ही फाइनल में उतरना पड़ सकता है। क्योंकि कई भारतीय खिलाड़ी आईपीएल 16वें सीजन में व्यस्त हैं। इसे देखते हुए भारतीय मैनेजमेंट एक इंट्रा-स्क्वाड मैच आयोजित कर सकता है। क्रिकबज के अनुसार, टीम प्रबंधन इंट्रा-स्क्वाड मैचों के विकल्प पर विचार कर रहा है क्योंकि सभी खिलाड़ी अलग-अलग बैच में इंग्लैंड पहुंचेंगे। हालांकि, पूरी टीम 1 जून तक इंग्लैंड पहुंच जाएगी। भारतीय खिलाड़ियों का पहला बैच इंग्लैंड के लिए रवाना होने के लिए तैयार हैं। भारतीय ऑलराउंडर अक्षर पटेल और शार्दुल ठाकुर इंग्लैंड के लिए रवाना होने वाले खिलाड़ियों के पहले बैच में शामिल हैं। चेतेश्वर पुजारा पहले से ही वहां मौजूद हैं। फिलहाल वह काउंटी क्रिकेट में व्यस्त हैं।

अंडर-20 फुटबॉल विश्व कप: कोलंबिया ने वापसी कर जापान को 2-1 से हराया, अंतिम-16 में जगह बनाई

ला प्लाटा (अर्जेंटीना)। कोलंबिया ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी की और ला प्लाटा स्टेडियम में देर रात जापान पर ग्रुप सी के मैच में 2-1 से जीत दर्ज की और फीफा अंडर 20 विश्व कप टूर्नामेंट के अंतिम 16 में अपनी जगह पक्की कर ली। जापान ने 30वें मिनट में ट्रेनिंग ग्राउंड से सीधे कॉर्नर-किक रूटीन से गतिरोध तोड़ा। सोटा किटानो के साथ पासों के अच्छे आदान-प्रदान के बाद, ताइची फुकुई ने रिकू यामाने के लिए एक पास दिया, जिसने बॉटम कॉर्नर में गेंद पहुंचा दी। हालाँकि, दूसरा भाग कोलंबिया के बारे में था। यासर एस्प्रिला और स्थानापन्न टॉमस एंजल ने खेल दोबारा शुरू होने के पहले 15 मिनट के अंदर कोलंबिया को आगे कर दिया था। जापान के कप्तान कुर्यु मत्सुकी के दो मौकों पर क्रॉसबार पर गेंद मारने के साथ मैच नाटकीय रूप से समाप्त हुआ। जोस मारिया सांचेज मार्टिनेज द्वारा ऑन-पिच वीएआर समीक्षा के बाद समुराई ब्लू को स्पॉट-किक दिए जाने के बाद पहला पेनल्टी स्पॉट से था, और दूसरा एक शानदार हेडर से था।

आईपीएल में शुद्ध देसी रोमांच

प्लेऑफ के चारों कप्तान भारतीय ; विदेशी हेड कोच और कैप्टन का कॉम्बिनेशन बुरी तरह फेल

नई दिल्ली।

इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सीजन में इन दिनों प्ले-ऑफ राउंड के मुकाबले खेले जा रहे हैं। इस राउंड के लिए जैसे ही चार टीमों के नाम साफ हुए, यह तय हो गया कि इस बार ट्रॉफी कोई भारतीय कप्तान ही जीतेगा। लखनऊ, मुंबई, चेन्नई और गुजरात चारों के ही कप्तान भारतीय हैं। वहीं, टूर्नामेंट की जिन टीमों ने विदेशी कप्तान रखे, वे टॉप-5 तक में नहीं पहुंच सकीं। यहां तक कि जिन टीमों में हेड कोच और कप्तान दोनों विदेशी रहे, वो तो पॉइंट्स टेबल में सबसे लास्ट पोजिशन पर रहीं। आगे स्टोरी में हम जानेंगे कि आईपीएल के 16वें सीजन में विदेशी कप्तान और कोच रखने वाली टीमें कितनी सफल हुईं। वहीं भारतीय कप्तान या भारतीय हेड कोच रखने वाली टीमों ने कैसा प्रदर्शन किया।

3 कप्तान और 7 कोच विदेशी - आईपीएल की 10 टीमों में 10 कप्तान और उनके 10 हेड कोच हैं। 7 टीमों ने भारतीय तो वहीं 3 ने विदेशी कप्तान रखे। इसके उलट 3 ही टीमों ने भारतीय हेड कोच रखे, वहीं 7 हेड कोच विदेशी रहे। इनमें भी 2 टीमें दिल्ली कैपिटल्स और सनराइजर्स हैदराबाद के हेड कोच और कप्तान दोनों ही विदेशी हैं। वहीं गुजरात टाइटंस और कोलकाता नाइट राइडर्स ही ऐसी टीमें रहीं, जिनमें कप्तान और कोच दोनों भारतीय हैं। इन 4 टीमों के अलावा 6 टीमें ऐसी रहीं, जिनमें या तो हेड कोच भारतीय हैं या फिर कप्तान। यानी इन 6 टीमों के लीडरशिप रोल में एक भारतीय और एक विदेशी शामिल रहा।

3 टीमों में विदेशी कप्तान, तीनों प्लेऑफ में नहीं पहुंचीं - आईपीएल में पिछले साल की तरह इस बार भी 10 टीमें रखी गईं। पिछली बार जहां सिर्फ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने साउथ अफ्रीकी फाफ डु प्लेसिस को कप्तान बनाया था और 9 टीमों ने भारतीय कप्तान रखे थे। वहीं इस बार आरसीबी के साथ दिल्ली कैपिटल्स ने ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर और सनराइजर्स हैदराबाद ने साउथ अफ्रीका के ऐडन मार्करम को कप्तान बनाया। हैदराबाद और राजस्थान पॉइंट्स टेबल में लास्ट पोजिशन पर रहीं। वहीं आरसीबी छठे स्थान पर रहीं।

लीग स्टेज से बाहर होने वाली टीमों में विदेशी कप्तानों के अलावा राजस्थान रॉयल्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और पंजाब किंग्स के कप्तान भारतीय रहे, लेकिन ये भी प्लेऑफ में जगह नहीं बना सकीं। ये टीमें पॉइंट्स टेबल में 5वें, 7वें और 8वें नंबर पर रहीं।

प्लेऑफ की चारों टीमों के कप्तान भारतीय - लीग स्टेज में जहां विदेशी कप्तानों ने स्ट्रगल किया, वहीं प्लेऑफ में पहुंचने वाली चारों टीमों के कप्तान भारतीय रहे। गुजरात के तो कप्तान हार्दिक पंड्या और हेड कोच आशीष नेहरा दोनों इंडियन हैं। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह, मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा और लखनऊ सुपरजायंट्स के कप्तान क्रुणाल पंड्या भी भारतीय हैं, लेकिन इन तीनों ही टीमों के हेड कोच विदेशी हैं। मुंबई से एलिमिनेटर में हारकर प्लेऑफ से बाहर हो चुकी लखनऊ सुपरजायंट्स की कप्तानी शुरुआती 9 मैचों में केएल राहुल ने भी की, जो भारतीय टीम के अहम खिलाड़ी हैं। यानी भारतीय कप्तान रखने वाली टीमों को आईपीएल के इस सीजन में विदेशी कप्तानों की तुलना में ज्यादा सफलता मिली।

विदेशी कप्तान और कोच का कॉम्बिनेशन फेल - पॉइंट्स टेबल में 5 ही जीत के बाद 9वें नंबर पर रहने वाली दिल्ली के कप्तान डेविड वॉर्नर तो विदेशी ही हैं, टीम के हेड कोच रिकी पॉन्टिंग भी विदेशी हैं। दोनों ही ऑस्ट्रेलिया से हैं। वहीं महज 4 जीत के साथ 10वें नंबर पर रही सनराइजर्स हैदराबाद में कप्तान ऐडन मार्करम को विदेशी कोच ब्रायन लारा का साथ मिला, लेकिन टीम कुछ खास नहीं कर सकी। लारा वेस्टइंडीज के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी हैं। इतना ही नहीं पॉइंट्स टेबल में 8वें नंबर पर रही पंजाब किंग्स के हेड कोच ऑस्ट्रेलिया के ट्रेवर बेलिस हैं। टीम के कप्तान तो भारत के शिखर धवन ही हैं, लेकिन 3 मैचों में धवन इंजर्ड होकर मैच नहीं खेल सके। इनमें इंग्लैंड के सैम करन ने टीम की कमान संभाली। करन ने 3 में से टीम को 2 मैच जिताए, लेकिन धवन ने टीम के 8वें लीग मैच से वापसी कर ली। यहां टीम का मैनेजमेंट बिगड़ा, इससे आखिरी 5 मैच हार गई और टॉप-4 में एंट्री नहीं कर सकी। यानी यहां भी आंशिक रूप से विदेशी कोच और कप्तान का ही कॉम्बिनेशन रहा और टीम पॉइंट्स टेबल में डीसी और हैदराबाद के ही ऊपर 8वें नंबर पर रही।

कप्तान या कोच भारतीय तो प्लेऑफ के करीब आईं टीमें - पॉइंट्स टेबल में 5 से 7 नंबर पर जो टीमें रहीं। उनमें राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन और कोलकाता के कप्तान नीतीश राणा भारतीय थे। वहीं आरसीबी के कप्तान फाफ डु प्लेसिस तो विदेशी थे, लेकिन हेड कोच भारत के संजय बांगर रहे। यानी तीनों ही टीमों के लीडरशिप रोल में एक न एक भारतीय था और तीनों ही टीमें अपने आखिरी मैच तक प्लेऑफ क्वालिफिकेशन के करीब रहीं। राजस्थान पॉइंट्स टेबल में पांचवें नंबर पर रही। टीम के हेड कोच श्रीलंका के कुमार संगकारा रहे, टीम ने 14 मैचों में 7 जीत से 14 पॉइंट्स हासिल किए। लीग स्टेज के आखिरी दिन अगर मुंबई इंडियंस अपना मैच हार जाती तो आरआर प्लेऑफ में क्वालिफाई कर जाती। बेंगलुरु लीग स्टेज का आखिरी मुकाबला जीटी के खिलाफ हार गई। टीम 14 मैचों में 7 जीत से 14 पॉइंट्स लेकर छठे नंबर पर रही, अगर टीम गुजरात को हरा देती तो प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई कर जाती।

आईपीएल फाइनल देखने आएंगे बांग्लादेश, अफगानिस्तान और श्रीलंका बोर्ड अध्यक्ष: जय शाह ने कहा- एशिया कप के भविष्य पर होगी चर्चा

नई दिल्ली।

इंडियन प्रीमियर लीग 2023 का फाइनल मुकाबला 28 मई को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। यह मैच देखने बांग्लादेश, अफगानिस्तान और श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष आएंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड सचिव जय शाह ने कहा, अभी तक एशिया कप 2023 की मेजबानी के संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया गया है। श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष आईपीएल फाइनल देखने आ रहे हैं। इस दौरान हम एशिया कप पर चर्चा करेंगे और उचित समय पर अंतिम निर्णय लेंगे।

विवाद की वजह - आईसीसी के कैलेंडर में 2023 में होने वाले एशिया कप की मेजबानी पाकिस्तान को दी गई है। बीसीसीआई ने कैलेंडर जारी होते ही यह साफ कर दिया था कि भारतीय टीम खेलने के लिए पाकिस्तान नहीं जाएगी। बीसीसीआई ने सुरक्षा का हवाला दिया था। बीसीसीआई ने एशिया कप किसी न्यूट्रल वेन्यू पर कराने को कहा था, लेकिन पीसीबी नहीं माना, क्योंकि अपनी बिगड़ी हुई आर्थिक स्थिति संवारने के लिए उसे एशिया कप से ही उम्मीद है। हालांकि, पाकिस्तान ने टूर्नामेंट को हाइब्रिड मॉडल पर कराने का प्रस्ताव भी दिया था। इसके मुताबिक, भारत के मैच बाहर करा दिए जाएंगे। टूर्नामेंट के बाकी मैच पाकिस्तान में होंगे। भारत अगर फाइनल में पहुंचता है तो फाइनल भी पाकिस्तान के बाहर होगा।

श्रीलंका और बांग्लादेश ने किया था बीसीसीआई का समर्थन - मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पीसीबी के इस हाइब्रिड मॉडल को सदस्य देशों (श्रीलंका और बांग्लादेश) ने खारिज कर दिया था। हालांकि एशियन क्रिकेट काउंसिल ने कोई औपचारिक बयान नहीं दिया था। वहीं श्रीलंका क्रिकेट और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने एशिया कप टूर्नामेंट को पाकिस्तान से बाहर (न्यूट्रल वेन्यू) करने के मामले में बीसीसीआई का समर्थन किया था।

10 साल में भारत-पाक के बीच 15 मैच - दोनों देशों के बीच आखिरी बाइलैट्रल सीरीज जनवरी 2013 में भारत में हुई थी। पाकिस्तान ने इस दौरे पर 3 वनडे और 2 टी-20 खेले थे। इसके बाद दोनों देश मल्टीनेशनल टूर्नामेंट में ही भिड़े। दोनों के बीच सभी फॉर्मेट के कुल 15 मुकाबले ही हो सके।

एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम में वापसी चाहते हैं बोल्ट

क्राइस्टचर्च।

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने कहा है कि वह इस साल अक्टूबर-नवंबर में भारत में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप में खेलना चाहते हैं। बोल्ट ने टी20 लीग खेलने के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट के साथ सालाना अनुबंध नहीं किया है पर वह इस साल के अंत में भारत में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप में खेलना चाहते हैं। इससे पहले बोल्ट ने कहा था कि वह अपने परिवार के साथ अधिक समय बिताने और दुनिया भर में फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलने के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट का अनुबंध नहीं चाहते हैं।

बोल्ट गत वर्ष हुए टी20 विश्व कप के बाद से ही टीम से बाहर हैं क्योंकि चयनकर्ताओं ने अनुबंधित खिलाड़ियों को ही टीम में जगह दी है। वहीं अब बोल्ट ने कहा,'' मेरी अब भी पूरी इच्छा है कि मैं न्यूजीलैंड की तरफ से इस आईसीसी टूर्नामेंट में खेलूं। मैं भाग्यशाली रहा कि मुझे न्यूजीलैंड की तरफ से 13 साल तक खेलने का मौका मिला। न्यूजीलैंड की टीम साल 2019 में विश्व कप फाइनल में पहुंचकर हार गयी थी पर इस तेज

गेंदबाज के अनुसार उनकी टीम भारत में अक्टूबर-नवंबर में विजेता बन सकती है

उन्होंने कहा,'' मुझे याद है कि 2019 के फाइनल के बाद मैंने कप्तान केन विलियमसन से कहा था कि हमें भारत में 2023 में फिर से यहां पर पहुंचना है। यह दुखद है कि उसका घुटना चोटिल हो गया है पर वह विश्वकप तक फिट होने के लिए अपनी तरफ से पूरे प्रयास करेगा। विश्वकप इतना शानदार टूर्नामेंट है और मैं इसमें निश्चित तौर पर भाग लेना चाहता हूं। गौरतलब है कि विलियमसन आईपीएल के शुरू में चोटिल हो गए थे और उनका विश्वकप में खेलना संदिग्ध है।

मलेशिया मास्टर्स के क्वार्टर-फाइनल में पहुंचीं पीवी सिंधू, प्रणय भी अंतिम-आठ में

नई दिल्ली।

भारत के स्टार शटलर पीवी सिंधू और एचएस प्रणय ने मलेशिया मास्टर्स बैडमिंटन के क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली है। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और छठी वरीयता प्राप्त पीवी सिंधू ने जापान की आया ओहोरी को सीधे गेम में 21-16,21-11 से मात दी। यह मुकाबला 40 मिनट तक चला। सिंधू और ओहोरी के बीच अब तक 12 मुकाबले खेले गए हैं और उन सभी में सिंधू ने ओहोरी को हराया है। क्वार्टर-फाइनल में सिंधू चीन की यी मान हांग से भिड़ेंगी।

वहीं, प्रणय को चीन के शी फेंग ली को हराने के लिए खासा मेहनत करनी पड़ी और तीन मुश्किल गेम के बाद उन्हें जीत मिली। विश्व रैंकिंग में नौवें स्थान पर काबिज प्रणय को पहले गेम में 21-13 से हार मिली थी। इसके बाद उन्होंने शानदार वापसी करते हुए विश्व नंबर 11 फेंग ली को अगले दो गेमों में 21-16 और 21-11 से शिकस्त दी। यह मैच एक घंटा दस मिनट तक चला। प्रणय अपने अगले मुकाबले में जापान के केंता निशीमोतो से होगा। वहीं, श्रीकांत ने इंडिया ओपन चैंपियन और थाईलैंड के आठवें वरीय कुनलावुत वितिदसर्न पर जीत हासिल की। मैच में 0-3 के हेड-टू-हेड रिकॉर्ड के साथ आते हुए श्रीकांत ने वितिदसर्न पर 21-19, 21-19 से जीत दर्ज की और क्वार्टर फाइनल में भी जगह बनाई। अब वह 2021 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता इंडोनेशियाई क्वालिफायर क्रिश्चियन एडिनाटा से भिड़ेंगे। लक्ष्य सेन हॉन्गकॉन्ग के एंगस एनजी का लोंग से 14-21, 19-21 से हार गए और उनका अभियान समाप्त हो गया।

पहलवानों के सपोर्ट में महापंचायत

विनेश फोगाट बोलीं- बेटियों का शोषण करने वाला बृजभूषण श्रीराम हो गया, बजरंग बोले- सिर काट भी सकते हैं

पानीपत।

भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण की गिरफ्तारी की मांग को लेकर पहलवान जंतर-मंतर पर लगातार 32 दिन से धरने पर बैठे हुए हैं। इस बीच खटकड़ टोल पर महापंचायत हुई। जिसमें जम्मू कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक, बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट भी पहुंचे। इस मौके पर बजरंग पूनिया ने कहा कि ये लड़ाई हम जरूर जीतेंगे। बृजभूषण कहते हैं कि उनका कोई कुछ नहीं कर सकता, लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि हम सिर झुका सकते हैं तो सिर काट भी सकते हैं।

विनेश फोगाट ने कहा- महिला खिलाड़ी अपने साथ हो रहे शोषण के कारण पिछले 12 साल से तिल-तिल मर रही थी। बृजभूषण दरिंदा नोच-नोच कर खा रहा था। वह अपने घर वालों को भी नहीं बता पा रही थी। अब अपनी जान हथेली पर रखकर उन्होंने अन्याय के खिलाफ सड़क पर बैठना पड़ा है। विनेश ने इसके बाद ट्ववीट करते हुए लिखा- देश की बेटियों का शोषण करने वाला बृजभूषण आज श्री राम हो गया, मेरे भारत देश में खेल रत्न बेटियों का मंथरा नाम हो गया...।

जान चली जाए लेकिन शान नहीं जाने देंगे - विनेश फोगाट ने कहा कि जब वह मेडल लेकर आए थे तो लगा था कि यहां बेटियों की बहुत इज्जत होती है, लेकिन अब यह हाल है कि वह सड़कों पर बैठी हैं और कोई सुध नहीं ले रहा है। यह तिरंगे की आन-बान की लड़ाई है। जान चली जाएगी लेकिन शान नहीं जाने देंगे। कुश्ती ही नहीं, सभी खेलों में बृजभूषण जैसे दरिंदे बैठे हैं, अब सभी को उखाड़ फेंकेंगे, लेकिन इसके लिए सभी पीड़ितों को आगे आना होगा।

पीएम मोदी और बृजभूषण पर लगाए झूठे आरोप - पहलवानों के खिलाफ दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट में याचिका दायर की गई है। याचिकाकर्ता बम बम महाराज की तरफ से अधिवक्ता एपी सिंह ने कोर्ट में याचिका दायर की है। इस याचिका में कहा गया है कि पहलवान विनेश फोगाट, बजरंग पूनिया और साक्षी मालिक सहित अन्य पहलवानों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण सिंह पर झूठे आरोप लगाए हैं। उन्होंने जंतर मंतर से भड़काऊ भाषण दिए। कहा गया है कि बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ लगाए गए सभी आरोप झूठे हैं। इस तरह का आरोप किसी के दबाव में व्यक्तिगत लाभ के लिए लगाए गए हैं।

शिकायत में ये भी कहा गया - आगे कहा कि आरोपी पहलवान अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट भी खेलते हैं। इनमें कोई भी कथित अपराध का विरोध करने में शारीरिक या दूसरे तरीकों से कमजोर नहीं थे। इसलिए इस बात पर भरोसा करना मुश्किल है कि उन्हें एक 66 साल के व्यक्ति ने परेशान किया था। याचिका में कहा गया है कि इनमें से किसी भी पहलवान ने पहले न तो कथित उत्पीड़न का विरोध किया और न ही पुलिस स्टेशन, महिला हेल्पलाइन या राज्य महिला आयोग में कोई लिखित या मौखिक शिकायत दी या मुकदमा दर्ज कराया। जंतर-मंतर पर पहलवानों का विरोध प्रदर्शन महज पुलिस और अदालत पर अनावश्यक दबाव बनाने के लिए बनाया जा रहा है। 18 जनवरी 2023 को दिल्ली के जंतर-मंतर पर विनेश फोगाट, साक्षी मलिक के साथ बजरंग पूनिया ने धरना देना शुरू कर दिया। आरोप लगाया कि कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने कई महिला पहलवानों का यौन शोषण किया है। विनेश ने आरोप लगाया कि बृजभूषण होटल के उसी फ्लोर पर रुकते थे, जहां महिला पहलवान ठहरती थीं। 21 जनवरी को विवाद बढ़ने के बाद खेल मंत्री अनुराग ठाकुर से पहलवानों की मुलाकात हुई और धरना खत्म हो गया। भरोसा मिला कि चार हफ्ते के अंदर कमेटी की जांच रिपोर्ट आएगी, तब तक बृजभूषण सिंह के अधिकार छीने जाते हैं। जांच की मियाद को दो हफ्ते बढ़ाया गया। लेकिन यह रिपोर्ट अब तक सार्वजनिक नहीं हुई है।

हेयरफॉल से हैं परेशान, तो करें सिर की तेल से मालिश

बालों के गिरने, सफेद होने, इन्फेक्शन होने और डैंड्रफ की समस्या से लगभग सभी लोग कभी न कभी परेशान होते हैं। इसके लिए तमाम तरह के ट्रीटमेंट लिए जाते हैं, साथ ही उसके असर के लिए लंबा इंतजार भी करना पड़ता है। इन सभी समस्याओं से जल्द छुटकारा पाने के लिए रोजाना बालों में तेल लगाना फायदेमंद होने के साथ ही यह असरदार इलाज है।

बालों की ग्रोथ के लिए: बालों की ग्रोथ पूरी तरह से उसे मिलने वाले न्यूट्रिशन पर डिपेंड करती है। प्रोटीन और विटामिन्स बालों के लिए सबसे जरूरी चीज है। कर्लिंग, स्ट्रेटनिंग और ऐसे ही कई तरह के ट्रीटमेंट से डैमेज हो रहे बालों की क्वालिटी को हफ्ते में 3-4 बार तेल लगाकर काफी हद तक सुधारा जा सकता है। तेल से बालों की जड़ों में अच्छे से मसाज करें जिससे ब्लड सकुर्लेशन सुधरता है। जड़ों में तेल एब्जॉर्ब होने से उसे कई जरूरी न्यूट्रिशन आसानी से मिल जाते हैं जो बालों को लंबा, घना और मुलायम बनाते हैं। सिर की जड़ों पर गंदगी जमा होते रहने से कई तरह के बैक्टीरियल और फंगल इन्फेक्शन होने का खतरा बना रहता है। इसके साथ ही डैंड्रफ और जूं की समस्या भी हो सकती है जो बालों को कमजोर बनाता है और वो हल्के होकर टूटने लगते हैं।

नाइट शिफ्ट करने से महिलाओं को दिल की बीमारी का खतरा

नाइट शिफ्ट और उसमें बार-बार फेरबदल से महिलाओं में हृदय रोग का खतरा संभवत: थोड़ा बढ़ सकता है। एक नए अध्ययन में यह बात सामने आई है। अध्ययन में पाया गया है कि जो महिलाएं दस साल से अधिक समय से नाइट शिफ्ट में काम कर रही हैं, उनमें 15 से 18 प्रतिशत अधिक कोरोनरी हार्ट डिसीस (सीएचडी) का जोखिम होता है। सीएचडी की कई वजह होती हैं जैसे धूम्रपान, असंतुलित आहार, शारीरिक श्रम की कमी और उच्च बॉडी मास इंडेक्स।

बेहद खतरनाक है फोबिया

यदि आपका डर आपके लिए सजा बन जाए तो यह आपके लिए खतरे की बात है, क्योंकि आपको मात्र डर नहीं है बल्कि आप फोबिया से ग्रस्त हैं। फोबिया केवल डर ही नहीं, एक गंभीर बीमारी है, जो आपके पूरे जीवन को प्रभावित कर सकती है।

क्या है फोबिया

फोबिया एक प्रकार का रोग है, जिसमें इंसान को किसी खास वस्तु, कार्य एवं परिस्थिति के प्रति भय उत्पन्न हो जाता है। इसमें व्यक्ति उन चीजों से बचने की कोशिश करता है। फोबिया में अपने डर की सोच भी व्यक्ति को इतना डरा देती है कि उसकी मानसिक व शारीरिक क्षमताओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसमें इंसान का डर वास्तविक या काल्पनिक दोनों हो सकते हैं। आमतौर पर किसी भी तरह के फोबिया से ग्रस्त रोगी अपने डर पर पर्दा डाले रहते हैं। उन्हें लगता है कि अपना डर दूसरों को बताने से लोग उन पर हंसेंगे। इसलिए वे अपने डर व उस परिस्थिति से सामना करने की बजाय बचने की हर संभव कोशिश करते हैं।

कैसे-कैसे फोबिया

चाइल्डहुड फोबिया- यह फोबिया बचपन से होने वाला फोबिया है। इसमें बचपन में ही किसी चीज, व्यक्ति, जानवर या परिस्थिति के प्रति डर बैठ जाता है, जो वक्त के साथ खत्म न होने पर फोबिया बन जाता है। यह डर या तो बच्चों में खुद होता है या कई बार अभिभावक ही बच्चों को अनुशासन में रखने के लिए किसी चीज से डरा देते हैं। वैसे तो यह डर उम्र के साथ खत्म हो जाता है, लेकिन कई बार जब यह डर बड़े होने पर भी नहीं जाता तो फोबिया का रूप धारण कर लेता है। इसलिए बच्चों को डराने की बजाय प्यार से समझाने की कोशिश करें।

एडल्टहुड फोबिया- कुछ डर वयस्क होने के बाद पैदा होते हैं। इनका प्रभाव सबसे ज्यादा यंग जनरेशन पर पड़ता है। एडल्टहुड फोबिया में कई तरह के फोबिया शामिल होते हैं।

एग्रोफोबिया- एग्रोफोबिया एक तरह का फोबिक डिसऑर्डर है, जो यह अपने साथ कई अन्य परेशानियां भी लाता है। इनमें डिप्रेशन, हर तरह की बेचैनी आदि प्रमुख हैं। एग्रोफोबिया में व्यक्ति को बिना किसी कारण के ही डर लगता है। यह डर किसी चीज, व्यक्ति, जानवर या परिस्थिति से जुड़ा हुआ न होकर खुद के प्रति ही होता है। एग्रोफोबिया का मरीज अकेलेपन से डरता है। वह भीड़ में खड़ा होकर भी खुद को अकेला ही महसूस करता है। वह कहीं अकेले जा नहीं सकता, अकेले रह नहीं सकता। उसे लगता है कि वह किसी भी परिस्थिति का सामना नहीं कर सकता। ऐसे लोगों का आत्मविश्वास न के बराबर होता है। ऐसे लोग अकेले बाहर न जा सकने के कारण खुद को घर में ही कैद कर लेते हैं। कुछ मामलों में तो यहां तक देखा गया है कि एग्रोफोबिया के मरीज कई सालों तक घर से बाहर नहीं निकले हैं।

सोशलफोबिया- युवाओं में पाया जाने वाला सबसे आम फोबिया है। इस फोबिया के शिकार आमतौर पर स्कूल और कॉलेज जाने वाले युवा होते हैं। सोशल फोबिया के शिकार लोग किसी भी सार्वजनिक स्थान पर जाने से, वहां बोलने से, वहां खाने से भी डरते हैं। इस फोबिया में सबसे ज्यादा स्पीचिंग कम्यूनिकेशन की समस्या होती है। ऐसा व्यक्ति सार्वजनिक रूप से किसी भी तरह की परफोर्मेंस या बोलने से डरता है।

उपचार

फोबिया के इलाज के लिए कोई एक खास ट्रीटमेंट नहीं होता है। हर मरीज का फोबिया और उसकी परिस्थिति अलग-अलग होती है, इसलिए फोबिया का इलाज भी मरीज और उसके डर के अनुरूप ही किया जाता है। फोबिया के इलाज के लिए दवाएं, काउंसिलिंग, मनोवैज्ञानिक थेरेपी का इस्तेमाल किया जाता है। फोबिया के ट्रीटमेंट के लिए रोगी के थायरॉयड, ब्लड शुगर, डायबिटीज आदि की जांच करना भी जरूरी होता है।

आपकी रसोई में छिपा है कई बीमारियों का उपचार

कई बार ऐसा होता है, जब अचानक तकलीफ होती है और आप डॉक्टर के लिए बेचैन हो जाते हैं। ऐसी कई तकलीफों की अचूक दवा आपकी रसोई में होती है, कई असाध्य बीमारियों का आसान इलाज हमारे घर में ही उपलब्ध होता है, लेकिन जानकारी के अभाव में हम उसका लाभ नहीं उठा पाते। दादी-नानी के इन नुस्खों की जानकारी समय पर काफी सहायक साबित होती है। जानते हैं ऐसे कुछ अचूक उपाय।

अस्थमा

अगर आपको अस्थमा है तो आधा चम्मच दालचीनी पाउडर थोड़े-से शहद में मिला कर रोज रात में लें। यह आपकी श्वांस नली में सूजन और संक्रमण को कम कर तकलीफ से निजात दिलाएगा।

खांसी

तुलसी के हरे पत्ते लें, इन्हें मसल कर इनका रस निकाल लें, शहद और काली मिर्च के साथ मिला कर लें। इससे न सिर्फ सूखी खांसी से हुआ गले का रूखापन कम होगा, बल्कि यह कफ साफ करने में भी मददगार साबित होगा।

कील मुहांसे

कील, मुहांसे अक्सर युवाओं को परेशान करते रहते हैं और बेदाग त्वचा पाने के लिए लोग हर संभव प्रयास करते हैं। अगर आप भी इस तरह की समस्या से परेशान हैं तो एक छोटे चम्मच नींबू के रस में एक चम्मच गुलाब जल मिलाएं। कॉटन से इसे चेहरे पर लगाएं। आधे घंटे बाद इसे ताजे पानी से धो लें। ऐसा हर 10-15 दिन में एक बार करें।

सिरदर्द

सिरदर्द से परेशान हैं तो दो चम्मच अदरक का रस प्याज और नींबू के रस में मिलाएं और पी जाएं। अगर आपको अक्सर सिरदर्द की समस्या रहती है तो इसे ज्यादा मात्र में बना कर स्टोर भी कर सकते हैं।

अपच

अपच होने पर एक बड़ा चम्मच अनार का जूस, एक छोटा चम्मच भुना जीरा पाउडर एक छोटे चम्मच गुड़ के साथ मिलाएं। इसे दिन में दो-तीन बार लें। इससे अपच की समस्या से तुरंत आराम मिलेगा।

खुजलाहट

अगर आपको मामूली स्किन एलर्जी हुई है और खुजलाहट हो रही है तो तुरंत आराम के लिए हल्दी पाउडर में अजवाइन का पाउडर मिला कर लगाएं। प्याज का रस भी खुजलाहट वाली जगह पर लगाने से आराम मिलता है। दरअसल इन चीजों में पर्याप्त मात्र में एंटीऑक्सीडेंट होता है, जो संक्रमण से राहत दिलाता है।

खराब पाचन

अदरक पाउडर, घी और गुड़ बराबर मात्र में मिलाएं। इसकी छोटी-छोटी गोलियां बना कर रख लें और खाना खाने के बाद एक गोली खाएं। इससे आपका मेटाबोलिक सिस्टम ठीक हो जाएगा।

खराब गला

लौंग, अदरक और तुलसी के पत्ते पानी में उबालें और छान कर पी लें। एक चम्मच चाय की हरी पत्तियां पानी में तब तक उबालें, जब तक पानी आधा न हो जाए। इसमें थोड़ा-सा नमक डालें और पी लें। इससे आपको तुरंत आराम मिलेगा।

पेट में दर्द

अजवाइन को पानी के साथ पीस लें और इसमें हींग मिला कर नाभि के आसपास लेप लगाएं। इससे पेट दर्द से तुरंत राहत मिलेगी।

छींक से राहत

दो चम्मच अजवाइन तवे पर भून लें। इसे एक रूमाल में बांध कर सूंघें।

डायरिया

एक छोटा चम्मच मेथी दाना लें, इसे एक चम्मच दही के साथ बिना चबाए खा लें, इससे डायरिया में तुरंत आराम मिलेगा। अगर दिक्कत ज्यादा है तो इसे दिन में दो बार लें। मेथी के दाने पानी के साथ भी ले सकते हैं। नींबू के रस में नमक डालें और इसे बिना पानी मिलाए मेथी के दाने इसके साथ निगल लें। पेट में ऐंठन और डायरिया से आराम के लिए एक चम्मच भुना जीरा और एक चम्मच सौंफ हर दो-तीन घंटे के अंतराल में पानी के साथ लें।

कब्ज रहता है तो इस्तेमाल करें नारियल का तेल

भागमभाग भरी इस जिंदगी में अक्सर लोग ये जानते हुए भी कि जंक फूड में मैदे, पनीर, मक्खन, नमक और चीनी का बहुत ज्यादा इस्तेमाल होता है, जंक फूड को बहुत ज्यादा महत्व देते हैं। इससे सेहत संबंधी कई समस्याएं सामने आती हैं। इन समस्याओं में सबसे ऊपर है पाचन की समस्या। इसके अलावा दवाओं के इस्तेमाल, गर्भवती महिलाओं के हार्मोन के असंतुलन और व्यायाम न करने से होने वाली कब्ज जैसी समस्याएं आम हैं। अपच से पेट में दर्द, चिड़चिड़ापन और दैनिक कार्यों में एकाग्रता की कमी जैसी कई मुश्किलें आती हैं। कब्ज से तो कालोरेक्टल कैंसर होने की भी आशंका हो सकती है।

कब्ज में फायदेमंद

लेकिन कब्ज या अपच जैसी बीमारियों को रोकने का बहुत ही आसान-सा समाधान है। खाना बनाते समय अगर तेल पर ध्यान दिया जाए तो यह समस्या बहुत आसानी से हल हो सकती है। नारियल तेल के थोड़े मीठे स्वाद के कारण खाना बनाने में इसका इस्तेमाल बहुत कम लोग करते हैं। लेकिन शायद आपको यह जान कर ताज्जुब होगा कि अगर आपको कब्ज या पाचन संबंधी अन्य तकलीफ रहती है तो नारियल का तेल आपकी तकलीफों को खत्म कर सकता है।

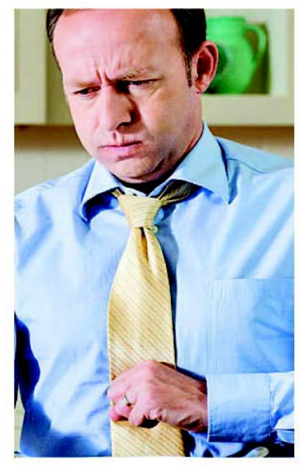

पाचनशक्ति रहे दुरुस्त

दरअसल नारियल तेल में मीडियम चेन फैटी एसिड होता है, जो अन्य वसायुक्त तेलों के मुकाबले ज्यादा घुलनशील है और इसी वजह से नारियल तेल को पचाने में हमारे शरीर को काफी आसानी होती है। दूसरे रिफाइंड तेल में लॉन्ग चेन फैटी एसिड होते हैं, जिन्हें पचाने में काफी समय लगता है। इसलिए सलाद ड्रैसिंग जैसे व्यंजन बनाते समय नारियल तेल की कुछ बूंदों का उपयोग सेहत के लिए तो फायदेमंद साबित होगा ही, उस व्यंजन का स्वाद भी और बेहतर हो जाएगा। दूसरे वसायुक्त तेल पाचन क्रिया में बहुत अधिक समय लेते हैं, लेकिन नारियल का तेल अन्य वसा के मुकाबले जल्दी पचता है और तत्काल ऊर्जा देता है। इस तेल को खाने से सुस्ती भी नहीं आती। इसके अलावा इसमें फाइबर की मात्र बहुत ज्यादा होती है और यह पोषक तत्वों से भी भरपूर होता है।

संक्रमण से बचाए

नारियल तेल में एंटी माइक्रोबियल गुण होते हैं, जो अपच की समस्या से लड़ने में मदद करते हैं। ये विटामिन, खनिज लवण और अमीनो एसिड को अवशोषित करने में सक्षम होते हैं। वर्जिन नारियल तेल में एंटी बैक्टीरियल, एंटी फंगल और एंटी वायरल एजेंट्स होते हैं, जो पाचन क्रिया को बढ़ाते हैं और कई तरह के संक्रमण को रोकने में मदद करते हैं।

कई दर्द में राहत दे

कब्ज की समस्या और खून में कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम करने के अलावा वर्जिन नारियल तेल कई संक्रमणों जैसे कि उल्टी, खांसी, घाव को कम करने, कान के दर्द को कम करने, दांत दर्द कम करने, पेट दर्द, निमोनिया, बच्चों के डायपर से होने वाले रैश को कम करने, मधुमेह, दाद और हेपेटाइटिस को रोकने में अहम भूमिका निभाता है।

डेंटल हाइजीनिस्ट एक बेहतरीन कॅरियर विकल्प

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सबसे ज्यादा जॉब्स

आज बदलते लाइफ स्टाइल के कारण लोगों में डेंटल प्रॉब्लम्स लगातार बढ़ती ही जा रही हैं। इसी के चलते आज डेंटल हाइजीनिस्ट की मांग बहुत बढ़ गई है और यह एक बेहतर कॅरियर विकल्प के रूप में यह सामने आया है। डेंटल हाइजीनिस्ट ओरल हेल्थ की देखभाल का स्पेशलिस्ट होता है। अगर आप इस फील्ड में अपना कॅरियर बनाना चाहते हैं, तो अवसरों का अंदाजा आप इस बात से लगा सकते हैं कि आने वाले समय में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सबसे ज्यादा जॉब इसी फील्ड में मानी जा रही हैं।

नेचर ऑफ वर्क...

डेंटल हाइजीनिस्ट का काम डेंटिस्ट की हेल्प के साथ दांतों की सफाई, छिलाई, एक्सरे लेना, उन्हें डिवलप करना, उपकरण स्टरलाइज करना, डेंटल क्लीनिंग, स्केलिंग, पॉलिशिंग व डेंटल इंप्रेशन लेना आदि है। यह पेशेंट की मेडिकल हिस्ट्री, ब्लड प्रेशर व जरूरी डिटेल भी चेक करता है। डेंटल हाइजीनिस्ट के नया कॅरियर होने के कारण इसमें भविष्य की ढेरों संभावनाएं हैं। इसका एक कारण यह भी है कि आज हर दूसरा व्यक्ति डेंटल डिजीज से ग्रस्त है। स्मार्ट दिखने के लिए काफी संख्या में ऐसे लोग डेंटल हाइजीनिस्ट के पास जाते हैं।

इंस्टीट्यूट वॉच ...

- दिल्ली पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, दिल्ली
- महर्षि मार्कंडेश्वर कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज एंड रिसर्च, मुलाना, हरियाणा
- लक्ष्मीबाई इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेंज एंड हॉस्पिटल, पटियाला, पंजाब
- मॉडर्न डेंटल कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर, इंदौर, मप्र

अपॉर्चुनिटी...

डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया, नई दिल्ली से संबंधित कुछ कॉलेजों से डेंटल मैकेनिक व डेंटल हाइजीन से जुड़े सर्टीफिकेट या डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं। विदेश के मुकाबले देश में अभी इसमें अटेंशन कम है, लेकिन ग्रोथ को देखते हुए अब लोग इस ओर रुख कर रहे हैं। अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, यूके जैसे देशों में डेंटल हाइजीनिस्ट को एक अच्छा कॅरियर माना जाता है। जानकारों के अनुसार स्थिति यह है कि जनसंख्या के हिसाब से डेंटिस्ट हाइजीनिस्ट की जितनी जरूरत है, वे उससे कम हैं। ऐसे में डेंटिस्ट हाइजीनिस्ट के लिए हॉस्पिटल्स के डेंटल ट्रीटमेंट डिपार्टमेंट के अलावा प्राइवेट सेक्टर में भी स्कोप है। वे एजुकेशन सेक्टर में भी किस्मत आजमा सकते हैं। नर्सिंग होम्स, रिसर्च डिपार्टमेंट्स, फॉर्मास्युटिकल कंपनियों में भी कॅरियर बना सकते हैं।

...तो अब ब्लड शुगर को कर सकेंगे नियंत्रित

हम में से अधिकांश खाना पकाने में रिफाइंड अनाज का प्रयोग करते हैं। यह ऐसा अनाज है जिसकी बाहरी परत नहीं होती। इस बाहरी परत को व्हीट ब्रान कहते हैं। इसमें विटामिन बी-1, बी-2, बी-3, विटामिन-ई, आयरन, फोलिक एसिड, कैल्शियम, फासफोरस, जिंक, कॉपर तथा फाइबर भरपूर मात्रा में होते हैं। इसके बिना हमारा अनाज उतना स्वस्थ नहीं होता जितना कि यह हो सकता है।

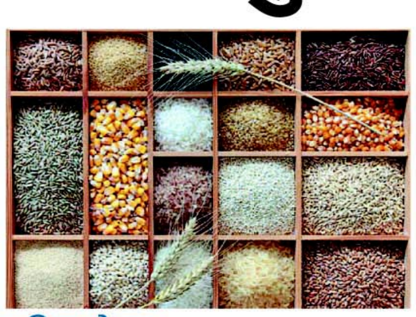

अधिक पोषक...

चूंकि व्हीट ब्रान साबुत अनाज में से हटाया नहीं जाता और सभी पोषक तत्व इसमें मौजूद रहते हैं इसलिए खिलाड़ियों, बढ़ रहे बच्चों, मां बनने वाली महिलाओं तथा स्वस्थ भोजन की इच्छा रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति को इसकी सलाह दी जाती है। साबुत अनाज का ग्लाइसैमिक इंडेक्स सफेद आटे के मुकाबले ब्लड शूगर को बेहतर तरीके से नियंत्रित करता है। व्हीट ब्रान भोजन को ब्लड शूगर में धीरे-धीरे परिवर्तित करता है और इसे शरीर के प्राकृतिक इंसुलिन हार्मोन मैकेनिज्म के लिए आसानी से मैनेज करता है। इसलिए हम कह सकते हैं कि ये ब्लड शुगर के लिए फायदेमंद है। साबुत अनाज के आटे में ग्लाइसैमिक इंडेक्स उच्च होता है जो वजन कम करने में सहायता के लिए जाना जाता है।

लिवर को बनाता है स्वस्थ

एक स्वस्थ लिवर के लिए एक ऐसे पेट की जरूरत होती है, जिसमें भोजन आसानी से इधर-उधर आ-जा सके और जो विषैले तत्वों के निर्मित होने से रहित हो। साबुत अनाज का ब्रान वाला हिस्सा इस बात को यकीनी बनाता है कि इन विषैले तत्वों को प्रभावी ढंग से साफ किया जाए।

कैंसर का खतरा होता है कम

साबुत अनाज का आटा फाइबर का बहुत बढ़िया स्रोत है जो हमारी आंतों की गतिविधियों को नियंत्रित करता है। भोजन में फाइबर वाला हिस्सा अधिक होना चाहिए ताकि यह पानी अधिक सोख सके। आंतों के प्रो-बायोटिक बैक्टीरिया को पेट के अल्केलाइन बैलेंस को नियंत्रित करने के लिए फाइबर की जरूरत होती है। जब फाइबर पेट में प्रविष्ट होता है तो फ्रेंडली बैक्टीरिया इसे इसके स्वास्थ्यवर्धक तत्व रिलीज करने के लिए तोड़ देता है। फाइबर की गैर-मौजूदगी में ये बैक्टीरिया संख्या में कम हो जाते हैं, क्योंकि पेट का वातावरण उनके अस्तित्व के लिए एसिडिक हो जाता है। फाइबर से कैंसर का खतरा भी कम होता है।

रेसिपी

ग्रिल्ड पालक चीज सैंडविच

सामग्री

ब्राउन ब्रेड-चार स्लाइस, बारीक कटा पालक-एक कप, कसा चीज-एक कप, काला नमक-आधा छोटा चम्मच, काली मिर्च पाउडर-1/4 छोटा चम्मच, नींबू का रस-1/4 छोटा चम्मच, मक्खन-एक छोटा चम्मच।

विधि

एक कटोरी में पालक, चीज, काला नमक, काली मिर्च और नींबू का रस अच्छी तरह मिलाएं। ब्रेड स्लाइस के किनारे अलग कर लें। मक्खन लगाकर तैयार पालक और चीज का मिश्रण अच्छी तरह फैलाएं। ऊपर से दूसरा स्लाइस रखें और 5 मिनट तक ओवन में ग्रिल करें। टमेटो सॉस के साथ सर्व करें।

चटपटी मसाला मैकरोनी

सामग्री

एक कप मैकरोनी, एक बड़ा टमाटर, एक प्याज, थोड़ा सा लहसुन, अदरक, मिच पाउडर, शिमला मिर्च, टमैटो कैचप, तेल, हरा धनिया

विधि

एक बड़े बर्तन में कम से कम 7 कप पानी उबालें। उसमें नमक, एक चम्मच तेल और मैकरोनी डाल दें। थोड़ी देर पकने दें। फिर छानकर अलग कर लें। शिमला मिर्च, टमाटर, अदरक, प्याज और लहसुन को बारीक काट लें। एक पैन में थोड़ा सा तेल गरम करके उसमें अदरक लहसुन डालकर पकाएं। उसमें कटा प्याज डाल कर गुलाबी होने तक पकाएं। उसके बाद टमाटर और लाल मिर्च डाल दें। टमाटर गलने पर उसमें शिमला मिर्च, टमैटो कैचप, नमक और हल्का सा पानी डालकर पकाएं। फिर मैकरोनी मिला दें। हरा धनिया और प्याज डालकर सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**